बुधवार
10 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

तेजस्वी मैदान में खिलाड़ियों को पानी पिलाते थे : सम्राट 2

बीजेपी सरकार ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत किसी से भी कम नहीं: मोदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने पीलीभीत में जनसभा को किया संबोधित
- बोले- जब नीयत सही और हौसले बुलंद होते हैं तो नतीजे सही मिलते हैं

केटी न्यूज/पीलीभीत

मेरे जीवन का हर पल, हर क्षण जनसेवा और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि आपके जीवन को आसान बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। जब नीयत सही होती है, हौसले बुलंद होते हैं तो नतीजे भी सही मिलते हैं। इसी का नतीजा है कि आज हम चारों तरफ विकसित भारत का निर्माण होते हुए देख रहे हैं। पीलीभीत की धरती पर माता यशवंतरी देवी का आशीर्वाद है। यहां आदि गंगा मां गोमती का उद्गम स्थल है। मैं इस पावन धरती को नमन करता हूं। आज नवरात्रि के पहले दिन मैं देश को ये याद दिला रहा हूं कि कैसे इंडी गठबंधन ने नारी शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है। आज देश में जिस नारी शक्ति की पूजा हो रही है, उस शक्ति का कांग्रेस ने घोर अपमान किया है। जिस शक्ति के आगे हम शीश झुकाते हैं, उस शक्ति को उखाड़ फेंकने की बात ये कांग्रेस के नेता कर रहे हैं। ये बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पीलीभीत में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां इतनी बड़ी संख्या में आपकी मौजूदगी दर्शाती है कि लक्ष्य चाहे जितना भी कठिन हो अगर भारत ठान लेता है तो सफलता हासिल करके ही रहता है। आपकी ऊर्जा और संकल्प का ही नतीजा है कि भारत सारी दुनिया की मुश्किलों के बीच दिखा रहा है कि उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। पहले जहां कांग्रेस सरकारें दुनिया से मदद मांगती थी तो वहीं कोरोना के महासंकट में भारत ने पूरी दुनिया में दवाएं और वैक्सीन भेजी। इतना ही नहीं दुनिया में युद्ध के संकट के दौरान हम एक-एक भारतीय को सुरक्षित वापस लाएं हैं। यह मजबूत और सशक्त सरकार की गारंटी को दर्शाता है। यह सुनकर आपको भी गर्व जरूर होता होगा। ये आपके वोट की ताकत है। आपके एक वोट से मजबूत, निर्णायक और सशक्त सरकार बनी। बीजेपी सरकार ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत किसी से भी कम नहीं है। आज देश विकास के नये कीर्तिमान गढ़ रहा है। यही वजह है कि दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों की परेशानी को कम करने के लिए पूरी ताकत से काम किया है। कई चीनी मिलें खुली हैं, कई का विस्तार हुआ है और ये काम लगातार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले दिन से ही गन्ना किसानों की मुसीबतें दूर करने के लिए अनेक कदम उठाएं हैं। सपा, बसपा और कांग्रेस के 14 साल में जितने रुपये गन्ना किसानों को मिले थे, उससे ज्यादा रुपये योगी सरकार सात साल में गन्ना किसानों को दे चुकी है। देश में एथेनॉल बलेंडिंग को लेकर जो बड़ा अभियान चल रहा है, उससे पीलीभीत के किसानों को बड़ा फायदा होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीलीभीत से टनकपुर तक रेलवे के ब्रॉड गेज होने से एक्सप्रेस ट्रेन चलने लगी है। धनारा घाट पर 250 करोड़ की लागत से पुल बनाने का काम भी शुरू होने वाला है। इससे शारदा नदी के किनारे रह रहे हजारों लोगों को आसानी होगी। ये सभी सुविधाएं किसानों और नौजवानों के लिए नये अवसर लेकर आ रही है। पुरानी सरकारों के दौरान जो उद्योग यहां बंद पड़ गये थे, उनको भी इससे नयी ऊर्जा मिलेगी।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि तुष्टिकरण के दलदल में कांग्रेस इतना डूब गई है कि उससे कभी बाहर नहीं निकल सकती।

किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को दिए 8 .5 हजार करोड़

पीएम मोदी ने कहा कि पीलीभीत में एक तरफ बांसुरी की सुरीली आवाज है तो दूसरी तरफ टाइगर की दहाड़ भी है। हमारी सरकार पीलीभीत टाइगर रिजर्व की ख्याति को देश और दुनिया के कोने-कोने में ले जाने का काम कर रही है। यहां इको टूरिज्म का नया इको सिस्टम बन रहा है। इससे यहां के नौजवानों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नये अवसर बनेंगे। पीलीभीत और ये पूरा क्षेत्र खेती और किसानी के लिए भी जाना जाता है। दस वर्ष पहले तक यहां किसानों की क्या स्थिति थी, आपको इसके बारे में सबसे ज्यादा पता है। 10 वर्ष पहले महंगे यूरिया की काला बाजारी होती थी। वहीं यूपी के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 70 हजार करोड़ रुपये मिले हैं। यह आकंड़ा छोटा नहीं है। अकेले पीलीभीत के किसानों को साढ़े आठ सौ करोड़ रुपये दिये गये हैं। सपा और कांग्रेस के राज में गन्ना किसानों को कैसे अपने ही पैसे के लिए तरसाया जाता था ये आपसे अच्छा कौन जान सकता है। हमारे लिये किसान भाइ सर्वोपरि हैं, उनके हित के लिए अनके कदम उठाए गये हैं।

कांग्रेस ने आमंत्रण ठुकराकर भगवान राम का अपमान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता स्व. कल्याण सिंह ने राम मंदिर के लिए अपना जीवन और सरकार समर्पित कर दी। देश के हर परिवार ने अपनी-अपनी श्रद्धा के अनुसार योगदान दिया, लेकिन इंडी गठबंधन वालों को राम मंदिर के निर्माण से पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है। अयोध्या में राम मंदिर न बने इसके लिए कांग्रेस ने लाख कोशिश की, लेकिन जब देश की जनता ने पाई-पाई देकर इतना भव्य मंदिर बना दिया और जब मंदिर वालों ने आपके सारे गुनाह माफ करके प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रित किया। वहीं आपने (कांग्रेस) आमंत्रण को ठुकरा कर भगवान राम का अपमान किया और जो नेता प्राण प्रतिष्ठा में गए, उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन को देश की महान विभूतियों का अपमान करने में भी संकोच नहीं होता। कांग्रेस या समाजवादी पार्टी के बड़े नेता आज तक कभी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर नहीं गए हैं। ये लोग विदेश घूम आते हैं, लेकिन अपने ही देश में सरदार पटेल की प्रतिमा का दर्शन नहीं करते।

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के इब्राहिमपुर की घटना, ट्रांसफॉर्मर बनी मौत की वजह

रोहतास में दर्दनाक हादसा... घर में आग लगने से एक ही परिवार के सात की मौत

- मरनेवालों में पांच बच्चे व दो महिलाएं शामिल, इनमें एक महिला गर्भवती थी
- दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही सबकुछ हो गया खाक

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिहार के रोहतास जिले के एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रोहतास जिला के काराकाट प्रखंड क्षेत्र के इब्राहिमपुर की है। बताया जाता है कि मंगलवार को दिन के एक से दो बजे के बीच आग लगने की घटना में पांच बच्चे और दो महिला समेत कुल सात लोग झुलस गए। मरनेवालों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। जानकारी के अनुसार आग लगते ही आसपास के लोगों ने दमकल विभाग को सूचना देते हुए आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

परिजनों की माने तो आग की शुरूआत पास के ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी से हुई, जिसने झोपड़ी नुमा घर को जल्दी ही अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बारे में यह भी बताया जाता है कि लकड़ी और पतेल पुआल के सहारे चारों ओर से करकट से झोपड़ी को बनाया गया था। जिसकी आगे से दरवाजे बनाया गया था। वहीं ट्रांसफॉर्मर के कारण आग लगी तो करकट से घिरे झोपड़ी में भी करंट आ गया। परिवार के सभी लोग करंट के चपेट में आ गए जिस कारण परिवार के लोग भागने में असमर्थ रहे। आग में झुलसने से छह की मौके मौत हुई वहीं एक की मौत सदर अस्पताल सासाराम में जाकर हो गयी।

परिवार के छह सदस्य जिनकी मौत हो गई। उनमें पुष्पा देवी उर्फ पूषा देवी उम्र 30 वर्ष पति देवराज चौधरी, बजरंगी कुमार उम्र 6 वर्ष, काजल कुमारी उम्र 4 वर्ष, गुडिया कुमारी उम्र 1 वर्ष, तीनों बच्चों के पिता देवराज चौधरी ये सभी ग्राम बड़हर टोला थाना जगदीशपुर जिला भोजपुर आरा कांति कुमारी उम्र 6 वर्ष पिता शामा चौधरी ग्राम रामनगर थाना तरारी जिला भोजपुर , माया देवी उम्र 25 वर्ष जो सात माह से गर्ववती थी पति दीपक चौधरी ग्राम लेमद्रा थाना विशावदर जिला जुनागढ़ (गुजरात), शिवानी कुमारी उम्र 3 वर्ष पिता देवराज चौधरी ग्राम बडहरोला थाना जगदीशपुर जिला भोजपुर आरा, राजू देवी उम्र 45 वर्ष पति शामा चौधरी ग्राम रामनगर थाना तरारी जिला भोजपुर पैतृक निवास था। जो करीब एक वर्ष से झोपड़ी बनाकर हर रहे थे।

वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह, एसडीएम अनिल बसाक , कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार, काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह, सीओ डॉ रितेश कुमार सिंह व अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि पहुंचे थे। घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए एसडीएम बसाक ने कहा कि घटना में जितनी भी मौत हुई है, उनके परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही साथ उन्होंने घटना की जांच कराने का आश्वासन मृतक के परिजनों को दिया है। वही काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह ने मामले की गहनता से जांच कर मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने के लिए सरकार और जिला के वरीय पदाधिकारी से मांग की। वहीं थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने घटना के बारे में बताया कि यह घटना खाना बनाने के बाद की है जिस वक्त आग का अवशेष भाग बचा था जो आगे चलकर विकराल रूप ले लिया। जिससे यह घटना घटित हुई।

सीवान में ट्रेन की चपेट में आने से 2 बच्चों सहित 4 लोगों की दर्दनाक मौत

सीवान। बिहार के सीवान जिले में ट्रेन की चपेट में आने से 2 बच्चों सहित 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कानूनी कार्रवाई में जुट गई। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, घटना जिले के सीवान-गोरखपुर रेलखंड पर मैरवा स्टेशन के पास की है। मृतकों की पहचान लक्ष्मीपुर गांव निवासी दिलबहार कुमार, श्रीमती देवी, खुशी कुमारी और नीतू देवी के रूप में हुई है। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दो महिलाएं अपने बच्चों के साथ गेहूं काटने के बाद घर लौट रही थी तभी सीवान-गोरखपुर रेलखंड पर मैरवा स्टेशन के पास ट्रैक पार कर रहे दोनों बच्चे ट्रेन की चपेट में आ गए। बच्चों को बचाने के लिए दोनों महिलाओं ने काफी कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाई और बच्चों को बचाने के चक्कर में वो भी ट्रेन के चपेट में आ गई। इस हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस हादसे के बाद इलाके में कोहराम मच गया है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भाजपा नेता विशेश्वर ओझा हत्याकांड में हरेश व ब्रजेश मिश्रा सहित सात अभियुक्त दोषी करार

आठ साल बाद कोर्ट का फैसला

- पांच आरोपित हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट में दोषी, 16 अप्रैल को होगा सजा का एलान

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर सहित सूबे के चर्चित भाजपा नेता विशेश्वर ओझा हत्याकांड में आठ साल बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया। गवाह और साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने हत्याकांड के मुख्य आरोपित हरेश मिश्रा और उसके भाई ब्रजेश मिश्रा सहित सात आरोपितों को दोषी पाया है। इनमें हरेश मिश्रा और ब्रजेश मिश्रा को हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स जबकि अन्य पांच को हत्या के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट में दोषी पाया गया है। हालांकि पुलिस की जांच में आरोपित बनाये गये अन्य छह को कोर्ट ने रिहा कर दिया है। अपर जिला और सत्र न्यायाधीश आठ नीरज किशोर की ओर मंगलवार से यह फैसला सुनाया गया। इस मामले में अब कोर्ट की ओर से 16 अप्रैल को सजा की बिंदु पर सुनवाई की जायेगी। हरेश मिश्रा और ब्रजेश मिश्रा करनामेपुर ओपी क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी शिवाजीत मिश्रा के बेटे हैं। अन्य दोषी सिद्ध आरोपितों में सोनवर्षा गांव के ही उमाकांत मिश्रा, बसंत मिश्रा, टुन्नी मिश्रा, इश्वरपुरा गांव निवासी पप्पू सिंह और हरेंद्र सिंह उर्फ बुआ सिंह शामिल हैं।पीपी नागेश्वर दूबे और अपर लोक अभियोजक माणिक कुमार सिंह की ओर से यह जानकारी दी गई।

इधर भाजपा नेता हत्याकांड में फैसले को लेकर कोर्ट में काफी गहमागहमी बनी थी। उसे देखते हुए आरा कोर्ट की सुरक्षा काफी सख्त कर दी गई थी। एएसपी परिचय कुमार और नगर थानाध्यक्ष देवराज राय के नेतृत्व में पुलिस टीम कोर्ट में मौजूद थी। एपीपी माणिक कुमार सिंह ने बताया कि हत्याकांड को लेकर हरेश मिश्रा और ब्रजेश मिश्रा सहित सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। कुछ अज्ञात भी आरोपित किये गये थे। पुलिस की अनुसंधान में भी छह लोगों का नाम केस में आया था। हालांकि ट्रायल के दौरान गवाहों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट की ओर केस में नामजद आरोपितों को दोषी पाया है। उनमें हरेश मिश्रा और ब्रजेश मिश्रा को हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स जबकि अन्य पांच को हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट में दोषी पाया गया है। इस मामले में 16 अप्रैल को सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। बता दें कि 12 फरवरी की शाम शादी समारोह से लौटते समय भाजपा नेता विशेश्वर ओझा को गोलियों से भून डाला गया था। अंधाधुंध गयी फायरिंग में भाजपा नेता के साथ रहे दो अन्य लोगों को भी गोली लगी थी। इलाज के बाद दोनों की जान बच गयी थी।

सूर्य की किरणों को ऑप्टिकल उपकरणों की एक सीरीज से किया जाएगा कैप्चर और डायवर्ट

नवमी के दिन श्रीरामलला का सूर्य की किरणों से होगा अभिषेक

एजेंसी/अयोध्या

इस साल अयोध्या में राम नवमी बहुत धूमधाम से मनेगी। नवरात्र में राम जन्मभूमि मंदिर में 9 दिन शक्ति की उपासना के बाद 17 अप्रैल को राम नवमी के दिन राम लला का सूर्य अभिषेक किया जाएगा। उन्हें सूर्य तिलक लगाया जाएगा। साथ ही 56 प्रकार का भोग लगाया जाएगा। इस अद्भुत क्षण के साक्षी बनने के लिए राम नवमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। राम मंदिर में राम लला के सूर्य अभिषेक और सूर्य तिलक लगाने के लिए सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान-बेंगलुरु के वैज्ञानिकों के साथ अयोध्या पहुंच चुके हैं। इसके लिए मंदिर के भूतल पर एक ऑप्टो मैकेनिकल सिस्टम लगाया जा रहा है। 17 अप्रैल को अयोध्या के सूर्यवंशी राजा राम लला को दोपहर में करीब 12 बजे 'सूर्य अभिषेक' का उपहार देंगे।

यह एक ऐसी घटना है, जिसके जरिए से सूर्य की किरणों को ऑप्टिकल उपकरणों की एक सीरीज से कैप्चर और डायवर्ट किया जाएगा। स्टैंडर्ड ऑप्टो मैकेनिकल सेटअप एक फैब्री-पेरोट कैविटी है, जहां एक दर्पण गतिशील होता है, ताकि इनपुट लेजर के लिए ऑप्टिकल सिस्टम की प्रतिक्रिया को अधिकतम किया जा सके। फैब्री-पेरोट कैविटी, फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी चार्ल्स फैब्री और अल्फ्रेड पेरोट के नाम पर है, जिन्होंने इसे 1897 में इसे विकसित किया था। इस तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सूर्य की किरणों को रामनवमी के दिन दोपहर करीब 12 बजे के आसपास भगवान के माथे को रोशन किया जाएगा।

चार मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के माथे पर 75 मिलीमीटर तक गोलाकार रूप में चमकती रहेंगी। दरअसल राम मंदिर ट्रस्ट की मूल योजना मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद ये प्रक्रिया शुरू करने की थी, लेकिन साधु-संतों के अनुरोध के बाद, सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक नवनिर्मित मंदिर में पहली रामनवमी पर 'सूर्य अभिषेक' की व्यवस्था कर रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने कहा कि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की एक टीम रविवार रात से इस परियोजना पर काम कर रही है। राम लला की मूर्ति के माथे और गर्भगृह के बीच की दूरी मापने के बाद, वैज्ञानिकों ने रणनीतिक रूप से उन बिंदुओं पर स्टीकर लगाए जहां दर्पण और उपकरण रखे जाएंगे।

रोहिणी आचार्य ने बीजेपी सांसद अश्विनी चौबे को दिया खुला ऑफर

तेजस्वी क्रिकेट के मैदान में खिलाड़ियों को पानी पिलाते थे : डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए और महागठबंधन के बीच बयानबाजियों का दौर जारी है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पिछले दिनों तेजस्वी पर हमला बोलते हुए कहा था कि वे क्रिकेट के मैदान में खिलाड़ियों को पानी पिलाया करते थे। सम्राट के इस बयान पर लालू की बेटी रोहिणी ने पलटवार किया है। इसके साथ ही साथ रोहिणी आचार्य ने बीजेपी सांसद अश्विनी चौबे का खुला ऑफर दे दिया है। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। मंगलवार को चुनाव प्रचार में जाने से पहले रोहिणी ने बीजेपी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। चुनावी प्रचार के लिए राबड़ी आवास से सारण रवाना होने से पहले रोहिणी ने कहा कि सारण में मां-बहनों का भरपूर प्यार और स्नेह मिल रहा है। उन्होंने सारण की जनता से अपील की कि वे अपना सहयोग दें और वे सबकी सेवा करेंगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यह कहने पर कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को सरकार संरक्षण देती थी, इसपर रोहिणी ने कहा कि नीतीश कुमार के राज में भ्रष्टाचारियों और बलात्कारियों को पनाह दिया जा रहा है। मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड पर क्यों नहीं बोलते हैं।बीजेपी ने सारण में पूरी ताकत झोंक दी है, इस सवाल पर रोहिणी ने कहा कि बीजेपी तो ताकत पर लड़की है और हमलोग तो जनता के प्यार और मोहब्बत के साथ लड़ते हैं। उनको अपनी पूरी ताकत लगा लेने दीजिए। ईडी, सीबीआई का इस्तेमाल कर ले कोई फायदा नहीं मिलने वाला है।तेजस्वी के पानी पिलाने वाले सम्राट चौधरी के बयान पर उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी क्या करते थे, यह फर्जी डिग्री वाले हैं, फ्रॉड लोक हैं। इस बार तो तेजस्वी ने ऐसा पानी पिलाया है कि पीएम को बार-बार बिहार आकर तेजस्वी और लालू परिवार को घेरना पड़ रहा है। वहीं अश्विनी चौबे का बक्सर से पत्ता कटने पर रोहिणी ने उनको खुला ऑफर दिया और कहा कि चौबे सारण आकर उनके साथ चुनाव प्रचार करें।

365 दिन भी पीएम आएंगे तो हार तय है: तेजस्वी

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियों चरम पर पहुंच गई हैं। अपनी जीत को सुनिश्चित करने के लिए पक्ष और विपक्ष ने अपना दम लगा दिया है। प्रधानमंत्री 15 दिनों के भीतर 16 अप्रैल को तीसरी बार बिहार पहुंच रहे हैं तो वहीं अमित शाह 10 अप्रैल को औरंगाबाद आ रहे हैं। मोदी और शाह के बिहार दौरे पर तेजस्वी का रिएक्शन आया है। अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे पर तेजस्वी ने कहा कि चुनाव में तो सभी लोग आते ही रहते हैं, आने दीजिए इसमें कौन सी बड़ी बात है। जो हालात हैं प्रधानमंत्री अगर साल के 365 दिन भी आएंगे तो इन लोगों की हार तय है। प्रधानमंत्री और बीजेपी के लोग सबसे अधिक अगर किसी चीज से डरे हुए हैं तो बिहार से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग तो यहां अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। ये लोग तो इतना डर गए हैं कि अपनी जांच एजेंसियों को भी यहीं रखे हुए हैं। ये सब हमलोगों को पता है। प्रधानमंत्री हों या गृहमंत्री हों आएं। लेकिन उनसे हाथ जोड़कर निवेदन है कि मुद्दे की बात करें, किसानों की बात करें, बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की मांग करें, बिहार के स्पेशल पैकेज के बारे में बात करें, नौकरी के बारे में बात करें, पलायन कैसे रोकेंगे इसकी बात करें। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव के समय ये लोग तो आते हैं और वादा करके चले जाते हं। पिछले चुनाव में कितना कारखाना लगाने का वादा किए थे लेकिन 10 साल में एक भी कारखाना खुला। कोई निवेश भी नहीं आया लेकिन गुजरात को देख लीजिए तो सब चीज गुजरात धकेल दिया जाता है और बिहार प्रचंड बहुमत देता है ।

आदर्श आचार संहिता के दौरान 22.66 लाख रुपए नगद और डेढ़ किलो चांदी के जेवर के साथ एक हिरासत में

केटी न्यूज/अररिया

अररिया-फारबिसगंज थाना क्षेत्र के सुभाष चौक के समीप आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चेकिंग के क्रम में पुलिस ने एक व्यक्ति को 22 लाख 66 हजार 730 रुपए नगद और डेढ़ किलो चांदी के जेवरात के साथ हिरासत में लिया है। नगर के सुभाष चौक पर पुलिस की ओर से वाहन जांच की जा रही थी। इसी क्रम में झोला लेकर गुजर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने रोक कर जब उनके झोले की तलाशी ली तो झोले में से 22 लाख 66 जाकर 730 रुपए और डेढ़ किलो चांदी के जेवरात मिले हैं।इस बात की जानकारी फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने दी है। फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने जानकारी देते हुए बताया कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति सुपौल जिला के राघोपुर थाना क्षेत्र के सिमराही बाजार का रहने वाला गौतम स्वर्णकार पिता - स्व. सुदन स्वर्णकार है।डेढ़ किलो चांदी के जेवरात की कीमत करीबन डेढ़ लाख रुपए बताई जाती है।उन्होंने बताया कि एसपी अमित रंजन के निर्देश पर एफएसटी और फारबिसगंज थाना पुलिस की ओर से वाहनों की जांच की जा रही थी।इसी क्रम में पैदल ही झोला लेकर गुजरने पर पुलिस को शक हुआ और जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके झोले से 22 लाख 66 हजार 730 रुपए और डेढ़ किलो चांदी के जेवरात बरामद किए गए। फारबिसगंज एसडीपीओ ने बताया कि वाहनों के जांच में एफएसटी के अलावे फारबिसगंज थाना अध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह, एसआई रंजन कुमार सिंह और सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे। उन्होंने बताया कि लगातार इस बात की निगरानी रखी जा रही है कि कोई भी नगद या चांदी का सामान लाने-ले जाने का प्रयास नहीं करें। यदि कोई पकड़ा जाता है। उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

राजद ने 22 सीटों पर उतारे प्रत्याशी, लालू ने अपनी दो बेटियों को दिया टिकट

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर राष्ट्रीय जनता दल ने 22 उम्मीदवारों की नई लिस्ट जारी की है। राष्ट्रीय जनता दल ने अपने एक्स अकाउंट पर पूरी लिस्ट शेयर की है। इस लिस्ट में बीमा भारती, मीसा भारती और श्रवण कुमार कुशवाहा समेत 22 प्रत्याशियों के नाम हैं। गया से कुमार सर्वजीत पासवानएनवादा से श्रवण कुमार कुशवाहा, सारण से रोहिणी आचार्य, जमुई से अर्चना रविदास, बांका से जय प्रकाश यादव, पूर्णिया से बीमा भारती, दरभंगा से ललित यादव, बक्सर से सुधाकर सिंह, सुपौल से चंद्रहास चौपाल, पाटलिपुत्र से मीसा भारती, वैशाली से विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला, औरंगाबाद से अभय कुमार कुशवाहा, हाजीपुर से शिवचंद्र राम, अररिया से शाहनवाज आलम, जहानाबाद से सुरेंद्र प्रसाद, मुंगेर से अनीता देवी महतो, उजियारपुर से आलोक कुमार मेहता, सीतामढ़ी से अर्जुन राय, मधुबनी से अली अशरफ फातमी, वाल्मीकिनगर से दीपक यादव, शिवहर से रितू जायसवाल, मधेपुरा से कुमार चन्द्र दीप का नाम शामिल है। नाम सामने आते ही अब प्रत्याशी चुनाव जीतने के लिए पूरी एड़ी चोटी कर देंगे। सभी से संपर्क स्थापित करेंगे।

महागठबंधन के पास तो कैंडिडेट ही नहीं: शाहनवाज

पटना । एक तरफ जहां एनडीए ने बिहार की 40 सीटों के लिए अपने कैंडिडेट की घोषणा कर दी है प्रधानमंत्री कई सभाएं कर चुके हैं और कई सभाओं की लिस्ट फाइनल हो चुकी है वही महागठबंधन के तौर पर अब तक ना तो प्रत्याशियों की घोषणा की गई और ना ही स्टार प्रचारक को की सभा तय हो पा रही है बिहार में 40 सीट का दावा करते हुए शाहनवाज हुसैन ने महागठबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह चुनाव देश का चुनाव है बावजूद इसके महागठबंधन के पास ना तो कैंडिडेट है और ना ही कोई एजेंडा है। महागठबंधन पूरी तरह से फेल है।

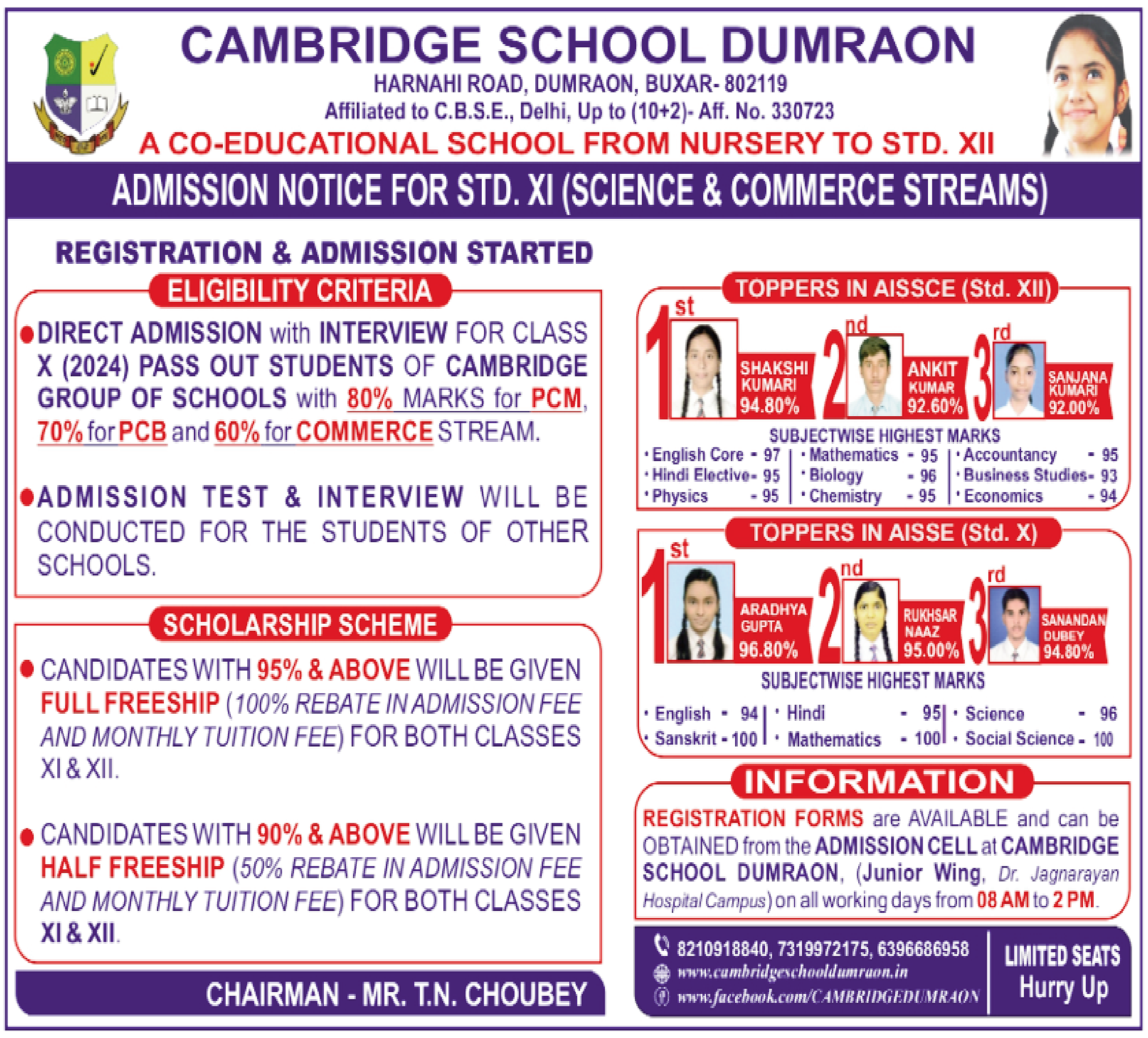

नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तिमय रहा माहौल

केटी न्यूज/डुमरांव

चैत्र नवरात्र मंगलवार से शुरू हो गया। पहले ही दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और लंबी कतारें लगी दिखीं। श्रद्धालुओं ने मां का दर्शन-पूजन कर लोक मंगल की कामना की। इस दौरान घंटा-घड़ियाल और जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। घरों में लोगों ने परंपरागत ढंग से पूजा कर नवरात्र का उपवास शुरू किया। नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालु बड़े सबेरे उठे और स्नान ध्यान के बाद तय मुहूर्त पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना कर नवरात्र व्रत का संकल्प लिया। विधि-विधान से कलश स्थापना की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान मंदिरों के आसपास मेले जैसा माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने प्रथम दिन शैलपुत्री देवी की पूजा-अर्चना के साथ घरों में भी कलश की स्थापना की। जय माता की जयकारों के साथ ही माता के मंदिरों में भक्तों की भीड़ लग गई। मां के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। सुबह होते ही भक्त मंदिर में पहुंचे पूजा-अर्चना में जुट गए। व्रत रखने वालों ने व्रत रखा और बाजार में व्रत के सामान की जमकर खरीदारी की। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं में महिलाओं की संख्या ज्यादा रही। चैत्र नवरात्र के पहले दिन सभी देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। शहर के मां डुमरेजनी मंदिर, मां काली मंदिर, रेलवे स्टेशन स्थित मां दुर्गा मंदिर, मां भगवती मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं के जयघोष से भक्तिमय वातावरण का माहौल रहा। आस्था के साथ तमाम श्रद्धालुओं ने नौ दिन के उपवास भी शुरू किए हैं।

जलभरी के साथ शुरू हुआ मां काली प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के अकालूपुर गांव में दस दिवसीय मां काली प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ मंगलवार को जलभरी के साथ शुरू हुआ। शुभ मुहूर्त में यज्ञ मंडप से हजारों महिला-पुरुष हाथों में कलश लिए निकले और परंपरा के तहत गांव का परिक्रमा करते हुए बंगला से रमशर पोखरा ढकाइच तक पहुंचे। इस दौरान गाजे-बाजे के साथ ऊंट-घोड़े भी शामिल रहें। यहां पहले से ही मोक्षदायिनी मां गंगा का जल लाया गया था, जिसे तालाब में डाला गया फिर उसी पवित्र तालाब से जल लेकर श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचे। इस कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालु केसरिया पीतांबरी पहन कर शामिल हुए। इस दौरान मां काली सहित यज्ञ नारायण भगवान की जयघोष लगाये जा रहे थें। मंगलवार को विधि-विधान से अरणी मंथन, पंचांग पूजन व मंडप पूजन के साथ ही वैदिक मंत्रोच्चारण कर यज्ञ की विधिवत शुरुआत की गयी। आचार्य पंडित अखिलेश्वर मिश्र के अधीन कथावाचक पंडित पुरुषोत्तम पांडेय शास्त्री द्वारा हर दिन प्रवचन किया जायेगा। कार्यक्रम में यज्ञ समिति के सदस्य अशोक कुमार वार्ड सदस्य, मालिक यादव पुजारी, लाल साहब, सुनील यादव, संजय यादव, सुरेश, हरिकेश, उपेंद्र, राधेश्याम की मुख्य भूमिका रही।

एक नजर

डुमरांव नगर के नाया थाना से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक की सड़क हो चुकी है जर्जर

डुमरांव। शहर के बीचोबीच से गुजर रही एनएच 120 की स्थिति काफी दयनीय बनी हुई है। यह रोड नाया थाना से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक गड्ढो में तब्दील हो चुकी है। आए दिन वाहन उसमें पलटते रहते हैं। जिससे जानमाल का नुकसान होते रहता है। इस रोड को बनाने के लिए न विभाग कोई कार्रवाई कर रहा है और न ही नगर परिषद। इस रोड को बनाने में नगर परिषद अपना हाथ खींच रहा है। नप का कहना है कि यह रोड एनएच का है। इसमें नप काम नहीं लगा सकता है। इधर कुछ महीने बाद ही बरसात आ जाएगा। ऐसे में नगरवासी सहमे हुए हैं कि इस साल भी रोड न मरम्मत हुई और न ही बनाया गया तो यह जानलेवा हो सकता है। बता दें कि इस साल गड्ढे का दायरा और बढ़ गया है। जिससे नगरवासियों की परेशानी और बढ़ गई है। उभर आए गड्ढे को भरने का भी काम नहीं किया जा रहा है। एनएच का स्टेशन रोड नगर का मुख्य रोड है। जिस पर सैकड़ों वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। बावजूद इस पर एनएच बनाने और मरम्मत करने वाली कंपनी भी इस पर कोई ध्यान नहीं देती है। एक दशक से इस रोड में काम ही नहीं लगा है। जिससे आम लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

छात्रों में छुपी हुई प्रतिभा को तराशना ही है शिक्षक का परम कर्तव्य: धीरज कुमार

चौगाई। छात्रों नैसर्गिक प्रतिभा होती है। शिक्षक का काम उसे तराश कर उन्हें उंचाई तक पहुंचाना होता है। शिक्षक की भूमिका कुम्हार की होती है, जो छात्रों के जीवन को गढ़ते है। उक्त बातें उत्क्रमित उच्च विद्यालय ओझा बरांव के प्रधानाध्यापक धीरज कुमार ने कही। अवसर था विद्यालय में आयोजित अभिभाव गोष्ठी सह दीक्षांत समारोह का। उन्होंने कहा कि सत्र 2023-24 के वार्षिक मूल्यांकन में कई छात्रों ने अपनी प्रतिभा से हम सबको चकित किया है। यह उनके पूरे साल के मेहनत तथा शिक्षकों के बेहतर मार्गदर्शन का परिणाम है। वार्षिक दीक्षांत समारोह में वार्षिक परीक्षा 2024 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले 30 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र तथा मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विद्यालय में 90 प्रतिशत तथा इससे ऊपर अंक लाने वाले पांच विद्यार्थियों ओम नारायण, रागिनी कुमारी, गरिमा भारती, श्रेया सुमन तथा अंकित कुमार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अंत में सभी छात्रों के बीच परीक्षाफल का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों एवं उनके अभिभावकों की सहभागिता सराहनीय रही। कार्यक्रम प्रधानाध्यापक धीरज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी, जिसमें मंच संचालन वरीय शिक्षक उपेंद्र कुमार पांडेय ने किया। मौके पर रमेश कुमार सिंह, विजय प्रताप सिंह, सतीश चंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, शिवाजी सिंह, परमेश्वरी ओझा, किरण कुमारी, कुमारी अरुणा देवी, ओम प्रकाश सिंह, संजीव कुमार सिंह, शशि भूषण सिंह, विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति की सदस्य प्रिया देवी के साथ सैकड़ों छात्र तथा उनके अभिभावक मौजूद थे।

चुनावी प्रक्रिया व ईवीएम संचालन से रूबरू हुए सभी पदाधिकारी व मास्टर ट्रेनर

बक्सर। लोकसभा चुनाव 2024 जैसे जैसे नजदीक आते जा रहा है, वैसे वैसे प्रशासनिक तैयारियां तेज होते जा रही है। मंगलवार को जिला निवार्ची पदाधिकारी सह बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारियों, कोषांगो के वरीय प्रभारी पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारियों, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित पदाधिकारियों एवं मास्टर प्रशिक्षकों को सेक्टर पदाधिकारियों के कार्य एवं दायित्व के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके बाद मतदान दल से संबंधित मतदान प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी दी गई एवं बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट तथा वीवीपैट मशीन के कनेक्शन से संबंधित जानकारी भी दी गई। वही हैंड्स ऑन प्रशिक्षण भी कराया गया। इसके अतिरिक्त डिस्पैच सेंटर तथा रिसीविंग सेंटरों पर प्रतिनियुक्त कर्मियों के कार्य एवं दायित्वों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्रशिक्षण से संबंधित संक्षिप्त प्रशिक्षण सामग्री तैयार कर उपलब्ध कराएंगे। सभी मास्टर प्रशिक्षकों को सभी प्रकार के प्रपत्रों को भरने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रों ने निकाली झांकी

नावानगर। सरस्वती विद्या मंदिर बाली सोनवर्षा के छात्रों ने मंगलवार को चैत प्रतिपदा विक्रमी संवत नव वर्ष के उपलक्ष्य में आकर्षक झांकी निकाला। इसमें तीन झांकियां राम दरबार, माता दुर्गा के नव रूपों का दर्शन एवं घोड़े पर सवार विक्रमादित्य के आकर्षण का केंद्र रहा। यह झांकी विद्यालय से निकलकर सोनवर्षा थाना के रास्ते होते हुए काली रोड, पटेल चौक, साह सेवा सदन के रास्ते सब्जी बाजार होते हुए पुनः विद्यालय वापस पहुंची। इस क्रम में सोनवर्षा के व्यवसायी वर्ग के लोगों का काफी सराहनीय सहयोग रहा। वे जगह-जगह पर छात्रों के लिए जलपान समेत अन्य व्यवस्था की थी। सोनवर्षा पंचायत के बीडीसी अजय गुप्ता के द्वारा विद्यालय परिवार की प्रकाश चंद्र राय जी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। चैत शुक्ल प्रतिपदा विक्रमी सम्वत नव वर्ष पर झांकी कार्यक्रम का नेतृत्व आचार्य रामाकांत पाठक द्वारा किया गया था। जिसे सफल बनाने में विद्यालय के सभी आचार्य एवं शिक्षिका सहयोगात्मक भाव से लगे रहें।

खबरें फटाफट

जूनागढ़ जाने के लिए घर से भागे थे सीआरपीएफ जवान के दोनों बेटे, राजकोट से बरामद

बक्सर। बक्सर के वीर कुंवर सिंह कॉलोनी से 24 घंटा पहले घर से रहस्यम ढंग से गायब हुए सीआरपीएफ जवान के दोनों पुत्रों को रेल पुलिस ने राजकोट से सकुशल बरामद कर लिया है। रेल पुलिस ने उन्हें राजकोट से बरामद किया है। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों की आंखे खुशी से भर आई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों मां की अनुपस्थिति में घर से निकल रेलवे स्टेशन पहुंचे तथा वहां से अपने बड़े पिता जो जूनागढ़ में रहते है, उनके पास जाने के लिए टेऩ्न में सवार हो गए थे। हालांकि परिजनों द्वारा उनके गायब होने की जानकारी मिलने के बाद से आरपीएफ इंस्पेक्टर ने उन्हें बरामद करने के लिए काफी मशक्कत की। इस दौरान उन्होंने आरपीएफ के राष्ट्रीय स्तर के व्हाट्सऐप ग्रुप नन्हें फरिश्ते दोनों की तस्वीर शेयर की। जिसके बाद सक्रिय हुई रेल पुलिस ने उन्हें राजकोट में वीरांवल एक्सप्रेस की सामान्य बोगी से बरामद कर लिया। बता दें कि वीर कुंवर सिंह कॉलोनी में रहने वाले सीआरपीएफ जवान संजय सिंह के 9 वर्षीय तथा 13 वर्षीय दो पुत्रों ने रविवार को अचानक घर छोड़ दिया था। जिससे उनके परिजन काफी परेशान हो गए थे। हालांकि, उनकी बरामदगी से परिजनों को बड़ी राहत मिली है।

नया भोजपुर में पुलिस ने जब्त किया ओवरलोडेड ट्रक

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 922 सड़क पर खनन पदाधिकारी के नेतृत्व में ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें बालू लदे एक ट्रक को पकड़ा गया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि तय मानक से अधिक ट्रक पर बालू लदा था, जिसे जब्त कर खनन पदाधिकारी द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। ज्ञात हो कि इससे पहले भी कई बार ओवरलोडेड ट्रक को पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान पकड़ा है बावजूद इसके ट्रक चालकों में डर नहीं है।

असम के रहने वाले हैं दोनों तस्कर, पूछताछ के बाद भेजा गया जेल

बक्सर स्टेशन पर 10 किलो गांजा के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर आरपीएफ की टीम ने आपरेशन नार्कोस के तहत स्थानीय रेलवे स्टेशन पर तलाशी अभियान के दौरान 10 किलो गांजा के साथ असम निवासी एक महिला व एक पुरुष तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने के बाद आरपीएफ की टीम ने उन्हें जीआरपी को सौंपा। जहां मजिस्ट्रेट सह बक्सर सीओ प्रशांत शांडिल्य की मौजूदगी में दोनों के पास मौजूद बैग की तलाशी ली गई तो दोनों के बैग से पांच-पांच किलो गांजा बरामद हुआ। जिसका बाजार मूल्य एक लाख रूपए बताया जाता है। गांजा के साथ पकड़ाए तस्करों की पहचान असम के दारांग जिला के खारी पटिया थाना क्षेत्र के बोला गोरा गांव की सुनीता चौहान तथा वेस्ट करबी ऐंगलांग जिला के खेरोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत लंबा पत्थर गांव के अर्जुन चौहान के रूप में की गई है। दोनों को आवश्यक पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। बता दें कि लोक सभा चुनाव के मद्देनजर स्थानीय रेल पुलिस आपरेशन नोर्कोस चला रही है। इसी अभियान के तहत ट्रेन संख्या 15946 डिब्रूगढ़ लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के बी-4 बोगी से उतर तेजी से भागने के दौरान शक के आधार पर दोनों को पकड़ा है। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उनके नेतृत्व में स्टेशन पर उप निरीक्षक दिनेश चौधरी, प्रधान आरक्षी राजेश कुमार व राजकीय रेल पुलिस बक्सर की सिपाही स्मिता कुमारी द्वारा प्लेटफार्म संख्या 2 पर गाड़ी के आगमन के बाद तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान यह सफलता मिली। उन्होंने बताया कि आरपीएफ की टीम द्वारा लोकसभा चुनाव में टेऩ्न के सहारे शराब, मादक पदार्थों, रूपए तथा अन्य गैरकानूनी वस्तुओं के ढुलाई पर रोक लगाने के लिए हर दिन विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत टीम को यह सफलता मिली है।

अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर धराये, बाइक जब्त

डुमरांव। लोकसभा चुनाव को लेकर डुमरांव पुलिस थाना क्षेत्र में लगातार वाहन चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में स्थानीय पुलिस को टेढ़की पुल के पास चेकिंग अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने एक बाइक को भी जब्त किया। बताया जाता है कि टेढ़की पुल के समीप प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अनीशा राणा की अगुवाई में पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक कार्टन में भरे शराब लेकर आते दिखाई दिये। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह अपनी बाइक की रफ्तार बढा दी। हड़बड़ी में बाइक सवार युवक ने अपनी बाइक को सड़क किनारे वाट के पानी में बाइक को गिरा दिया। पुलिस की टीम उन्हें पकड़ने के लिए दौड़ी और पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान थानाध्यक्ष के पैरों में मामूली चोटें भी आयी। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने चार कार्टन में लदे 192 बोतल एट पीएम अंग्रेजी शराब के साथ एक पैसन प्रो बाइक को भी जब्त किया हैं। पकड़े गये तस्करों की पहचान सिमरी के बलिहार गांव का रहने वाले भोला राम के पुत्र प्रकाश राम व औद्योगिक थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी स्व अम्बिका राम के पुत्र बीरेश राम के रूप में हुई हैं। पुलिस दोनों धंधेबाजों से कड़ी पूछताछ कर जेल भेज दिया।

इलाज कराने गई महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

डुमरांव। दानापुर डीडीयू रेलखंड के स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना सोमवार देर शाम अप लाईन में आनंद बिहार होटल के ठीक सामने की है। मृतका देवान्ती देवी पति देवेन्द्र यादव उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव की रहने वाली थी। उसका मायका सिमरी थाना क्षेत्र के महुवारी गांव था। वह महुवारी के विश्वनाथ यादव की बेटी थी। मिली जानकारी के अनुसार वह पिछले कुछ दिनों से अपने मायके में रहती थी तथा सोमवार को महुवारी से इलाज कराने फुलवारी शरीफ गई थी। वहां से लौटने के दौरान डुमरांव स्टेशन के पास वह ट्रेन की चपेट में आ गई। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं सूचना मिलते ही आरपीएफ के एसएन उपाध्याय, जीआरपी के एसएनएस यादव व यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। मृतका के एक बेटा व एक बेटी है।

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में डॉक्टरों के पदस्थापित होने से सुधरी ओपीडी सेवा

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों के पदस्थापित होने से अनुमंडलवासियों को काफी राहत मिली है। मंगलवार को काफी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचे थे। ओपीडी में पांच डाक्टर के रहने के कारण मरीजों को इलाज कराने में काफी सहूलियत हुई। हालांकि परेशानी नए नियम के तहत नंबर लगाने में हो रही है। कभी-कभी सरवर डाउन होने के कारण उनका नंबर लगने में विलंब होता है। एक साथ ओपीडी में पांच डाक्टर के रहने देख मरीज काफी खुश थे। कई महिला व पुरूष मरीजों ने कहा कि पहली बार ओपीडी सेवा में पांच डाक्टर दिखाई पड़ रहे हैं। इस दौरान डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले तक अस्पताल में एक से दो डाक्टर ही मौजूद रहते थे। निर्धारित समय में कोई भी डाक्टर नहीं पहुंचता था। मंगलवार को सभी पांचों डाक्टर समय से अस्पताल पहुंच ओपीडी सेवा देने लगे थे। मरीजों को रोग के अनुसार डाक्टर से दिखाने के लिए पुर्जा मिला हुआ था। लिहाजा रूम नंबर के अनुसार मरीज पहुंच दिखा रहे थे। इस संबंध में डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का उपर से ही आदेश है कि अस्पताल में जितने भी डाक्टर हैं, उनकी सेवा मरीजों को मिलनी चाहिए। ओपीडी में सभी विशेषज्ञ डाक्टर अपनी सेवा देंगे। इसी को देखते हुए डाक्टरों का रोस्टर बनाया गया है। सभी को रोस्टर के अनुसार ड्यूटी करनी ही होगी। नियम के लागू होते ही मरीजों विशेषज्ञ डाक्टर के दिखाने के लिए निजी अस्पताल या क्लीनिक का सहारा नहीं लेना पड़ेगा।

आग से तीन झोपड़ियां जली, अनाज कपड़ो समेत हजारों की संपत्ति स्वाहा

केटी न्यूज/चौसा

सोमवार की देर रात चौसा प्रखंड के रामपुर पंचायत में अचानक आग लगने से तीन गरीब परिवार के आशियाने जलकर स्वाहा हो गया। जिसमें रखे अनाज, वस्त्र व अन्य सामग्रियां भी जलकर खाक हो गई। बताया जाता है कि इस आग को काबू पाने में अग्निशमक की तीन वाहनों को लगभग तीन घंटे मशक्कत करनी पड़ी। जिससे अन्य घरों को नुकसान होने से बचाया जा सका। मिली जानकारी के अनुसार देर रात्रि रामपुर निवासी रविन्द्र पाठक समेत अन्य घरों के लोग सोये हुए थे। अचानक घर में जलने की बू से लोगों की नींद टूट गई। देखने के बाद लोग घर से बाहर आ गए। तब तक आग विकराल रूप ले लिया। जुटे लोग आग बुझाने का प्रयास किया गया। इसी में किसी ने इसकी सूचना अग्निशमक दल बक्सर को दी गई। जिसके बाद चौसा से दो व राजपुर से एक अग्निशमक वाहन को भेजा गया। जब तक वाहन पहुंचता तबतक आग ने तीन झोपड़ियों को आगोश में ले लिया। अग्निशमक वाहनों द्वारा काफी मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोका तथा आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। अग्निशमक वाहन दीपक कुमार ने बताया कि आग पर काबू पाने में तीन घण्टे लग गए। इस घटना में रविन्द्र पाठक, पप्पू पाठक व गोविंद पाठक की झोपड़ियां समेत रखे अनाज, वस्त्र व अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई। इस घटना की जानकारी के बाद सुबह राजस्व कर्मी पहुंच आग से क्षति व अग्निपीड़ितों को सरकारी सहायता पहुचाने हेतु मुआयना किया गया।

डुमरांव महाराज चंद्रविजय सिंह ने प्रेस वार्ता आयोजित कर भाजपा और जदयू को कोसा

बाहरी प्रत्याशी के बजाय हम आनंद मिश्रा का समर्थन करेंगे: महाराज

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर लोकसभा क्षेत्र का दुर्भाग्य है कि 1952 के प्रथम लोकसभा चुनाव से आजतक सिर्फ दो बार स्थानीय प्रतिनिधियों को प्रतिनिधत्व का मौका मिला है। इसके अलावे हर बार बाहरी उम्मीद्वार ही चुनाव जीते हैं, जो बक्सर के विकास के बजाय खुद के विकास पर ध्यान दिए हैं। उक्त बातें डुमरांव राज के महाराज चंद्रविजय सिंह ने मंगलवार को बड़ा बाग में प्रेस वार्ता आयोजित कर कही। उन्होंने बताया कि पहले और दूसरे लोस चुनाव में स्व. महाराजा बहादुर कमल सिंह तथा बाद में तेज नारायण सिंह ही यहां के स्थानीय सांसद थे। इसके अलावे जितने भी सांसद हुए, सभी बाहरी थे। यही कारण है कि बक्सर जिला का विकास नहीं हो पाया है। इस बार भी भाजपा ने बाहरी प्रत्याशी को ही उम्मीदवार बना यहां के लोगों की भावना के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि निर्दलीय प्रत्याशी आनंद मिश्र सभ्य, शरीफ व पढ़े लिखे होने के साथ ही ऊर्जावान युवा हैं। उनके अंदर कुछ करने की चाह है। इस बार के चुनाव में राज परिवार अपने समर्थकों के साथ उनका समर्थन करेगा। उन्होंने भाजपा और जदयू पर निशाना साधा तथा कहा कि भाजपा को इस क्षेत्र में मजबूत बनाने वाले स्व. महाराजा बहादुर कमल सिंह थे। लेकिन उनकी मूर्ति दो वर्षों से उपेक्षित पड़ी है। किसी ने मूर्ति अनावरण में दिलचस्पी नहीं दिखाई। भाजपा को सिर्फ चुनाव के दौरान ही राज परिवार की याद आती है। इसमें भाजपा के साथ ही जदयू भी दोषी है। उन्होंने कहा कि डुमरांव राज परिवार खासकर स्व. महाराजा बहादुर के समाज के प्रति योगदानों को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, फैक्ट्री के अलावे जन सरोकार के दर्जनों कार्यो को करवाया था। बावजूद आज दो वर्षों में उनके मूर्ति का अनावरण नहीं हो पाना, भाजपा-जदयू के वादा खिलाफी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस बार बक्सर की जनता यह ठान चुकी है कि हम किसी भी बाहरी प्रत्याशी को नहीं जिताएंगे। महाराज ने कहा कि हमारा प्रतिनिधि कौन होगा, यह जनता को तय करना है। हम पार्टी विशेष द्वारा थोपे गए बाहरी प्रत्याशी को समर्थन करने की बजाए, बेहतर प्रत्याशी का चयन करेंगे। जिससे जिले में विकास की गति तेज होगी। उन्होंने कहा कि राज परिवार इस बार खुलकर आनंद मिश्र के साथ खड़ा है। प्रेस वार्ता के दौरान अंबरीश पाठक, राजीव रंजन सिंह, अमरेन्द्र तिवारी, बालकृष्ण चौबे, आलोक तिवारी समेत कई अन्य उपस्थित थे।

चौसा के पीड़ित किसानों की महापंचायत आज

♦ बाजार समिति स्थित होमगार्ड मैदान में जुटेंगे राकेश टिकैट समेत राष्ट्रीय स्तर के छह किसान नेताओं के अलावे हजारों किसान

केटी न्यूज/चौसा

चौसा के निर्माणधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर में अधिगृहित जमीन के मुआवजे को लेकर आंदोलनरत किसानों के साथ प्रशासन द्वारा मारपीट किये जाने व स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए घोटालों को दबाने के साथ किसानों का मुंह बंद करने, कातिलाना हमला, तोड़-फोड़, लूट-पाट और भयानक अत्याचार को लेकर जिला मुख्यालय स्थित बाजार समिति में राष्ट्रीय किसान नेता के महाराष्ट्री बुधवार को पहुंचेंगे, जहां किसानों की समस्या को ले किसान महापंचायत करेंगे। उक्त आशय की जानकारी संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा दी गई है। इससे पहले वे सुबह दस बजे के आसपास प्रभावित गांव का भ्रमण कर पीड़ितों के घर पहुंच उनके हाल जानेंगे। तथा दोपहर 12 बजे तक बाजार समिति स्थित होमगार्ड मैदान बक्सर पहुंचेंगे। इसके लिए वे लोग प्रशासन से अनुमति भी ली है। बताया गया इस महापंचायत में राष्ट्रीय किसान नेता राकेश टिकैत, बलदेव सिंह निहालगढ़, बलवीर सिंह रज्जेवाल, योगेंद्र सिंह उग्राहा, सत्यवान, डा. सुनीलम के अलावा अन्य किसान नेता शामिल रहेंगे। बता दे कि प्रशासन द्वारा अनुमति में आचार संहिता के अंतर्गत नियमों का उल्लेख किया गया है। साथ ही हिदायत भी दिया गया है कि जिसका उल्लंघन न किया जाय। इधर, ग्रामीण सूत्रों का कहना है राष्ट्रीय किसान नेताओं के आगमन को लेकर बनारपुर में भारी-भरकम पुलिस बल तैनात किए गए। हालांकि, प्रशासन से पूछने पर पर्व-त्योहार व चुनाव को लेकर प्रशासन की तैयारी है।

वर्दी का धौंस दिखा ट्रक चालकों से अवैध वसूली करने वाला फर्जी दारोगा गिरफ्तार

- आरा-छपरा फोरलेन पर बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हापुर के समीप सोमवार की रात पकड़ा गया
- कार सवार पुलिस की वर्दी में गिरफ्तार फर्जी दारोगा के पास से वसूली के 17 सौ रुपए और दो मोबाइल बरामद

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर पुलिस ने वर्दी का धौंस दिखा कर ट्रक चालकों से अवैध वसूली करने वाले एक बड़े गिरोह का खुलासा किया है। मौके से पुलिस की वर्दी पहने एक फर्जी दारोगा को भी गिरफ्तार किया गया है। कार सवार फर्जी दारोगा के पास से 17 सौ रुपए, दो मोबाइल और आधार कार्ड बरामद रामद किया गया है। गिरफ्तार फर्जी दारोगा छपरा के एकमा थाना क्षेत्र के माने गांव निवासी अनिल कुमार का पुत्र अभिनय कुमार (आधार कार्ड के अनुसार अभिनय कुमार पिता अनिल कुमार हरधन बासू लेन पो.भगवान बाजार छपरा सारण) है। रविवार-सोमवार की देर रात उसे आरा-छपरा फोरलेन पर बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर के पास गिरफ्तार किया गया। उसकी लग्जरी कार भी जब्त कर ली गयी है। हालांकि पुलिस को देख उसके दो सहयोगी भागने में सफल रहे। पूछताछ में उसने अपने बॉस के इशारे पर फर्जी दारोगा बन ट्रक चालकों से वसूली करने की बात स्वीकार की है। दोनों की पहचान कर ली गयी है और गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ रंजीत कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों से फर्जी पुलिसवाले द्वारा ट्रक चालकों से पैसों की वसूली किये जाने शिकायत मिल रही थी। वह थाने में कार्यरत पुलिस कर्मियों को ऑडियो और वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता था। उस आधार पर पुलिस की टीम द्वारा रविवार-सोमवार की देर रात कोल्हापुर के समीप छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी कार, 17 सौ रुपए नगद, पुलिस की वर्दी, वर्दी पर लगने वाला नेम प्लेट, दो स्टार वाले सोल्डर पर लगने वाले दो बैच, पुलिस बेल्ट, ब्लू रंग की टोपी और पुलिस का लाल रंग का जूता जब्त कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार फर्जी दारोगा के मोबाइल की सीडीआर खंगाला जा रहा है, ताकि पूरे गिरोह और उसमें शामिल सभी लोगों की पहचान की जा सके।

एक नजर

इंटर व मैट्रिक की परीक्षा में टॉपर बच्चों को किया गया सम्मानित

जहानाबाद। मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत टेहटा स्थित सुखदेव प्रसाद वर्मा हाई स्कूल में मंगलवार को दीक्षांत समारोह आयोजित कर बिहार इंटरमीडिएट और मैट्रिक की परीक्षा में स्टेट व जिला टॉपर रहे छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। डीएम अलंकृत पांडे और जिला शिक्षा पदाधिकारी रश्मि वर्मा ने बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा में जिला टॉपर रही शीतल कुमारी एवं मैट्रिक की परीक्षा में पूरे बिहार में चौथा स्थान प्राप्त करने वाले अजीत कुमार समेत जिले के कुल 13 टॉपर रहे छात्र-छात्राओं को मेडल, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञात हो कि सुखदेव प्रसाद वर्मा हाई स्कूल की छात्रा शीतल कुमारी ने बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 में सामाजिक विज्ञान संकाय (कला) में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त की थी। शीतल कुमारी सामाजिक विज्ञान संकाय में 500 अंकों की हुई परीक्षा में 454 अंक प्राप्त कर जिले की टॉपर बनी थी। इस मौके पर डीएम ने बताया कि बच्चों की सफलता देखकर उन्हें भी अपने जीवन की याद आ गई। उन्होंने कहा कि वह खुद भी यूपी बोर्ड से इंटर की पढ़ाई कर इस मुकाम पर पहुंची हैं। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। कम संसाधन एवं सुविधा के बावजूद मेहनत के बल पर कामयाबी हासिल की जा सकती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप सभी मेहनती हैं। उन्होंने टेहटा हाई स्कूल के बच्चों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि बच्चों की सफलता यह सिद्ध करती है कि इस स्कूल के सभी शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक अपनी भूमिका का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए सभी शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक को बधाई भी दी। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रमाकांत प्रसाद, वरीय शिक्षक कमल नयन प्रसाद, राहुल कुमार समेत शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी एवं अन्य विद्यालयों से आए शिक्षक मौजूद थे।

जहानाबाद किशोर न्याय परिषद ने तीन महीने तक फर्स्ट एड सेवा करने का दिया आदेश

जहानाबाद। किशोर न्याय परिषद ने मखदुमपुर (टेहटा ओ०पी०) में दर्ज एक मामले में सुनवाई के दौरान एक विधि विरुद्ध बालक को सामुदायिक सेवा के तहत अस्पताल में मरीजों को फर्स्ट एड की सेवा करने का आदेश दिया है। किशोर न्याय परिषद के प्रधान दंडाधिकारी निवेदिता कुमारी ने यह आदेश दिया है कि विधि विरुद्ध बालक को लगातार तीन महीने सेवा प्रदान करना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशोर न्याय परिषद में लंबित एक मामले की सुनवाई के दौरान विधि विरुद्ध बालक को उसके आचरण में सुधार लाने के लिए यह कदम उठाया है। आदेश के आलोक में विधि विरुद्ध बालक को रेफरल अस्पताल मखदुमपुर में तीन महीने तक मरीजों की सेवा करने को कहा गया है।फैसला सुनाने के बाद प्रधान दंडाधिकारी ने सिविल सर्जन को आदेशित किया है कि विधि विरुद्ध बालक को उचित ट्रेनिंग देकर यह कार्य कराना सुनिश्चित करें, इसके अलावा यह भी कहा गया है कि विधि विरुद्ध बालक के कार्य तथा उपस्थिति की पूर्ण विवरणी महीने के अंतिम तारीख को किशोर न्याय परिषद को उपलब्ध कराये जाए। सामुदायिक सेवा के दौरान विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी वरुण कुमार गौतम किशोर न्याय परिषद के द्वारा निरीक्षण भी किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उक्त बालक द्वारा सही तरीके से सामुदायिक सेवा प्रदान की जा रही है।

खबरें फटाफट

पत्रकार के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

डेहरी (रोहतास)। वृद्ध पत्रकार गया प्रसाद के निधन पर मंगलवार को डालमियानगर के ड्रीम हाउस में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता करते हुए पत्रकार कमलेश कुमार ने उनके पत्रकारिता कार्यों की चर्चा की। उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि स्वर्गीय गया प्रसाद 60 वर्षों तक अनवरत तूफान नामक मासिक समाचार पत्र का प्रकाशन व संपादन स्वयं करते रहे। बुढ़ापे में भी उनकी पत्रकारिता के जुनून का सभी कायल थे। विशेष कर उनके होली विशेषांक का इंतजार जिले ही नहीं राज्य स्तर पर उनके प्रशंसक करते थे। स्थानीय स्तर पर पत्रकार जगत में उन्हें लोग गार्जियन कह कर बुलाते थे। वे लगातर पत्रकारों को एक सूत्र में बांधकर कार्य करने तथा सामाजिक सरोकार जैसे मुद्दों को लेकर समाचार संकलन करने की बात करते थे। पत्रकारों ने कहा कि उनकी कमी पत्रकारिता जगत में हमेशा खलती रहेगी। उपस्थित पत्रकारों व सामाजिक कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। तथा दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा को अन्य लोगों के अलावा सुरेंद्र तिवारी, रवि कुमार, रोहित सिंह, अरुण सिंह, बलबीर सिंह, सच्चिदानंद दीपू, गौतम कुमार, अशोक सिंह, गोलू सिंह, रुपेश कुमार, राकेश कुमार राही, सत्यानंद, सोनू कुमार, अभिनव कला संगम निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रोफेसर रणधीर सिन्हा, उप सचिव सीमल सिंह, मीडिया प्रभारी इंद्र कुमार बाघा समेत अन्य ने संबोधित किया।

अरैया टोला हादसा: पटना में इलाज के दौरान तोड़ा दम, परिवार में मचा कोहराम

सड़क दुर्घटना में जख्मी किसान की छह दिन बाद मौत, अब तक चार की गयी जान

- धनगाईं थाना क्षेत्र के औरैया टोला गांव के समीप शव लेकर जाने के दौरान हुई थी घटना

केटी न्यूज/आरा

धनगाईं थाना क्षेत्र के अरैया टोला के पास गुरुवार की रात सड़क हादसे में जख्मी किसान मौत हो गयी। मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में उन्होंने दम तोड़ दिया। मृत किसान अधेड़ चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी 57 पुत्र दयानंद सिंह थे। उस हादसे में अबतक चार लोगों की जान जा चुकी है। घटना के दिन ही तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। बता दें कि गुरुवार की रात चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी राम लाल सिंह की पत्नी गिरिजा देवी की हृदय गति रूकने के कारण मौत हो गई थी। उसके बाद राम लाल सिंह ग्रामीणों और रिश्तेदारों के साथ अंतिम संस्कार करने शव

मृतक

लेकर सवारी गाड़ी से बक्सर जा रहे थे। उसी दौरान बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर रात करीब ग्यारह बजे धनगाई थाना क्षेत्र के औरैया टोला गांव के समीप सवारी गाड़ी टायर फटना के कारण अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गयी थी। उसमें राम लाल सिंह, उसी गांव के 40 वर्षीय कमलेश सिंह और कृष्ण सिंह की मौत हो गई थी। हादसे में दयानंद सिंह सहित छह छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। उनमें दयानंद सिंह की हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। उनका इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में कराया जा रहा था। इस मंगलवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि दयानंद सिंह के परिवार में पत्नी इंदू देवी, पुत्री कांति, रेखा, पूजा,रूबी, पुत्र रवि रंजन और अमन है।

वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो दोस्त घायल

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी मोड़ के समीप मंगलवार दोपहर तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से परीक्षा देने जा रहे बाइक सवार दो दोस्त गंभीर रूप जख्मी हो गए। दोनों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घायलों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हरदिया गांव निवासी सन्नी यादव का 18 वर्षीय पुत्र शशि कुमार और हरेश्वर सिंह का 19 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार हैं। बताया जा रहा है कि दोनों मंगलवार की दोपहर बाइक पर सवार होकर बीए पार्ट थर्ड की परीक्षा देने पनवारी कॉलेज जा रहे थे। उसी दौरान तेंदुनी मोड़ के समीप अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आने से ननिहाल आये स्कूली बच्चे की मौत

आरा। भोजपुर में गजराजगंज ओपी क्षेत्र के कारीसाथ गांव के समीप मंगलवार की दोपहर सड़क हादसे में रोहतास के एक मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गयी। नानी और बहन के साथ गांव में जा रहे बच्चे को तेज रफ्तार एक बोलेरो ने रौंद डाला। हादसे में गंभीर रूप से जख्मी बच्चे की इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में मौत हो गयी। मृत बच्चा रोहतास जिला के दावथ थाना क्षेत्र के बभनी गांव निवासी विकास मुसहर का आठ वर्षीय पुत्र विवेक मुसहर था। वह चौथी कक्षा का छात्र था। फिलहाल वह अपने ननिहाल कारीसाथ गांव आया था। मौत के बाद उसके परिजन बिना पोस्टमार्टम कराये शव लेकर घर चले गए। बच्चे की नानी दशहरी देवी ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व वह अपनी बेटी सरिता के ससुराल रोहतास के बभनी गांव गई थी। वहां से वह नाती विवेक कुमार और नतिनी बिंदा को अपने साथ घर ले आयी थी।मंगलवार की दोपहर वह अपने नाती विवेक कुमार और नतिनी बिंदा के साथ अपने भतीजे के घर न्योता देने जा रही थी। इस दौरान करीसाथ गांव स्थित दुर्गा मंदिर के समीप पीछे से आ रही अनियंत्रित बोलेरो ने उनके नाती विवेक कुमार को रौंद दिया। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि विवेक दो भाई और तीन बहनों में बड़ा था। उसके परिवार में मां सरिता देवी, बहन संजना, संजू, बिंदा और भाई दीपक है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। मां सरिता देवी और नानी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बीरा विंद हत्याकांड में अभियुक्त को आजीवन कारावास

- सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार को मृतक के माता पिता को सहायता उपलब्ध कराने का दिया गया
- दस हजार अर्थ दंड भी लगाया गया

केटी न्यूज/जहानाबाद

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय जावेद अहमद खान की अदालत ने हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए अभियुक्त श्रवण कुमार को दोषी करार करते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियुक्त ग्राम धनगांवा जहानाबाद नगर थाना क्षेत्र का निवासी है। मामले में सरकार की ओर से पैरवी कर रहे हैं अपर लोक अभियोजक अवधेश कुमार ने बताया कि यह मामला जहानाबाद नगर थाना कांड संख्या 841/18 से संबंधित है। उन्होंने आगे बताया कि यह घटना 21 अक्टूबर 2018 की है जब सूचक करण कुमार का बड़ा भाई बीरा बिन्द अभियुक्त के घर अपने मजदूरी का पैसा मांगने गया था, पैसे को लेकर अभियुक्त और मृतक में मामूली विवाद हुआ था, विवाद इतना बढ़ा की हत्या की नौबत आ गई, दरअसल अभियुक्त ठेकेदार था और उसके यहां मृतक मजदूरी का काम किया करता था। धनगांवा स्थित एस एस कॉलेज में बीरा बिन्द की हत्या कर , पेड़ में बांधकर उसके शव को लटका दिया गया । सुबह होते ही शव को देखकर पुरे इलाके में सनसनी मच गई । मौके पर पहुंची पुलिस की टीम के द्वारा शव को कब्जे में लिया गया और छानबीन शुरू कर दी गई । वहीं सूचक के द्वारा नगर थाने में प्राथमिकि दर्ज कराया गया था। अपर लोक अभियोजक अवधेश कुमार के द्वारा मामले में दस गवाहों की गवाही कराई गई। न्यायालय के द्वारा गवाहों के मद्देनजर रखते हुए सुनवाई करते हुए भारतीय दंड विधि की धारा 302 के तहत अभियुक्त को दोषी पाते हुए आश्रम आजीवन कारावास एवम दस हजार अर्थ दंड, एवम धारा 201में दो साल का कारावास व दो हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई है! अर्थ दंड की रकम नहीं देने पर अभियुक्त को तीन माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायलय ने विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव को निर्देश दिया है की मृतक के माता पिता को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहद् सहायता प्रदान किया जाय।

ईद और रामनवमी व शांतिपूर्ण मतदान को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

केटी न्यूज/संझौली

ईद और रामनवमी का त्योहार व लोकसभा चुनाव भय मुक्त, निष्पक्ष व शांति पूर्ण तरीके से मतदान को सम्पन्न कराने के लिए विधि व्यवस्था को लेकर मंगलवार को सीओ किशोर पासवान व थानाध्यक्ष मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। अधिकारियों के साथ केंद्रीय सीआरपीएफ बल व थाना की पुलिस ने थाना परिसर से संझौली मुख्य बाजार रोड़ होते हुए चांदी इंग्लिश, औराई, तेनुआ, सियरूआ व कैथी समेत दर्जनों गांव का भ्रमण किया। वही पुलिस प्रशासन ने चांदी इंग्लिश अंतर्गत घिंहुब्रम में लगने वाले नौ दिवसीय मेला का भी जायजा लिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष,भयमुक्त व शांति पूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन हर स्तर पर मुशतैद है। ईद व रामनवमी के दौरान असामाजिक तत्व व्यवधान

उत्पन्न नहीं कर सके इसका खास ख्याल रखा जा रहा है। सीओ ने कहा कि फ्लैग मार्च निकालने का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को भय मुक्त रखना है। उनके मन में किसी प्रकार का भय न रहे। त्योहारों में भी शांति बनी रहे। इस दौरान प्रशासनिक पदाधिकारियों ने रामनवमी व ईद का पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की लोगों से अपील की। फ्लैग मार्च में एसआई शिवम कुमार,भूपेंद्र प्रताप सिंह, मुकेश कुमार, गणेश तिवारी सहित कई पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन

केटी न्यूज/ बिक्रमगंज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को वर्ष प्रतिपदा पर स्वयंसेवकों का पथ संचलन हुआ। निर्धारित समय अपराहन 4:15 से प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल आरा रोड से प्रारंभ हुआ और तेंदूनी चौक होते हुए डेहरी रोड अस्कामिनी मंदिर से वापस सासाराम रोड अंजबित सिंह कॉलेज गेट से वापस डुमरांव रोड हिंदुस्तान पेट्रोलियम से वापस आरा रोड सिलौटा मोड़ से वापस प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल में संध्या 5:30 में पथ संचलन का कार्य गुरु भागवत ध्वज को प्रणाम निवेदन के बाद संपन्न हुआ। बौद्धिककर्ता के रूप में पहुंचे दक्षिण बिहार प्रांत के सह प्रांत सेवा प्रमुख देवेंद्र द्वारा वर्ष प्रतिपदा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही संघ के संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए संघ स्थापना की पृष्ठभूमि को उन्होंने रखा। हिंदू नव वर्ष अर्थात वर्ष प्रतिपदा के संदर्भ में विभिन्न कड़ी का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन से प्रकृति द्वारा कई तरह के परिवर्तन देखने को मिलते हैं। जिससे नव वर्ष का आगमन परिलक्षित होता है। भगवान झूलेलाल सहित कई देवता था ऋषि मुनियों का अवतरण दिवस बताते हुए वर्ष प्रतिपदा के महत्व को बताया। मौके पर नगर संचालक अखिलेश पांडे, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, नगर कार्यवाह ओम नारायण, खंड कार्यवाह विजय पांडे, खंड शारीरिक प्रमुख राजू पांडे व अन्य ने भाग लिया।

खबरें फटाफट

बुजुर्ग महिला ने ट्रेन के आगे सर पटरी पर रख दी जान

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के नायकडीह रेलवे हाल्ट के समीप कुशहवा गांव स्थित रेलवे ट्रैक पर देर रात अज्ञात बुजुर्ग महिला ने ट्रेन के आगे अपना सर रखकर आत्महत्या कर ली। लोगों ने बताया कि वाराणसी से मऊ की तरफ जा रही ट्रेन के चालक ने पिपरीडीह स्टेशन मास्टर को मेमो देने के बाद दुल्लहपुर थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह, बहलोलपुर चौकी प्रभारी जयदीप अपने हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि मृतक अज्ञात बुजुर्ग महिला के बाल सफेद है तथा पीले कलर चेक की साड़ी पहनी हुई है। सर धड़ से अलग है। बुजुर्ग महिला की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि 48 घंटे तक शव को पहचान के लिए रखा जाएगा। इसके बाद उसका दाहसंस्कार कर दिया जाएगा। हालांकि शव के पास से मिले सभी सामान को रखा जाएगा। ताकि उसके परिवार के सदस्य आये तो पहचान हो सके।

युवती का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

गाजीपुर। जखनियां विकास खंड अंतर्गत मुडीयारी गांव के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर आज तड़के पोल संख्या 99/4और 99/6के बीच में अज्ञात युवती का शव रेलवे पटरी पर मिला। सूचना मिलने पर भुड़कुडा कोतवाल तारावती, दीवान श्रवण कुमार, राहुल मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर शव की डिजिटल फोटोग्राफी करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल तारावती ने बताया कि अज्ञात लड़की पीले कलर की समीज और काले रंग की लैगी पहनी हुई है। दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आने से कट गई है। सर में भी गंभीर चोट के निशान हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा की मौत का कारण क्या है। फिलहाल ग्रामीणों ने आशंका जाहिर की गोरखपुर से वाराणसी की तरफ जा रही चौरी चौरा एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर जान गवाई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर फोटो के माध्यम से शिनाख्त की जा रही है। उसका फोटो सभी थाना में भेज दिया गया है। यदि कोई गुमसुदगी के लिए आयेगा। तब उसका फोटो दिखाया जाएगा।

नवरात्रि के पहले दिन भक्तों ने किया माता शैलपुत्री का पूजन अर्चन

- कलश स्थापना के साथ आरम्भ हुआ बासंतिक नवरात्र

केटी न्यूज/बलिया

या देवी सर्वभूतेषु मातृ रूपेश संस्थिता, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः।...के मंत्र से नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र का घर व मंदिर देवीमय हो गया। बासंतिक नवरात्र के पहले दिन मंगलवार को जिले के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया तथा नारियल, चुनरी, धूप, गुड़हल चढ़ाकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मां के जयकारे एवं घंट-घडिल से मंदिर परिसर सहित पूरा क्षेत्र के देवीमय हो गया। तत्पश्चात लोगों ने अपने-अपने घरों में वैदिक मंत्रोच्चार व शुभ मुहुर्त में कलश की स्थापना कर दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन के लिए मंदिर के पट चार बजे भोर से ही खोल दिए गए थे। सुरक्षा के मद्देनजर भारी मात्रा में महिला व पुरुष पुलिसकर्मी मौजूद रहे। कुछ प्रमुख मंदिरों में सीसी टीवी कैमरे तक लगाए गए थे। ताकि अराजकतत्वों पर नजर रखी जा सकें। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बासंतिक नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। नगर के गुदरी बाजार व जापलिनगंज दुर्गा मंदिर तथा ब्रह्माइन स्थित ब्राह्मणी देवी, शंकरपुर स्थित शांकरी भवानी, फेफना थाना के कपूरी गांव स्थित कपिलेश्वरी भवानी मंदिर, नरहीं थाना के कोरंटाडीह स्थित मंगला भवानी, रसड़ा के काली मंदिर, नीबू कबीरपुर व उचेड़ा स्थित चंडी भवानी, सिकंदरपुर के जल्पा-कल्पा मंदिर, मनियर के बुढ़ऊ बाबा मंदिर व नवका बाबा मंदिर, रेवती के पचरूखा देवी गायघाट मंदिर पर मां के भक्तों ने नारियल, चुनरी, प्रसाद चढ़ाकर परिवार के मंगलमय की कामना की। वहीं घंट-घडि?ाल तथा मां के जयकारे से मंदिर सहित आसपास का क्षेत्र के देवीमय हो गया। इसके बाद भक्त अपने- अपने घरों में मां की अराधना में कलश स्थापना किया। सुरक्षा के मद्देनजर प्रमुख मंदिरों में सीसीटीवी कैमरा सहित फोर्स तैनात रही।

एक दोस्त को बचाने के लिए दूसरा दोस्त भी नदी में कूदा

सेल्फी लेने के दौरान टोंस नदी में डूबने से दो युवकों की मौत

- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- थहमनपुरा गांव के टोंस नदी में हुआ हादसा
- एक उमरगंज तो दूसरा बहेरी गांव का है निवासी

केटी न्यूज/ बलिया

फेफना थाना क्षेत्र के थमहनपुरा गांव के सामने टोंस नदी में मंगलवार की दोपहर में सेल्फी लेने के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही फेफना थानाध्यक्ष गजानन चौबे फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों के सहयोग से दोनों युवकों के शवों को बाहर निकाल पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृत युवकों की पहचान क्रमशः दानिश 22 वर्ष पुत्र रियाज अहमद निवासी उमरगंज थाना कोतवाली तथा गोलू उर्फ वारिस अली 23 वर्ष पुत्र शेर अली निवासी बहेरी थाना कोतवाली के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के उमरगंज निवासी दानिश एवं उसका दोस्त गोलू उर्फ वारिस फेफना थाना क्षेत्र के थमनपुरा गांव के सामने टोंस नदी पहुंचे। जहां एक दोस्त टोंस नदी के पानी में उतरकर मोबाइल से सेल्फी लेने लगा। सेल्फी लेने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। जिसे बचाने के लिए उसका दूसरा दोस्त भी पानी में कूद गया। जिसमें दोनों युवक डूब गए।आसपास के लोग यह देख मौके पर दौड़े और नदी में कूदे। परंतु नदी में उनका कहीं कोई अता पता नहीं चल पा रहा था। अंत में इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही फेफना पुलिस एवं काफी संख्या में भी लोग इकट्ठा हो गए। काफी छानबीन के बाद दोनों युवकों के शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए दोनों शव को जिला अस्पताल भेज दिया। उधर दोनों

गंगा नदी में डूबने से बालक की मौत

बलिया। हल्दी थाना क्षेत्र के रामगढ़ हुकुमछपरा गंगा घाट पर नवरात्रि के पहले दिन प्रसाद बेचने गए दो भाइयों में एक की मौत स्नान करते वक्त गहरे पानी में डूबने से हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया एवं पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। उधर, घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की मां का रोते-रोते बुराहाल है। मृतक की मां शिला देवी ने करीब छः माह पहले अपना सुहाग खो चुकी है। अब पुत्र की मौत ने और गहरा जख्म दे दिया। बताया जा रहा है कि मंगलवार को

चैत्र नवरात्र के दिन हल्दी थाना क्षेत्र के शुक्लछपरा निवासी शीला देवी के सात वर्षीय सत्यम व नौ वर्षीय प्रिंस गंगा नदी के रामगढ़ हुकुमछपरा घाट पर प्रसाद बेच रहे थे। जहां दोनों भाई नहाने के लिए गंगा नदी में उतरे, जहां सत्यम गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गया।आस-पास के लोगों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन सत्यम की मौत की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पारिवार में कोहराम मच गया। मां के साथ बड़ा भाई प्रिंस व बहन अंशु मौके पर पहुँचे। उनका रो-रोकर बुराहाल है। बताया जा रहा है कि सत्यम प्राथमिक विद्यालय गरयां में कक्षा दो का होनहार छात्र था। छात्र की आकस्मिक निधन से विद्यालय में शोक की लहर दौड़ गई। वही मृतक के पिता पिन्टू गोंड की करीब छः माह पहले मौत हो गया था, तब से पिन्टू की पत्नी शीला किसी तरह अपने दो पुत्र व एक पुत्री के साथ गुजार बसर कर रही थी।

क्लोन स्पेशल ट्रेनें दिल्ली के यात्रियों की राह बनाएंगी आसान

चंदौली। अभी गर्मी की छुट्टियां शुरू नहीं हुई हैं फिर भी ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे पटना और गया से आनंद विहार के लिए सुपरफास्ट क्लोन एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाएगी। दो स्पेशल ट्रेनें दिल्ली जाने वाले यात्रियों की राह आसान बनाएंगी। संपूर्ण क्रांति की तर्ज पर क्लोन स्पेशल ट्रेनें 30 जून तक चलाने की योजना है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पटना आनंद विहार सुपरफास्ट क्लोन एक्सप्रेस 15 से बीस अप्रैल तक और 27 अप्रैल से 30 जून तक पटना से शाम चार बजे खुलेगी। यह ट्रेन दानापुर, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय , प्रयागराज होते हुए अगले दिन सुबह छह बजे आनंद विहार पहुंचेगी। इसी तरह आनंद विहार से 16 से 21 अप्रैल तक और 28 अप्रैल से एक जुलाई तक रोजाना आनंद विहार से सुबह 08.00 बजे खुकर उसी दिन 21.55 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह महाबोधि के स्थान पर गया-आनंद विहार सुपरफास्ट क्लोन एक्सप्रेस स्पेशल 15 से 20 अप्रैल तक और 27 अप्रैल से 30 जून तक रोजाना गया से 14.15 बजे खुलकर कर अगले दिन 05.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन आनंद विहार से 16 से 21 अप्रैल तक तथा 28 अप्रैल से एक जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 07.00 बजे खुलेगी। यह ट्रेन उसी दिन 20.45 बजे गया पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज और कानपुर स्टेशनों पर रूकेगी।

एक नजर

संस्कार भारती की ओर से नूतन वर्ष अभिनंदन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बलिया। नव संवत्सर चैत्र शुक्ल 2081 प्रतिपदा के अवसर संस्कार भारती बलिया की ओर से माल्देपुर घाट मां गंगा के तट पर मंगलवार की सुबह नए वर्ष का अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर गंगा आरती के बाद तमाम भक्तिमय गीतों के जरिए नव वर्ष की खुशियां मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ पुष्पा मिश्रा ने इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज ही के दिन ब्रह्मा ने सृष्टि सृजन कर प्रारंभ किया तथा आज ही के दिन वनवास से वापस आने पर मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ था। इस खुशी में प्रकृति भी हरी भरी हो जाती है। तरह-तरह के फूलों की चमक एवं गमक से वातावरण में मस्ती एवं उल्लास दिखाई देता है। भक्ति एवं शक्ति के साथ आध्यात्म की ओर हमें मुड़ने का अवसर मिलता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में रमबदन चौबे ने कहा कि आज से नवरात्रि प्रारंभ होता है जिससे जन-जन में मां दुर्गा की शक्ति व्याप्त होती है। इस अवसर पर संस्कार भारती के कला साधकों ने सरस्वती वंदना एवं ध्येय गीत प्रस्तुत किया। मां गंगा को समर्पित गीत ₹गंगा तेरा पानी अमृत₹ तथा ₹जय जय भागीरथ नंदिनी प्रस्तुत किया गया। फिर मां गंगा की आरती के बाद ₹मेरी नैया में लक्ष्मण राम तथा बताव जननी राम कहिया लेऱ प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम को नई गति देते हुए कला साधकों ने मैया तेरी चुनरी पर राम लिख दूं, तथा पायोजी मैंने राम रतन धन पायो प्रस्तुत किया। इसी क्रम में कईके बैल के सवारी मैया शैलपुत्री गीत मां दुर्गा के चरणों में समर्पित किया गया। कार्यक्रम में पवन पाल, सुदर्शन पाठक, नरेंद्र पांडे गुलजारी लाल, राकेश गुप्त, ताराचंद, सुनील शुक्ल, पंकज, विपुल, सचिन,नीरज, अभिषेक, राजू दुबे,हरे राम दुबे, महेंद्र दुबे, कृष्णा वर्मा, ओम प्रकाश गुप्त, मुरारी,अशोक कुमार, असगर अली,वीरेंद्र, भानु जी, रोहित, सीताराम, वैष्णवी, रानी, आरती, विद्यार्थी, स्वस्तिका, सुजीत, अनीश, प्रज्ञा,दिव्यांश, सात्विक, रश्मि पाल, धीरज गुप्त,विशाल यादव,कृष्णा, त्यागी जी, सुनीता राय, अश्विन इत्यादि ने अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को सफलता के शिखर तक पहुंचाया। अंत में संस्कार भारती के अध्यक्ष राजकुमार मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

गैंगस्टर को तीन वर्ष की सजा

बलिया। गैंगस्टर एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार की शाम एक आरोपी को तीन वर्ष छह माह के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा ना करने की स्थिति 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी का नाम मुरली उर्फ मुराली मुसहर पुत्र पूर्णमासी मुसहर निवासी रामपुर तिरनई थाना उंभाव है। आरोपी के खिलाफ सिकंदरपुर थाने में वर्ष 2020 में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को तीन वर्ष छह माह के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पर अभद्र टिप्पणी की तीव्र भर्त्सना

गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के जमलापुर में बूथ नं0 238 की बूथ समिति एवं पन्ना प्रमुख की टिफिन बैठक बूथ अध्यक्ष धर्मवीर कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के ऊपर की गई टिप्पणी पर सांसद अफजाल अंसारी की घोर निन्दा की गई। इस प्रकार का आरोप लगाने वाले अफजाल अंसारी को तो न्यायालय से गैंगस्टर के मामले में सजा सुनाई गई है तो फिर वह केशव प्रसाद मौर्या पर अनर्गल आरोप लगाकार क्या दिखाना चाहते हैं। अफजाल अंसारी के बयान की भाजपा घोर निन्दा करती है एवं आने वाले चुनाव में इसका जवाब देगी। बैठक में बूथ समिति के सदस्यों एवं पन्ना प्रमुखों के साथ चुनाव प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की गयी। भाजपा के वरिष्ठ नेता व मंडल प्रभारी रामनरेश कुशवाहा एवं नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने चुनाव में कार्यकताओं को दी गई जिम्मेदारियों को ठीक ढंग से समझाया गया। बताया गया कि पार्टी का लक्ष्य है मेरा बूथ-सबसे मजबूत मानकर कार्य करते हुए भाजपा के अबकी बार 400 पार के लक्ष्य को पूरा करना है। बैठक में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विश्वप्रकाश अकेला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता, महामंत्री द्वय अजय कुशवाहा, हेमन्त त्रिपाठी, संजय कुशवाहा, महाबल शर्मा, मंगल यादव, श्याम नारायण कुशवाहा, मोहित जायसवाल आदि उपस्थित थे।

शॉपिंग मॉल से पांच सौ रुपये गायब होने पर कर्मचारियों ने महिला ग्राहक को जमकर पीटा

केटी न्यूज/बलिया

नगर के ओक्डेनगंज चौराहे के पास स्थित कोलकाता बाजार में शॉपिंग करने गई एक महिला के साथ कोलकाता बाजार के पुरूष व महिला कर्मचारियों ने मारपीट करने के साथ ही बंधक बना लिया। इसके बाद जब महिला के पति मौके पर पहुंचे तो मनबढ़ कर्मचारियों ने उन्हें भी मारपीट करने के साथ गाली-गलौज किया। जिससे महिला बेसुध हो गई। शहर कोतवाली क्षेत्र के मिश्र नेउरी अमृतपाली निवासी पीड़िता गायत्री की मानें तो वह स्टेशन-चौक रोड स्थित कोलकाला बाजार में शॉपिंग करने गई थी। जहां 615 रुपए की बिलिंग भी कराई। इसबीच गायत्री के पर्स से 500 रुपए गायब हो गया। जिस पर पीड़ित गायत्री ने कर्मचारियों से सीसी टीवी दिखाने का अनुरोध किया। लेकिन कर्मचारियों ने सहयोग करने बजाय मेरी पिटाई कर दिया और उसे करीब एक घंटे तक बंधक बनाए रखा। घटना की जानकारी होने पर जब मेरे पति मौके पर पहुंचे तो कर्मचारियों ने उनकी भी धुनाई कर दिया। जिसके बाद मौके पर काफी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई और हंगामा मच गया। इस बाबत शहर कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि कोई मारपीट नहीं हुई है। सीसीटीवी कैमरा देखा गया है। उल्टे ही महिला ही तोड़फोड़ कर रही है। महिला जानबुझकर शॉपिंग मॉल में काम करने वाले कर्मियों को परेशान करने की नीयत से फंसाने का प्रयास कर रही है। इस घटना से कर्मियों का कोई भी लेना देना नहीं है। पुलिस ने इस पूरे मामले की छानबीन की है। ग्राहक महिला अपनी बात मनवाने के लिए ऐसा कुछ कर रही है।

शादी की खरीददारी करने जा रही महिला का 37 हजार रुपये उचक्के लेकर फरार

केटी न्यूज/ चंदौली

अलीनगर थाना क्षेत्र में उचक्को ने महिला को अपना शिकार बना लिया।महिला के बैग में रखे छोटे पर्स को लेकर हुए मौके से फरार हो गए। इस बाबत पीड़ित महिला अमरीता देवी अलीनगर स्थित रेमा गांव के गुवास ग्राम निवासिनी ने बताया कि हम वाहन पकड़ कर रेमा गांव से पीडीडीयू नगर आए वहीं हमारे बाद ई रिक्शा में दो महिलाएं एक लड़की व एक बच्ची भी बैठ गई । जो दिखने में संदिग्ध लग रही थी। जब पीडीडीयू नगर में उतरकर ई रिक्शा वाले को पैसा देने के लिए अपना बैग खोला तो देखा कि बैग के अंदर रखा छोटा पर्स गायब था। जिसमें लगभग 37 हजार रुपए रखे हुए थे। वहीं भुक्तभोगी ने बताया कि उक्त पैसा हम घर में पड़ने वाली शादी की खरीदारी हेतु लेकर बाजार आए हुए थे। वहीं उक्त घटना से पीड़ित महिला का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं दूसरी ओर सूत्रों का कहना है कि यह महिलाएं अक्सर इस तरह का कार्य करती है। पुलिस इन लोगों को पकड़ नहीं पाती है। इसका फायदा यह उठा रही है। पुलिस को सख्त होना पड़ेगा।

कराटे चैंपियनशिप 2024 का आयोजन वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम बलिया में हुआ संपन्न

चैंपियंस कराटे क्लब की टीम ने खिताब पर जमाया कब्जा

केटी न्यूज/चंदौली

स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ बलिया के तत्वाधान में सब जूनियर, कैडेट, जूनियर, अंडर 21 व सीनियर सिलेक्शन एंड डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप 2024 का आयोजन वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम बलिया में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ टाउन इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ.अखिलेश सिन्हा, एसोसिएशन के चेयरमैन कन्हैया पाण्डेय, संजय कश्यप, सुमन वर्मा, रमिता सिंह, रिंकू देवी, शालिनी सिंह रामकुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता में अठाईस स्वर्ण पदक हासिल कर शहर के चैंपियंस कराटे क्लब ने टीम विजेता के खिताब पर कब्जा जमाया, वहीं अठारह गोल्ड पाकर गुरुकुल गढ़वार उप विजेता तथा सोलह स्वर्ण पदक हासिल कर डब्लूएमएसकेएफ रसड़ा की टीम को तीसरा स्थान प्राप्त हुवा। एक तरफ जहां कैडेट भार वर्ग में आयुष सिंह, अनुराग कुमार, तनया नन्द, अभय प्रताप सिंह, आदित्य यादव,स्वर्ण पदक हासिल किया वहीं अंडर 21 आयु वर्ग के विभिन्न भार वर्ग में गरिमा सिंह, प्रीति राय, चांदनी वर्मा, युवराज सिंह यादव, अमित कुमार वर्मा, कृष्णा जी सिंह,ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। रोमांचक व कठिन प्रतिस्पर्धा के बाद सीनियर वर्ग के भिन्नझभिन्न भार वर्ग में युवराज सिंह यादव, गरिमा सिंह, प्रीति राय, चांदनी वर्मा, अमित वर्मा, कृष्णा जी पटेल, कमलेश, रोहित,ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर आगामी 20झ21 अप्रैल 2024 को लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप में प्रतियोगिता के विजेता और उप विजेता टीम को एसोसिएशन के अध्यक्ष बाल कृष्ण मूर्ति, डॉ.रितेश सोनी, सुरजीत सिंह, नीरज राय,ने पुरस्कृत किया। उक्त अवसर पर श्रीमती रिंकी गुप्ता, विनीत सिंह, अनुपम सिंह, मनोज वर्मा, शैलेश कुमार राम जी, मनोज गुप्ता, मनीष गुप्ता, अरविंद गांधी, प्रभुनाथ गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता,कृष्ण मोहन मूर्ति 'सावन सर',अरविंद गुप्ता, एसोसिएशन के सचिव सुमीत झां व वरिष्ठ रंगकर्मी आशीष त्रिवेदी ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रशासन ने हीट वेव से बचने के लिए जारी किया दिशा-निर्देश

♦ शरत चंद्र रेड्डी के बयान के आधार पर संजय सिंह को आरोपित बनाया गया जबकि रेड्डी 55 करोड़ चंदा देते है भाजपा को

केटी न्यूज/गाजीपुर

आने वाले समय में बढ़ते तापमान को देखते हुए जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बताया है कि मौसम विभाग लखनऊ द्वारा जारी पूवार्नुमान के अनुसार माह अप्रैल से जून तक अधिक तापमान बढ़ने की सम्भावना है। हीटवेव से बचाव के लिए शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का पालन करना आवश्यक है। दोपहर 12 से तीन बजे के बीच घर से बाहर न निकलें।

पानी खूब पीएं शरीर में पानी की कमी न होने दें

अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 दिनेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि गर्मी के दिनों में उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थो का सेवन नहीं करना चाहिए। गर्मी के दिनों में शरीर में पानी एवं नमक की कमी होने के कारण लू लगने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

मौसमी फल, खट्टे फल व पानी वाले फल का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें

आपदा विशेषज्ञ ने सुझाव दिया कि पानी ,छाछ, लस्सी, नीबू पानी, आम का पन्ना, फलों के जूस, बेल का सर्बत, एवं नारियल के पानी का सेवन अवश्य करें। साथ ही मौसमी फल जैसे-तरबूज, खरबूज, ककड़ी, खीरा, सन्तरा, आदि खटटे फलों का अधिक से अधिक सेवन करें।

हीटवेव के दौरान क्या करें

क्या करें- के बारे में बताया कि गरम हवा के स्थिति जानने के लिये रेडियो सुने, टी0वी देखे, समाचार पत्र पर स्थानीय मौसम पूवार्नुमान की जानकारी लेते रहे। जितने बार हो सके पानी पीये,प्यास न लगा हो तभी पानी पीये ताकि शरीर मे पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सके हल्के रगं के ढीले ढाले सूती वस्त्र पहने ताकि शरीर तक हवा पहुचे और पसीने को सोख कर शरीर को ठंडा रखे। धूप में बाहर जाने से बचे, अगर बहुत जरुरी हो तो गमछा, चश्में, छाता, टोपी एवं जूते या चप्पल पहनकर ही घर से बाहर निकले। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तमाल न करे, यह शरीर को निर्जलित कर सकते है, यात्रा करते समय अपने साथ बोतल में पानी जरुर रखें। गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें, गर्मी के दिनों में ओ0आर0एस0 का घोल पिये। अन्य घरेलू पेय जैसे, नीबू पानी, कच्चे आम का बना लस्सी आदि का प्रयोग करे, जिससे शरीर में पानी की कमी न हो।अगर आपकी तबीयत ठीक न लगे, तो गर्मी से उत्पन्न हाने वाले विकारों, बीमारियों को पहचाने। तकलीफ होने पर तुरन्त चिकित्सकीय परामर्श ले। जानवरों को छायादार स्थान में रखें, उन्हे पीने के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी दें। अपने घर को ठंडा रखें, घर को पर्दे से ढक कर या टेन्ट लगाकर 3-4 डिग्री तक ठंडा रखा जा सकता है।

एक नजर

चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा बलो ने फ्लैग मार्च कर दिया सुरक्षा का भरोसा

मऊ। सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च करके लोगो को सुरक्षा दिलाने का भरोसा दिलाया गया। इसी क्रम में थाना सरायलखंसी क्षेत्र के रैकवारेडीह, भार फुलवरिया, पिपरीडीह बाजार, रेलवे क्रासिंग, मजखनी,खरगजेपुर मोढ़ आदि जगहों पर मंगलवार को पुलिस और सीआईएसएफ ने फ्लैग मार्च निकाल कर लोगों को ईद, नवरात्र तथा लोकसभा चुनाव में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के प्रति जागरूक किया। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर मंगलवार को पुलिस ने सीआईएसएफ जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान इस दौरान पिपरीडीह चौकी इंचार्ज केसर यादव ने लोगों से भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की। साथ ही लोगों को चुनावों में सुरक्षित माहौल दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यदि कोई अपने पक्ष में वोट करने के लिए प्रलोभन दें या डराए- धमकाए या किसी प्रकार की अफवाह फैलाए तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। यदि कोई माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें।

नवरात्र के प्रथम दिन देवी दर्शन को लगी भीड़

मऊ । नवरात्र के प्रथम दिन जनपद के देवी मंदिरो में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओ भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मऊ शहर के मां शीतला माता मंदिर

पर सुबह से ही श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी।मान्यता है कि माता शीतला के दर्शन पूजन करने से लोगों की मनोकामना पूर्ण होती है।इसके अलावा परदहा ब्लाक के कोहिनौर स्थित मां बनदेवी धाम, मादी सिपाह स्थित मां कोइल मर्याद भवानी मंदिर में पूजा दर्शन करने वाले लोगो का तांता लगा रहा। प्रशासन भी पूरी तरह तैयार रहा और पुलिस फोर्स की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

भारत विकास परिषद शौर्य ने किया भारतीय नववर्ष का अभिनन्दन

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सन्दीप पाण्डेय के नेतृत्व में नव दुर्गा शिव मन्दिर सद्भावना पुल के पास स्थित विसर्जन घाट पर सभी सदस्यों के साथ सामूहिक रूप से विक्रम संवत 2081 भारतीय नववर्ष का स्वागत भगवान सूर्य की प्रथम किरण को अर्घ्य देकर किया गया। सभी सदस्यों द्वारा पात्र में जल एवं पुष्प लेकर भगवान सूर्य को अर्पित किया गया। संस्थाध्यक्ष डॉ. सन्दीप पाण्डेय ने बताय कि चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से भारतीय नववर्ष का प्रारम्भ होता है इसलिये भारत विकास परिषद शौर्य के नये कार्यकाल की शुरूआत भी आज ही के दिन से होती है। उन्होंने आये हुए सभी सदस्यों को नववर्ष की बधाई दी और ईश्वर से प्रार्थना किया कि आने वाला यह वर्ष सभी के जीवन में खुशी व समृ?द्धि लेकर आये। मार्गदर्शक मण्डल सदस्य डा. रामनारायण सिंह तथा डा. शैलेश सिंह ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष भी डॉ. सन्दीप के नेतृत्व में संगठन निश्चित ही नये कीर्तिमान स्थापित करेगा। संस्था सचिव डा. आनन्द प्रकाश, उपाध्यक्ष अमित पाण्डेय व जनार्दन पाण्डेय ने क्रमशः अपने उद्बोधन में आने वाले कार्यक्रमों के विषय में बताया। इस अवसर पर नीरज श्रीवास्तव, अतुल जायसवाल, अवधेश गिरि, डा. शिल्पी सिंह, राजेश कुमार, प्रमोद सैनी, डा. प्रभाकर सिंह, जयशंकर सिंह, प्रमोद शुक्ल, डा. आशुतोष, डा. अनिल कुमार सिंह, समशेर बहादुर पाल, सुनील सिंह, अमरेश पाठक, प्रशान्त सिंह लकी, आनन्द अस्थाना, आशुतोष राय, दया निगम आदि उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

नवसंवत्सर पर पथ संचलन 11 अप्रैल को, हजारों स्वयंसेवक लेंगे भाग

मऊ। चैत्र शुक्लप्रतिपदा हिन्दू नवसंवत्सर के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 11 अप्रैल गुरुवार को मऊ नगर में पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में स्वयंसेवक सहभाग करेंगे। आरएसएस जिलाप्रचारक राममोहन जी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत २०८१ नवसंवत्सर के स्वागत में 11 अप्रैल गुरुवार को नगर के शीतला माता मंदिर माता पोखरा पर अपराह्न तीन बजे जनपद के राष्ट्रीय स्वयंसेवक के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में उपस्थित होंगे। जहां से पथ संचलन निकाली जाएगी। पूर्ण गणवेश में निकलने वाली यह संचलन नगर के मिर्जाहाजीपुरा, संस्कृत पाठशाला, सदर चौक, बालनिकेतन होते हुए सोनीधापा मैदान पर समाप्त होगी।

महर्षि बाल्मिकी की साधनास्थली रहा है वनदेवी धाम मंदिर

मऊ। जनपद के परदहां ब्लाक के कहिनौर गांव के समीप दक्षिण पश्चिमी दिशा में स्थित प्राचीन मंदिर लोगों के आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। वैसे तो मंदिर पर हमेशा भीड़ रहती है। लेकिन नवरात्र में श्रद्धालुओं का विशाल हुजूम उमड़ता है। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से मत्था टेकने के लिए लोगों के आने का क्रम लगातार चलता रहता है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजन अर्चन करने पर सभी मनोकामना पूरी हो जाती है। जनश्रुतियों और भौगोलिक साक्ष्यों के आधार पर यह स्थान महर्षि बाल्मिकी की साधना स्थली रहा है। कहा जाता है कि जगत जननी सीता ने भी अपने अखंड पतिव्रत धर्म का पालन करते हुए यहीं पर लव कुश को जन्म दिया था। इस प्रकार यह स्थान आदि पुरुष बाल्मिकी, मयार्दा पुरुषोत्तम राम तथा माता सीता से जुड़ा हुआ है। एक कथा के अनुसार कालांतर में नर्वर के रहने वाले सिंघनुआ के बाबा को स्वप्न में देखा कि देवी कह रही हैं कि मैं यहां अकेली हूं। यहां आकर मेरी पूजा करो। अपने स्वप्न के आधार पर बाबा यहां आए तथा देवी की खोज करने लगे, जहां आज वनदेवी का मंदिर है वहीं उन्हें प्रकाश दिखायी पड़ा।

लोकसभा चुनावः सात बार ब्राह्मण व दो बाद राजभर जाति के रहे हैं सांसद

सलेमपुर संसदीय क्षेत्र में कुशवाहा समाज के लोगों का एक क्षत्रप रहा है राज

♦ 8 बार कुशवाहा जाति के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है

तिलक कुमार/बिल्थरारोड

आजादी के बाद सन 1952 से लेकर अब तक के सलेमपुर संसदीय क्षेत्र के इतिहास को देखा जाय तो सबसे अधिक 8 बार कुशवाहा जाति और 7 बार ब्राह्मण का बर्चस्व रहा है। तथा दो बार राजभर जाति का सांसद रहा है। 1952 से लेकर अब तक के इतिहास को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने कुशवाहा विरादरी के बर्चस्व को देखते हुए निवर्तमान सांसद रविन्द्र कुशवाहा को तीसरी बार मैदान में उतारा है। निवर्तमान सांसद रविन्द्र कुशवाहा के पिता स्व. हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा सलेमपुर लोकसभा से चार बार वर्ष 1989, 1991 में जनता दल से, 1998 और 2004 में सपा से सांसद रहे है।

इनके निधन के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा द्वारा इनके पुत्र रविन्द्र कुशवाहा को टिकट न दिए जाने के बाद भाजपा ने रविन्द्र कुशवाहा को अपना प्रत्याशी बनाया और चुनाव में 392213 मत प्राप्त किया जबकि दूसरे नम्बर पर रहे बसपा प्रत्याशी रविशंकर सिंह पप्पू को 159871 मत मिले, जिसमे बसपा प्रत्याशी को 232342 मतों के भारी अन्तर से पराजित कर रविन्द्र कुशवाहा ने सलेमपुर लोकसभा से पहली बार भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराते हुए सांसद बने। तीसरे नम्बर पर रहे सपा प्रत्याशी हरिवंश सहाय को 159688 मत मिले और बसपा प्रत्याशी में मात्र 183 मतों का अन्तर रहा। चौथे नम्बर पर भारतीय सुहलदेव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को 66084 मत मिले जबकि पाचवे नम्बर पर रहे डॉ0 भोला पाण्डेय को 47890 मत मिले। सलेमपुर लोकसभा के पूर्व में बने सांसदो के इतिहास को देखा जाय तो लगभग ढाई दशक तक ब्राह्मण ही लगातार सांसद रहे।

सलेमपुर लोकसभा का इतिहास

1952 - सरयू मिश्र- कांग्रेस
1957- विश्वनाथ मिश्र- कांग्रेस
1962- विश्वनाथ मिश्र- कांग्रेस
1967- विश्वनाथ मिश्र- कांग्रेस
1971- तारकेश्वर पाण्डेय- कांग्रेस
1977- रामनरेश कुशवाहा- जनता पार्टी
1980- रामनगीना मिश्र- कांग्रेस
1984- रामनगीना मिश्र- कांग्रेस
1989 - हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा- जनतादल
1991- हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा - जनतादल
1996- हरिवंश सहाय- सपा
1998 - हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा- सपा
1999- बब्बन राजभर- बसपा
2004- हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा- सपा
2009- रमाशंकर राजभर विद्यार्थी- बसपा
2014- रविन्द्र कुशवाहा- भाजपा
2019- रविन्द्र कुशवाहा- भाजपा

जो कांग्रेस पार्टी के ही सांसद रहे। जिसमे 1952 सरयू मिश्र, 1957 में विश्वनाथ मिश्र, 1962 में विश्वनाथ मिश्र, 1967 में विश्वनाथ मिश्र और 1971 में तारकेश्वर मिश्र सांसद रहे। इमरजेंसी के बाद 1977 में जनता पार्टी से रामनरेश कुशवाहा सांसद बने।

इसके बाद कांग्रेस पार्टी से रामनगीना मिश्र सन 1980 और 1984 में लगातार दो बार जीत दर्ज कर सांसद बने। इसके बाद से ब्राह्मण जाति का किसी दल से सांसद नही बना साथ ही कांग्रेस का किला भी धराशायी हो गया। सन 1989 और 1991 के लोकसभा चुनाव में जनतादल से हरिकेवल प्रसाद लगातार दो बार सांसद रहे।1996 के चुनाव में सपा से हरिवंश सहाय सांसद बने। 1998 के चुनाव में हरिकेवल प्रसाद ने सपा के टिकट पर चुनाव लड़कर तीसरी बार सांसद बने। 1999 में बसपा से बब्बन राजभर सांसद बने। 2004 में हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा सपा के टिकट पर सांसद का चुनाव जीतकर सलेमपुर लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा से रमाशंकर राजभर विद्यार्थी सांसद बने। तथा 2014 में हरिकेवल प्रसाद कुशवाहा के पुत्र रविन्द्र कुशवाहा भाजपा के टिकट पर सांसद बने।

2019 में भाजपा ने रविन्द्र कुशवाहा को दुबारा प्रत्याशी बनाया। जबकि सपा - बसपा गठबन्धन से यह लोकसभा सीट बसपा कोटे में जाने के कारण बसपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष आर एस कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया। जिसमे रविन्द्र कुशवाहा ने दूसरी बार जीत दर्ज किया। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने रविन्द्र कुशवाहा पर भरोसा जताते हुए तीसरी बार टिकट दिया है। दूसरे दल अभी अपना प्रत्याशी घोषित नही किया है। अगर रविन्द्र कुशवाहा तीसरी बार जीतते है तो सलेमपुर लोकसभा के नाम एक इतिहास बनेगा।

गंगा के मैदानी इलाकों में जल संकट भारत के लिए खतराः डॉ. सुशील

♦ नदियों के अध्ययन में उपयोगी है रिमोट सेंसिंग तकनीक : डा. अतुल सिंह

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित रज्जू भैया संस्थान के अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंसेज विभाग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यशाला के पांचवें दिन जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डा. सुशील कुमार ने जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों का पता लगाने हेतु रिमोट सेंसिंग तकनीक की उपयोगिता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जल संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि

अगर गंगा के मैदानी इलाकों में जल संकट बढ़ रहा है तो यह संपूर्ण भारतवर्ष के लिए बहुत बड़े खतरे का सूचक है। इसलिए नदियों, तालाबों व अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोतों को बचाना नितांत आवश्यक है। विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या भारत में रहती है जो विश्व के कुल भूभाग का 2.5 प्रतिशत है। बढ़ती आबादी के इस दौर में नये जल संसाधन तलाशने होंगे और नए स्त्रोतों के संदर्भ में शोध करने की जरूरत है, रिमोट सेंसिंग तकनीकी का उपयोग इस दिशा में सकारात्मक परिणाम ला सकता है।

पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय के डा. अतुल कुमार सिंह ने नदी विज्ञान के क्षेत्र में रिमोट सेंसिंग तकनीकी के उपयोग पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत की नदियों के बनने का क्रम कहीं न कहीं हिमालय की उत्पत्ति से संबंधित है तथा हिमालय पर्वतमाला में होने वाली प्रत्येक भूगर्भीय घटनाओं से नदियों की प्रकृति प्रभावित होती है। नदियों में विपथन की अपनी प्रकृति होती है जो स्वाभाविक है तथा हम इसे रोक नहीं सकते । इसलिए नदी परिक्षेत्र में होने वाले प्रत्येक निर्माण एवं अन्य विकास योजनाओं से पहले नदी का पूर्व में विपथन एवं पथ विस्थापन की सटीक जानकारी होना आवश्यक है। इसलिए नदियों के अध्ययन में रिमोट सेंसिंग की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। उन्होंने घाघरा नदी के पथ विस्थापन एवं उसके कारणों पर विस्तार से चर्चा की । उन्होंने कहा की नदी अपनी प्रकृति से अनुरूप व्यवहार करती रहती है जो बड़ी बाढ़ का कारण बनता है हम इसे रोक तो नहीं सकते परन्तु यदि नदियों की प्रकृति की वैज्ञानिक समझ के अनुसार विकास कार्य हो तो प्रत्येक वर्ष लाखों लोग विस्थापित होने से बच जाएंगे एवं बाढ़ आने पर त्रासदी का रूप नहीं लेगी।

पहले दोनों मुख्य राजनीतिक पार्टी भाजपा और सपा पहले ही अपना प्रत्याशी घोषित कर चुकी

घोसी लोकसभा सीट पर बसपा प्रत्याशी होगें बालकृष्ण चौहान

♦ पहले कांग्रेस छोड़कर बसपा का दामन थामे पूर्व सांसद

केटी न्यूज/मऊ

जिले की घोसी लोकसभा सीट को लेकर बसपा के प्रत्याशी को लेकर कयास खत्म हो गई। चार दिन पहले कांग्रेस छोड़कर बसपा का दामन थामे पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान को बसपा ने घोसी से प्रत्याशी घोषित किया है। इससे पहले दोनों मुख्य राजनीतिक पार्टी भाजपा और सपा पहले ही अपना प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। बालकृष्ण चौहान बसपा से ही 1999 में घोसी सीट से चुनाव

जीत चुके हैं। घोसी सीट पर सबसे पहले भाजपा ने गठबंधन यानी सुभासपा के अरविंद राजभर को प्रत्याशी घोषित किया था, उसके कुछ दिन बाद सपा ने राजीव राय को प्रत्याशी घोषित किया। उधर, दोनों मुख्य राजनीतिक पार्टी द्वारा प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद से बसपा के प्रत्याशी के तौर पर पार्टी के एक मुसलमान नेता का नाम आगे चल रहा था, लेकिन इस बीच बीते चार अप्रैल को कांग्रेस में शामिल बालकृष्ण चौहान ने पार्टी से इस्तीफा देकर बसपा को ज्वाइन कर लिया।

चार दिन बाद बालकृष्ण चौहान को बहुजन समाज पार्टी ने घोसी लोकसभा से अपना प्रत्याशी बनाया है। सोमवार को नगर के गाजीपुर तिराहा स्थित एक प्लाजा में बहुजन समाज पार्टी के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बकायदा बसपा कोऑर्डिनेटर घनश्याम चंद खरवार ने घोषणा की। प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान ने कहा कि मैं भले ही कुछ समय के लिए बसपा छोड़ दिया था, लेकिन बसपा में मेरी आत्मा हमेशा रही है।

ऐसे में एक बार फिर मैंने इस पार्टी में वापसी की, जहां पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताते हुए घोसी लोकसभा से बसपा का उम्मीदवार बनाया। मैं बसपा की नीतियों को घर-घर जाकर जनता को बताने के साथ उनका आशीर्वाद प्राप्त करूंगा।

सुभाषितम्

समझदार होने की असली निशानी ज्ञान नहीं है बल्कि कल्पना करने की आपकी सकती है। - अल्बर्ट आइंस्टीन

आम चुनाव और इंडिया गठबंधन की कछुआ चाल

लोकसभा चुनाव 2024 वैसे तो कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए करो या मरो की स्थिति में लड़ा जा रहा है। कांग्रेस के लोग लगातार पार्टी छोड़ भाजपा व अन्य दलों में शामिल हो रहे हैं। इन्हें बांधकर रखने की बात तो दूर समझाने और साधने वाला भी दूर-दूर तक कोई नजर नहीं आ रहा है। हद यह है कि जो दम भरते थे कभी कि भले जेल हो जाए या जान चली जाए वो कांग्रेस के हैं, और आगे भी कांग्रेसी ही रहेंगे, अब अन्य दलों के परचम लहराते नजर आ रहे हैं। इसी बात को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को लगातार कठघरे में खड़ा किया जाता रहा है, लेकिन क्या मजाल कि किसी ने चुनाव के बारे में सोचा हो और एक पुख्ता रणनीति के तहत चुनाव में उतरने और पार्टी व गठबंधन को मजबूत करने की बात भी की हो। जो जहां है, ठीक है और जहां होगा बेहतर होगा की तर्ज पर कारवां चलता रहा और हालात यहां तक पहुंच गए कि पार्टी टिकट पर चुनाव में उतरने से भी अनेक नेताओं ने मना कर दिया। ऐसे ही मौकों के लिए एक शेर बहुत मशहूर है, कि बागबां ने आग दी जब आशियाने को मिरे, जिन पे तकिया था वही पत्ते हवा देने लगे। ऐसा नहीं है कि इससे कांग्रेस या इंडिया गठबंधन पूरी तरह से अनभिज्ञ है। मालूम सब है और बातें भी बहुत हो रही हैं, लेकिन परिणाम सिफर है। यही वजह है कि इस लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिल रहा है कि चुनावी रणनीति बनाने से लेकर चुनाव प्रचार में भी कांग्रेस और अब इंडिया गठबंधन भारतीय जनता पार्टी से खासा पिछड़ गया है। एक तरफ सत्ता में रहते हुए भी भाजपा अपने आप को चुनाव मोड से कभी अलग ही नहीं कर पाई है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष में रहते हुए भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपने आपको साबित करने की खातिर जमीनी कार्य करते भी नजर नहीं आए हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है। ऐसे में राजनीतिक दलों के लिए चुनाव प्रचार को महज एक हफ्ते का समय ही रह गया है। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन की अब तक ऐसी कोई ऐतिहासिक रैली नहीं हुई, जिसे लेकर कहा जा सके कि इसके माध्यम से संपूर्ण देश को वह संदेश दिया गया, जो चुनाव को प्रभावित करता है। ना ही चुनाव को लेकर बूथ स्तर की ही कोई योजना ही अभी तक सामने आई है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि महागठबंधन की रैली की कौन बात करे इसमें शामिल दलों के प्रमुख नेता व स्टार प्रचारक भी अपने-अपने क्षेत्रों से ही नदारद हैं। देश के हिन्दी राज्यों में कम से कम यही स्थिति देखने को मिली है, जबकि दक्षिण राज्यों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे दम-खम के साथ पार्टी व गठबंधन को चुनाव में स्टेंड दिलाने भरसक प्रयास किए हैं। इसका फायदा जरुर इस चुनाव में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को देखने को मिल सकता है। इसके विपरीत आम चुनाव घोषित होने के बाद मध्य प्रदेश में स्टार प्रचारक राहुल गांधी की पहली सभा में जो देखने को मिला वह चुनावी साधने वाला कम और सवाल खड़े करने वाला दृष्य ज्यादा रहा, जिसे लेकर भाजपा ने जमकर तंज कसे हैं। इससे हटकर यदि बात भाजपा के चुनाव प्रचार की बात की जाए तो अबकी बार, 400 पार का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी इस मामले में काफी आगे निकल चुकी है। हद यह है कि शुरू से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी मोर्चा खुद संभाल रखा है। उनकी गाइडलाइन ही अन्य नेता और स्टार प्रचारक फालो करते नजर आए हैं। भाजपा के कैंपेन की जिम्मेदारी को लेकर पीएम मोदी लगभग हर दिन दो से तीन राज्यों में रैली व सभाएं करते दिख रहे हैं। बूथ लेवल पर भी तमाम जिम्मेदारों को ताकीद के साथ जिम्मेदारी सौंपी जा चुकी है। जो जोड़-तोड़ में माहिर हैं वो भी अपना रिजल्ट बखूबी दे रहे हैं, जिस कारण विरोधी खेमे में भगदड़ की स्थिति नजर आई है। ऐसी स्थिति में कहना गलत न होगा कि कांग्रेस ही नहीं बल्कि संपूर्ण इंडिया गठबंधन की चुनावी जंग खुद जनता ने संभाल रखी है और वक्त आने पर बतला देंगे जैसी स्थिति प्रतीत हो रही है।

हरीश रावत का बेटा नही कांग्रेस कार्यकर्ता है मैदान में!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

क्या चिकित्सक के बेटे को चिकित्सक, इंजीनियर के बेटे को इंजीनियर, वकील के बेटे को वकील, व्यापारी के बेटे को व्यापारी और किसान के बेटे को किसान बनने का हक नही है, यदि है तो फिर राजनेता का बेटा राजनेता क्यो नही बन सकता परिवारवाद के इस मिथक को तोड़कर स्वयं भाजपा ने कम से कम 24 टिकट भाजपा नेताओं के परिजनों को दिए है, साथ ही 15 टिकट भाजपा नेताओं के निकट रिश्तेदारों को मिले है, ऐसे में सिर्फ कांग्रेस पर ही परिवार वाद का आरोप लगाना गलत है। वही हरिद्वार में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के जिस बेटे वीरेंद्र रावत को कांग्रेस से लोकसभा क्षेत्र हरिद्वार का टिकट मिला है, वह पिछले 25 वर्षो से कांग्रेस की सक्रिय राजनीति में है और पिछले विधानसभा चुनाव में उसको खानपुर से टिकट नही मिल पाया था। वीरेंद्र रावत छात्र संघ अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों पर रहते हुए प्रदेश कांग्रेस के मौजूदा उपाध्यक्ष भी है। इसलिए उन्हें टिकट मिलना एक कार्यकर्ता को टिकट मिलना है, न कि पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र को टिकट मिलना माना जाएगा, जैसे भाजपा में उत्तर प्रदेश के समय मंत्री रहे डॉ पृथ्वी सिंह विकसित की बेटी डॉ कल्पना सैनी ने राजनीति में पदार्पण कर भाजपा जिलाध्यक्ष से लेकर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के दायित्व को निभाते हुए राज्य सभा का टिकट प्राप्त कर सांसद बनने तक का सफर तय किया, माना व डॉ विकसित की बेटी है, लेकिन राजनीतिक मुकाम उन्होंने खुद के दम पर हासिल किया इसलिए यह भी परिवारवाद नही है। वीरेंद्र रावत भी परिवार वाद की परिभाषा में इसी कारण नही आते है क्योंकि वह पहले से ही सक्रीय राजनीति में है। इस सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार वीरेंद्र रावत का मुकाबला भाजपा के पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत के साथ हो रहा है। वीरेंद्र रावत को जिताने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हुए, हरीश रावत दोपहिया वाहनों के काफिले में बाइक पर बैठकर रोड शो, डोर-टू-डोर अभियान और नुक्कड़ सभाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। वीरेंद्र रावत अपने पिता पूर्व सीएम हरीश रावत के साथ लगातार सार्वजनिक बैठक, जनसम्पर्क कर रहे हैं। हरीश रावत ने 2022 के विधानसभा चुनावों में राज्य भर में प्रचार किया था, लेकिन कांग्रेस चुनाव जीतने में कामयाब नहीं हो सकी। पूर्व सीएम के रूप में हरीश रावत राज्य का बड़ा चेहरा हैं। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने कहते है, हरीश जी हरिद्वार में डेरा डाले हुए हैं क्योंकि यह चुनाव कठिन है, क्योंकि यह लड़ाई नरेंद्र मोदी के खिलाफ है हालांकि उनसे अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी प्रचार करने की मांग है। वह वहां भी जाएंगे, साथ ही उत्तर प्रदेश भी चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। हरीश रावत, जो 76 वर्ष के हैं, ने पहले स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए खुद चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। इस हरिद्वार सीट से उनका पुराना नाता है, वे 2009 में इस सीट से सांसद फिर मंत्री बने थे। उनकी पत्नी रेणुका रावत सन 2014 में हरिद्वार से अपना लोकसभा चुनाव हार गईं थीं। सन 2022 के विधानसभा चुनावों में, हरीश रावत की बेटी अनुपमा रावत ने हरिद्वार ग्रामीण से सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा, और तत्कालीन भाजपा विधायक स्वामी यतीश्वरानंद को हराकर विधायक बनी, हालांकि हरीश रावत खुद लालकुआं से भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट से हार गए थे। हरीश रावत अब हरिद्वार के मतदाताओं से अपने बेटे वीरेंद्र रावत पर अपनी तरह ही भरोसा करने के लिए अपील कर रहे हैं, साथ ही यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि वीरेंद्र को केवल इसलिए टिकट मिला क्योंकि वह दशकों से पार्टी कार्यकर्ता रहे हैं। रावत ने कहा कि वीरेंद्र 25 वर्षों से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं, उन्होंने पहले एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, सेवा दल और फिर राज्य कांग्रेस में बतौर उपाध्यक्ष काम किया है। उन्होंने माना, पार्टी मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कह रही थी। मैंने उनसे कहा कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है और मैं इतना पैदल नहीं चल सकता। वीरेंद्र रावत का मुकाबला भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से है, बसपा उम्मीदवार से कांग्रेस के मुस्लिम और दलित वोटों में और कटौती की उम्मीद इसलिए की जा रही है, क्योंकि हाल ही में बसपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व राज्य सभा सांसद इसम सिंह, शिव सेना के उदयराज कांग्रेस में शामिल हो चुके है हरीश रावत ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, वीरेंद्र रावत अगर मुझसे इक्कीस नहीं होंगे, तो मुझसे उन्नीस भी नहीं होंगे। आप उनको एक बार अवसर दीजिए। सेवा, समर्पण, विकास में वो आपके बीच में रहेंगे, आपके बीच में काम करेंगे। बसपा ने इस सीट से जमील अहमद को उम्मीदवार बनाया है। 30 प्रतिशत संख्या बल के साथ, मुस्लिम हरिद्वार क्षेत्र के मतदाताओं के बीच सबसे बड़ा समूह हैं, लेकिन जमील अहमद के बाहरी होने के कारण वे बसपा कार्यकर्ताओ पर अपनी पकड़ नही बना पा रहे है, वही कही भाजपा पुनः सत्ता में आने पर डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान न बदल दे इस डर से क्षेत्र का 20 प्रतिशत दलित का झुकाव कांग्रेस की तरफ हो रहा है। जिससे स्पष्ट है, उत्तराखंड की हरिद्वार लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है। उत्तराखंड के पूर्व सीएम और भाजपा उम्मीदवार त्रिवेन्द्र सिंह रावत का मुकाबला कांग्रेस के वीरेंद्र रावत से ही है। त्रिवेन्द्र रावत 1979 से 2002 तक आरएसएस के सदस्य थे। वह 2000 में राज्य के गठन के बाद 2002 में पहली विधान सभा में डोईवाला से विधायक चुने गए। उन्होंने 2017 में डोईवाला सीट जीती और उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में नामित किया गया। भाजपा ने 2014 और 2019 में लगातार हरिद्वार लोकसभा सीट कांग्रेस से जीती है, भाजपा टिकट पर डॉ रमेश पोखरियाल ने कांग्रेस की रेणुका रावत और अंबरीश कुमार को हराया था। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत ने सन 1998 से लगातार उत्तराखंड में कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में काम किया है और 2009 से हरिद्वार में सक्रिय हैं, क्षेत्र के हर गांव में लोगों के साथ खड़े हैं। वह 1996 में दयाल सिंह डिग्री कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष, दिल्ली एनएसयूआई के महासचिव, उत्तराखंड में युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष और अब उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष हैं, हरीश रावत ने वीरेंद्र के बारे में कहा, वीरेंद्र पुत्र भी हैं और शिष्य भी, लेकिन एक बात में पूरे विश्वास के साथ कहना चाहूंगा कि सेवा, समर्पण और विकासोन्मुख सोच के मामले में वह मुझसे भी बेहतर साबित होंगे। सन 2014 और सन 2019 के आम चुनावों में हरिद्वार से बीजेपी के रमेश पोखरियाल निशंक जीते थे जिन्हें इस बार टिकट नहीं दिया गया, जिसका नुकसान भाजपा को हो सकता है। हरिद्वार लोकसभा सीट को लेकर हरीश रावत का कहना है कि हरिद्वार लोकसभा सीट जीतेंगे। हरीश रावत की माने तो जब-जब कम्युनिस्ट पार्टियों ने वैचारिक आधार पर कांग्रेस का साथ दिया है कांग्रेस और आगे बढ़ी है, मैं इनकी वैचारिक क्षमता का कायल हूं और उससे हमको अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है, जो जीत का एक बड़ा आधार है।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए।

परसाई और शरद जोशी की परंपरा की झलक: ब्रजेश कानूनगो की चयनित रचनाएँ

- ओम वर्मा

ब्रजेश कानूनगो आज के दौर के व्यंग्यकारों में एक चर्चित नाम है। जिस दौर में शरद जोशी अपने उरूज पर थे, उस दौर में चुपचाप अपना काम करते हुए जिन चंद व्यंग्यकारों ने अपना ध्यान आकृष्ट किया था, ब्रजेश कानूनगो उन में से एक हैं। उन्हें रायपुर का हरिशंकर परसाई व्यंग्य सम्मान मिलना और मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा अपने बीए के पाठ्यक्रम में उनका व्यंग्य शामिल किया जाना उन्हें एक श्रेष्ठ व्यंग्यकार के रूप में मान्यता तो देता ही है, युवा व नए व्यंग्यकारों के लिए एक प्रेरणा-पुंज का कार्य भी करता है। बेशक उन्होंने अन्य कई लेखकों की तरह अपनी शुरूआत पत्र, संपादक के नाम से की थी। इन पत्रों में उनका सशक्त वैचारिक पक्ष झलकता था और बात कहने का वक्र ढंग देखकर लगने लगा था कि यह इंजन पत्र, संपादक के नाम स्तंभ के नैरो गेज के लिए नहीं, बल्कि ब्रॉड गेज के ट्रेक के लिए बना है। और यह हुआ भी। नईदुनिया के अंतिम पत्र कॉलम की शुरूआत कार्टून के साथ उनके व्यंग्यात्मक शैली में लिखे पत्र से ही हुई। इसी पत्र में पहले मध्य नाम से व्यंग्य कॉलम शुरू हुआ। बाद में इसे अधबीच नाम से शुरू किया गया जिसका श्रीगणेश ब्रजेश के व्यंग्य से ही हुआ। अब बात इस संकलन की। जैसा कि शीर्षक से जाहिर है, इसमें उन्होंने अपने अब तक के रचनाकाल से चुन-चुनकर 48 व्यंग्य रचनाएँ पाठकों के लिए प्रस्तुत की हैं। मैं उनके पहले व्यंग्य से लेकर अब तक की संपूर्ण व्यंगयात्रा से अवगत हूँ व लगभग सभी रचनाएँ मैंने पढ़ी हैं, इसलिए मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि उन्होंने अपने विशाल सृजन-कुंज से सभी रंग के, अलग अलग कालखंड में लिखे व सर्वाधिक सराहे गए व्यंग्य पुष्प का एक खूबसूरत साहित्यिक इकेबाना प्रस्तुत किया है। सभी व्यंग्य रचनाओं पर अगर कुछ कहूँगा तो बात बहुत दूर तलक जाएगी, इसलिए कुछ चुनिंदा रचनाओं पर अपनी बात कहना चाहूँगा। पहला व्यंग्य है सफर में समाधि। यह कई जगह प्रकाशित हो चुका है और कई गोष्ठियों में पढ़ा और सराहा भी जा चुका है। यह हर व्यक्ति का अनुभव है कि जब मध्यप्रदेश में राज्य परिवहन निगम की बसें चलती थीं तब टिकट कंडक्टर से टिकट लेकर बचे हुए पैसे वापस लेना एक बहुत मुश्किल काम होता था। यही इस व्यंग्य का विषय भी है। पहली नजर में यह लग सकता है कि अब न तो परिवहन निगम है और न ही बस में टिकटों का चलन। टिकट अब ऑनलाइन या यूपीआई द्वारा किया जाता है जिसमें वास्तविक राशि का भुगतान किया जा सकता है। ऐसे में इस व्यंग्य की प्रासंगिकता क्या है? लेकिन व्यंग्य को ध्यान से पढ़ें तो समझा जा सकता है कि व्यंग्यकार का निशाना कोई कंडक्टर नहीं है, बल्कि वह शक्ति, वह व्यवस्था या वह एजेंसी है जिसे आपसे लिया पैसा लौटाने की कोई चिंता नहीं है और चिंतित वह है जिसका पैसा अन्य पक्ष हड़पकर बैठा है। प्रहार तो भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति या उसके अड्डे पर है। लक्ष्य लंकेश की नाभि पर है। व्यंग्य आदमी और पुतला भी चिंतन की कई परतें उजागर करता है। जैसे-ह्लएक पुतला युगों से एक ही दिशा में अपनी उँगली उठाए राह दिखा रहा है। उसे इस बात की चिंता नहीं है कि अब लोग किसी और रास्ते पर चल पड़े हैं...जिन्हें आदमी होना चाहिए वे धीरे धीरे पुतलों में बदलते जा रहे हैं ह्व ऐसे ही तमाम संकलित व्यंगों में से कुछ चुनिंदा पंक्तियाँ यहाँ दे रहा हूँ जिनमें लेखक का चिंतन भी है और व्यंग्य की चुटकी भी है- विकास के लट्टू पर जो जोर हम दे रहे हैं उसकी बहुत सारी ऊर्जा कहाँ लुप्त हो जाती है। जिस रफ्तार से लट्टू घूमना चाहिए क्यों नहीं घूम पाता? (विकास का लट्टू) हिंदी के ताले में अँगरेजी की चाबी ऐसी ही अटकी पड़ी है। न ताला खुल रहा है न चाबी निकल पा रही है। (ताले और चाबियाँ) व्यापम संस्था नहीं, संस्कार है साधुराम जी! जैसे कभी कहा जाता था कि ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, उसी तरह व्यापम तंत्र की रग-रग में समाविष्ट हो गया है...! (हंगामे का संस्कार) गाँव-कस्बे जिस तरह कांक्रीट के जंगलों में तब्दील होते जा रहे हैं, उस पर व्यंग्य बायपास के पास में प्रहार है। लेखक से चुराइटर तक में चौर्य रचनाकर्मियों की खबर ली गई है। ऐनक के बहाने वह व्यंग्य है जिसे मुंबई वि.वि. ने बीए के पाठ्यक्रम में लगाया है। इसमें उनके प्रिय पात्र साधुराम जी के साथ चर्चा के माध्यम से व्यंग्य की शैली में विसंगतियों पर उनका दार्शनिक चिंतन सामने आता है। उत्तेजना का कारोबार में टीवी चैट शो में होने वाले बहस-मुबाहिसों के गिरते स्तर, उसमें होने वाली काँव-काँव व प्रवक्ता की भूमिका पर तंज करते हुए वे कहते हैं-ह्लसवालों से लबालब टीवी बहस के प्यालों में उत्तरों की एक बूँद भी क्यों नहीं मिलती? एक मात्र यही सवाल हर वक्त मन में घंटी बजाता रहता है ह्व सूत्रों के हवाले से रचना में सनसनी फैलाने वाली अपुष्ट खबरों को सूत्रों का हवाला देकर पेश करने की प्रवृत्ति पर अच्छा व्यंग्य बन पड़ा है। व्यंग्य मेथी की भाजी और लोकतंत्र उनकी पहचान बन चुका एक क्लासिक व्यंग्य है। व्यंग्य का अंतिम अनुच्छेद सारी बात कह देता है- ह्लकृपया कड़वी मेथी को सत्ता के विपक्ष की तरह मत देखिए, इसका होना भोजन में लोकतंत्र बनाए रखने की जरूरत है। मेथी है तो लोकतंत्र भी है। गणेश जी पहुँचे कर्जा लेने भी ऐसा ही एक क्लासिक व्यंग्य है। स्वयं गणेश जी मानव रूप धारण कर बैंक से कर्ज लेने के लिए इतने चक्कर लगाते हैं कि उनका वजन झटक जाता है। इस पर एक उत्कृष्ट व्यंग्य लघु नाटक भी तैयार किया जा सकता है या कहें कि मंचित भी किया जा सकता है। व्यंग्य गणेशजी जैसे पौराणिक चरित्र को माध्यम बनाकर नीतियों, लोन देने वालों पर दबाव, लेने वाले की तमाम मुश्किलों आदि पर प्रहार करता है। यह उनके प्रारंभिक दौर की परिपक्व व्यंग्य रचना है जो तब प्रकाशित भी हुई, और सराही भी गई। आज के दौर में कोई भी पत्र ऐसे संवेदनशील विषय पर व्यंग्य शायद ही प्रकाशित करे। अगर कर भी दे तो व्यर्थ का बतंगड़ बनते देर न लगेगी। वाट्सएप पर महाकवि शीर्षक व्यंग्य में किसी के भी नाम से किसी की भी रचना घुमाते रहने वाले अति उत्साहियों को बखूबी उजागर किया है।

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

-योगेश कुमार गोयल

भारतीय समाज में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरूआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 9 अप्रैल से हो चुकी है, जिसका समापन रामनवमी के दिन 17 अप्रैल को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

आज का राशिफल

मेष कारोबार में सफलता मिलेगी। सर्वार्थ सिद्धि योग के प्रभाव से आपको रुके हुए पैसे की प्राप्ति होगी।	**तुला** आपका दिन सम्मान से भरा होगा। आज आपके पद, अधिकार की महत्वाकांक्षा पूर्ण होगी।
वृषभ काम सोचकर करने की जरूरत है। व्यापारी हैं तो आज अनावश्यक अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।	**वृश्चिक** आज लाभ का दिन है और आज आपका मन कुछ कर दिखाने का करेगा।
मिथुन आज आपको छुटपुट लाभ की संभावना है। नौकरी व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे।	**धनु** आज आर्थिक लाभ से जुड़ा होगा और आज आपको धन प्राप्ति के मामले में लाभ होगा।
कर्क आज आर्थिक लाभ होगा और आज आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपके धन में वृद्धि होगी।	**मकर** आज का दिन आपके लिए धन सम्मान से भरा होगा। दाम्पत्य जीवन में सरसता बनी रहेगी।
सिंह आज भाग्य साथ देगा और आज आपको धन की बचत करने में सफलता मिलेगी।	**कुंभ** गोचर के शुभ प्रभाव से सफलता मिलेगी। आपको वाहन और भूमि खरीदने के मामले में लाभ होगा।
कन्या आज लाभ का दिन है। आज आपको अच्छे काम करने का फल अच्छा मिलेगा।	**मीन** संतान से जुड़ी समस्याएं दूर करने में बीतेगा। किसी प्रतियोगिता में आपकी जीत हो सकती है।

विशेष

कांग्रेस के पांच न्याय और 25 गारंटी, भाजपा की चिंता

कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र का ऐलान कर दिया है। इस घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी मतदाताओं को दी गई है।कांग्रेस ने इस बार चुनाव घोषणा पत्र में समाज के सभी वर्गों को जिस तरीके से जोड़ा है। जिस तरीके से लोक लुभावन योजनाओं को स्थान दिया है। उसने भाजपा की चिंता को बढ़ा दिया है। पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा कांग्रेस की इसी कुचक्र में फंस गई थी।प्रधानमंत्री मोदी गारंटी पर गारंटी दे रहे हैं। पिछले 10 वर्षों की गारंटी पूरी नहीं हुई। विपक्ष ने इसको मुद्दा बना लिया है। मतदाता भी महंगाई और बेरोजगारी से मोदी की गारंटी से दूर होता नजर आ रहा है।

गोदी मीडिया ने सरकार की आंखों में पट्टी बाँधी

पिछले कई वर्षों से गोदी मीडिया सरकार के प्रचार प्रसार का काम कर रही है। गोदी मीडिया से समाचार गायब हो गए हैं। केवल डिस्कशन-डिस्कशन और डिस्कशन हैं। गोदी मीडिया की टीआरपी घट गई है। विश्वसनीयता भी खत्म हो गई है। गोदी मीडिया का विश्वास जनता के बीच नहीं रहा। सोशल मीडिया मे यूट्यूब चैनल का विश्वास बढ़ रहा है। अब लोग कहने लगे हैं, कि 2004 में जो हालात इंडिया साइनिंग की मीडिया ने की थी। वही हालत 2024 में होने जा रही है। सरकार के पास अब सही जानकारी नहीं पहुंच रही हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1778: अंग्रेजी भाषा के निबंधकार विलियम हैजेलिट का जन्म हुआ. 1875: स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना 1880: प्रसिद्ध समाज सुधारक सी. वाई. चिंतामणि का जन्म हुआ. 1979: ब्रिगेडियर जनरल आर.ई. एच. डायर ने अमृतसर में लोगों को कोड़े मारने का कुख्यात आदेश जारी किया. 1932: जर्मनी में पाल वान हिंडनबर्ग राष्ट्रपति चुने गये. 1945: अमेरिकी फौजों ने बुशेनवाल्ड,जर्मनी के यातना शिविर से लोगों को मुक्त कराया. 1963: अमेरिका की परमाणु चालित पनडुब्बी थ्रेसर 429 व्यक्तियों सहित उत्तरी अटलांटिका में डूबी. 1976: इजरायल ने दंगों के बावजूद अधिकृत पश्चिमी किननरे के क्षेत्रों में चुनाव कराने की घोषणा की. 1982: भारत का बहुद्देशीय उपग्रह इन्सेट--ए का प्रक्षेपण किया गया.

दैनिक पंचांग

10 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

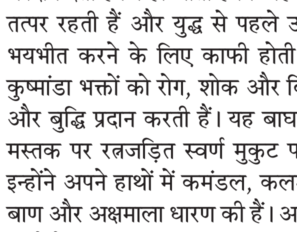

बुधवार 2024 वर्ष का 101 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 17.33 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 03.06 बजे रात्र को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 10.37 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.59 बजे, कौलव 17.33 बजे तदनन्तर तैतिल 04.14 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 01.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 03'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871945
जूलियन दिन 2460410.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान **तारीख** 30
विशेष सिंधारा दोज, चन्द्रदर्शन, डॉ. हैनीमेन जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.58 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	07.39 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.37 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.50 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	14.06 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.18 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.29 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.43 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.00 बजे से
राहुकाल		मकर	01.05 बजे से
12.00 से 1.30		कुंभ	02.51 बजे से
बजे तक		मीन	04.24 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट में इस बार अप्रत्याशित घटना हो रही हैं। छिंदवाड़ा ही नहीं, मध्य प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब आचार संहिता लागू होने के बाद बड़े-बड़े नेता कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। छिंदवाड़ा जिले की सभी सात विधानसभा सीटों में पिछले दो चुनावों से कांग्रेस का कब्जा है। लेकिन हाल ही में जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट से विधायक कमलेश प्रताप सिंह शाह बीजेपी में शामिल हो गए हैं और यह सीट रिक्त हो गई है। उसके बाद छिंदवाड़ा से कांग्रेस के महापौर विक्रम अहाके.कमलनाथ के खासमखास दीपक सक्सेना ने भी बीजेपी ज्वाइन कर ली है।

बीजेपी की एक दांव से छिंदवाड़ा में शुरू हुआ खेल

45 साल की राजनीति में पहली बार क्यों बेचैन हैं कमलनाथ?

करीब 45 साल की दमदार पारी, नौ बार के सांसद, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का छिंदवाड़ा मॉडल इन दिनों काफी चर्चा में है। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा को भाजपा ने लोकसभा चुनाव में निशाने पर लिया है। 1980 से 2014 तक एक छत्र राज करने वाले कमलनाथ ने 2019 में यह सीट अपने बेटे को सौंप दी थी। तब पहली बार नकुलनाथ यहां से सांसद चुने गए। दरअसल, 2018 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीक हासिल की और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने। उन्होंने छिंदवाड़ा विधानसभा से चुनाव लड़ा उसके बाद छिंदवाड़ा संसदीय सीट से अपने बेटे को मौका दिया।

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट में इस बार अप्रत्याशित घटना हो रही हैं। छिंदवाड़ा ही नहीं, मध्य प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब आचार संहिता लागू होने के बाद बड़े-बड़े नेता कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। छिंदवाड़ा जिले की सभी सात विधानसभा सीटों में पिछले दो चुनावों से कांग्रेस का कब्जा है। लेकिन हाल ही में जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट से विधायक कमलेश प्रताप सिंह शाह बीजेपी में शामिल हो गए हैं और यह सीट रिक्त हो गई है। उसके बाद छिंदवाड़ा से कांग्रेस के महापौर विक्रम अहाके,दीपक सक्सेना ने भी बीजेपी ज्वाइन कर ली है।

इस बार कड़ा मुकाबला

2024 की लोकसभा चुनाव में नकुल नाथ के सामने भाजपा के विवेक बंटी साहू मैदान में हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सहित पूरी भाजपा ने छिंदवाड़ा को कैंप बना लिया है। ऐसे में यह दिलचस्प है कि 2019 में 37 हजार मतों का अंतर इस बार भाजपा कैसे पूरा करती है। कांग्रेस के लिए परीक्षा की घड़ी इसलिए भी है क्योंकि छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले की बड़े-बड़े नेताओं सहित हजारों कार्यकर्ता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

कई नेता छोड़ चुके हैं साथ

चौरई विधानसभा सीट से पूर्व विधायक गंभीर सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीताराम डहेरिया, कांग्रेस के प्रदेश पूर्व प्रदेश महासचिव अजय ठाकुर पांढुर्णा (कुछ दिनों पहले छिंदवाड़ा से अलग जिला बनाया गया) नगर पालिका के अध्यक्ष संदीप को घाटोड़े सहित कई बड़े नेता, 6000 से अधिक कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए हैं। खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव छिंदवाड़ा में लगातार कैंप कर चुके हैं।

पिछली बार भी मिली थी कड़ी टक्कर

पिछले लोकसभा चुनाव में भी नकुल नाथ को भाजपा प्रत्याशी ने कड़ी टक्कर दी थी। जबकि तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और मुख्यमंत्री नकुलनाथ के पिता खुद कमलनाथ मुख्यमंत्री थे। इस बार कमलनाथ से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी छिन चुका है। ऐसे में भाजपा ने छिंदवाड़ा सीट पर विशेष रणनीति के तहत काम करना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि छिंदवाड़ा चुनाव में वोटिंग से पहले बीजेपी और बड़ा झटका दे सकती है।

क्या है कमलनाथ का छिंदवाड़ा से रिश्ता

1946 में उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे कमल नाथ 1980 में पहली बार मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। 1980 से 2014 तक नौ बार सांसद चुने गए। कमल नाथ 1985, 1989, 1991, 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 में भी यहां से सांसद बने। कई बार केंद्रीय मंत्री बने। लंबे राजनीतिक करियर में कमल नाथ को सिर्फ 1998 में हुए उप चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा ने हराया था। वर्ष 2018 में उन्हें पहली बार प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री रहे। उपचुनाव छिंदवाड़ा विधानसभा से जीते।

ब्रज क्षेत्र में साख पर दिग्गजों का कद

चुनाव आते-आते भाजपा ने वैश्य कार्ड भी चला। आगरा के पूर्व मेयर नवीन जैन को राज्यसभा से सांसद बना दिया। यानी भाजपा चुनाव से पहले ही ब्रज की पट्टी पर अगड़े-पिछड़े और दलित के साथ वैश्य मतदाताओं को लुभाने की जमीन तैयार कर चुकी है। अब चुनाव में भाजपा की यह तैयारी दिग्गजों की प्रतिष्ठा के साथ कसौटी पर है। इस चुनाव में माननीयों की अग्निपरीक्षा भी है।

उ.प्र.ब्रज क्षेत्र में जातीय समीकरणों को साधते हुए भाजपा ने सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला पहले से ही सेट कर रखा है। पिछड़ा वर्ग से प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल केंद्र में मंत्री हैं। ब्राह्मण समाज से योगेंद्र उपाध्याय और अनुसूचित जाति से बेबी रानी मौर्य प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। क्षत्रिय समाज से मैनपुरी के विधायक जयवीर सिंह भी प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। चुनाव आते-आते भाजपा ने वैश्य कार्ड भी चला। आगरा के पूर्व मेयर नवीन जैन को राज्यसभा से सांसद बना दिया। यानी भाजपा चुनाव से पहले ही ब्रज की पट्टी पर अगड़े-पिछड़े और दलित के साथ वैश्य मतदाताओं को लुभाने की जमीन तैयार कर चुकी है। अब चुनाव में भाजपा की यह तैयारी दिग्गजों की प्रतिष्ठा के साथ कसौटी पर है। इस चुनाव में माननीयों की अग्निपरीक्षा भी है। आगरा दक्षिण सीट से विधायक योगेंद्र उपाध्याय ब्रज क्षेत्र में भाजपा का ब्राह्मण चेहरा माने जा रहे हैं। वह प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। ब्रज क्षेत्र की लोकसभा सीटों पर ब्राह्मण वोट दिलाने की चुनौती उनके सामने है। योगेंद्र उपाध्याय मंत्री बनने के बाद फिरोजाबाद, मथुरा, आगरा और मैनपुरी और एटा में भी सक्रिय रहे हैं। आगरा की पूर्व मेयर बेबीरानी मौर्य ब्रज क्षेत्र में भाजपा के लिए दलित चेहरे के रूप में पहचान रखती हैं। बेबीरानी भी

यूपी सरकार में मंत्री हैं। फिरोजाबाद, मैनपुरी, आगरा, मथुरा और एटा में अनुसूचित जाति का वोट भी काफी तादात में हैं। बसपा के परंपरागत वोट बैंक से इतर दीगर जातियों के वोट बैंक में भाजपा कितना सेंध लगा पाती है यह वक्त तय करेगा। फिलहाल ब्रज क्षेत्र में अनुसूचित जाति बहुल इलाकों में बेबी रानी मौर्य के कद की भी परीक्षा है।

दांव पर एसपी सिंह बघेल का वर्चस्व

ब्रज क्षेत्र में इस चुनाव में दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर है। प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल वर्तमान में आगरा के सांसद हैं और केंद्र में मंत्री भी हैं। एसपी सिंह बघेल को भाजपा में ब्रज की पट्टी पर पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधत्व करने वाला बड़ा चेहरा माना जाता है इसलिए एसपी सिंह बघेल को भाजपा ने समय-समय पर बड़ी जिम्मेदारियां दी हैं। हालांकि एसपी सिंह बघेल खुद को अनुसूचित जाति का होने का दावा करते हैं लेकिन उनका चेहरा पिछड़ा वर्ग का ही माना जाता है। बघेल, आगरा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी भी हैं। आगरा से अपनी जीत के साथ-साथ मथुरा, फिरोजाबाद, एटा और मैनपुरी सीट से भी पिछड़ा वर्ग का वोट दिलाने की चुनौती उनके समक्ष है। इसका सीधा कारण यह भी है कि भले ही इस समय बघेल आगरा से सांसद है लेकिन लगातार तीन बार जलेसर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। इसलिए एटा की बेल्ट पर उनका प्रभाव माना जाता है। फ़िरोज़ाबाद जिले की टूंडला विधानसभा से वह विधायक रह चुके हैं और प्रदेश सरकार मंत्री भी रहे हैं। फ़िरोज़ाबाद सीट से 2009 में सैफई परिवार के अखिलेश यादव और डिंपल यादव के खिलाफ उन्होंने चुनाव लड़कर अपनी ताकत का एहसास कराया था, इसलिए फिरोजाबाद में भी उनका काफी प्रभाव माना जाता है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की सौगातें कसौटी पर

यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह क्षत्रिय समाज को प्रतिनिधत्व करते हैं। जयवीर सिंह वर्तमान में मैनपुरी से विधायक हैं मुलायम के गढ़ में भगवा फहरा कर उन्होंने भाजपा के बड़े नेताओं का दिल जीत लिया था। उसका पुरस्कार उन्हें मंत्री पद देकर भाजपा ने दिया। अब चुनाव में उनकी प्रतिष्ठा भी इसलिए दांव पर है क्योंकि जयवीर सिंह फिरोजाबाद के सिरसागंज क्षेत्र के मूल रूप से निवासी हैं। फ़िरोज़ाबाद, एटा, आगरा, मथुरा और मैनपुरी क्षेत्र में अपने प्रभाव का वोट बैंक को दिलाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है।

2022 में छोटे दलों ने सपा को किया था मजबूत

अब लोकसभा चुनावों की बात करें तो पार्टी के सारे छोटे दलों के पुराने सहयोगी साथ छोड़ चुके हैं और उसका एक सहयोगी केवल और केवल कांग्रेस ही है। लोकसभा चुनाव 2024 की बात करें तो सपा ने यूपी में केवल कांग्रेस से ही गठबंधन किया है। यह गठबंधन सीट पीडीए बताया गया है। इसके सीट बंटवारे की बात करें तो सपा 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर मैदान में होगी।

साल 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने यूपी के कई छोटे दलों के साथ गठबंधन किया था। इसके जरिए सपा ने यूपी के बड़े ओबीसी वर्ग को साधने की कोशिश की थी। इसका सपा को फायदा भी मिला था, हालांकि बीजेपी को जीत मिली थी लेकिन पार्टी का ग्राफ सपा की मजबूती के चलते बीजेपी 300 का आंकड़ा तक नहीं पार कर पाई थी। अब लोकसभा चुनावों की बात करें तो पार्टी के सारे छोटे दलों के पुराने सहयोगी साथ छोड़ चुके हैं और उसका एक सहयोगी केवल और केवल कांग्रेस ही है। लोकसभा चुनाव 2024 की बात करें तो सपा ने यूपी में केवल कांग्रेस से ही गठबंधन किया है। यह गठबंधन सीट पीडीए बताया गया है। इसके सीट बंटवारे की बात करें तो सपा 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर मैदान में होगी।2022 के विधानसभा चुनावों में एसपी ने ओबीसी मतदाताओं पर प्रभाव रखने का दावा करने वाले विभिन्न क्षेत्रीय दलों जैसे राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी), जनवादी सोशलिस्ट पार्टी के साथ एक बड़ा गठबंधन बनाया था। इसमें अपना दल (कमेरावादी), और महान दल भी शामिल थे।

2022 में मजबूत हुई थी समाजवादी पार्टी

2022 में राज्य की 403 सीटों में से एसपी ने 32 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 111 सीटें जीतीं थी, जबकि आरएलडी को 8 और एसबीएसपी को 6 सीटें मिलीं। गठबंधन में अन्य दलों को कोई सीट नहीं मिली। दूसरी ओर बीजेपी ने चुनाव जीता था और 255 सीटें हासिल कीं थी। पार्टी का वोट शेयर 41.29त्न था। 2017 के विधानसभा चुनावों में जब उसने इन पार्टियों के साथ गठबंधन नहीं किया था, लेकिन कांग्रेस के साथ साझेदारी में थी, तो सपा ने 21.82 प्रतिशत वोटों के साथ 47 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 7 सीटें मिली थीं। भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोटों के साथ 312 सीटों पर जीत हासिल की थी।

केशव देव मौर्य भी रहे हैं सपा का साथ

2019 के लोकसभा चुनाव में दारा सिंह चौहान की पार्टी का सपा के साथ गठबंधन था, जब उन्होंने चंदौली से सपा के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था। वह 13,959 वोटों के मामूली अंतर से चुनाव हार गए। महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने सपा से दो सीटों की मांग की थी। उनका शाक्य, सैनी, कुशवाह और मौर्य जैसे ओबीसी समूहों के बीच आधार है। उनकी मांग को सपा ने रिजेक्ट कर दिया था। बाद में जब बसपा ने भी उन्हें सपोर्ट नहीं दिया तो मौर्य ने फैसला किया कि उनकी पार्टी उन सीटों पर सपा का समर्थन करेगी जहां वह चुनाव लड़ रही है।

भीमा आर्मी से भी नहीं बनी सपा की बात- 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव में महान दल ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, उनके बीच 2019 के चुनाव को लेकर बातचीत हुई थी, लेकिन गठबंधन पर बात नहीं बन पाई, जिसके चलते उसने बीजेपी को समर्थन दिया था।

इस बीच भीम आर्मी प्रमुख चन्द्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व वाली आज़ाद समाज पार्टी (एएसपी-कांशीराम) के साथ एसपी की बातचीत भी विफल रही, एएसपी अब यूपी में अकेले चुनाव लड़ रही है। दिसंबर 2022 के विधानसभा उपचुनाव में सपा, रालोद और एएसपी ने खतौली और रामपुर सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ा था। यहां बीजेपी हार गई थी। सपा ने जब छोटे दलों को साथ रखा था, तो उसे सियासी लिहाज से बड़ा फायदा हुआ था, भले ही 2022 में उसे बीजेपी को हराने में सफलता नहीं मिली थी, लेकिन उसके वोट प्रतिशत में बड़ा उछाल आया था, जबकि 2017 में जब वह कांग्रेस के साथ गई थी, तो सपा को कोई खास फायदा नहीं हुआ है। अब देखना यह है कि इस बार सपा को कांग्रेस के साथ जाने पर यूपी में सफलता मिलती है, या फिर पार्टी के वोट प्रतिशत का हाल 2017 वाला हो जाता है।

2017 में कांग्रेस संग हुआ बंटाधार, इस बार क्या होगा परिणाम

आरएलडी ने दिया था बड़ा झटका

सपा का झटका आरएलडी के एनडीए में जाने से लगा है। जो कि जाट वोटों के आधार पर सपा के लिए फायदेमंद साबित होती रही है। एसबीएसपी की बात करें तो वह भी एनडीए में ही है। 2022 में उन्होंने सपा की खूब आलोचना की थी। 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में एसबीएसपी विधायकों ने एनडीए के उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में क्रॉस वोटिंग की। इस बीच दिवंगत कुर्मी नेता सोनेलाल पटेल द्वारा स्थापित अपना दल से अलग हुए समूह जन जनवादी पार्टी और अपना दल (के) ने भी सीट बंटवारे पर बातचीत विफल होने के बाद लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला करते हुए सपा से नाता तोड़ लिया।

इस्लामिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है ईद-उल-फितर

ईद-उल-फितर इस्लाम के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। पूरे एक महीने तक रोजे रखने के बाद ईद बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इस पर्व को मीठी ईद के रूप में भी मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह पर्व हर साल 10वें शव्वाल के पहले दिन मनाया जाता है। इस बार यह 11 अप्रैल 2024 को बेहद खुशी और समर्पण के साथ मनाया जाएगा।

ईद–उल–फितर इस्लामिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। इसे मीठी ईद के रूप में भी जाना जाता है। वहीं, यह दिन रमजान के पवित्र महीने के अंत का भी प्रतीक है। यह इस्लामिक कैलेंडर की पहली तारीख को पड़ता है। इस पवित्र दिन लोग अपना रोजा समाप्त करके ईद मनाते हैं और अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, भव्य दावतें तैयार करते हैं। साथ ही अपने प्रियजनों से मिलने के लिए जाते हैं। कहा जाता है कि इस शुभ अवसर पर दान करने का भी अपना एक खास महत्व है।

ईद–उल–फितर 2024

ईद मनाने की वास्तविक तारीख चंद्रमा के दर्शन पर निर्भर करती है। चंद्रमा का दर्शन इस्लामी कैलेंडर के अनुसार होता है और चंद्रमा के वास्तविक दर्शन की प्रतीक्षा की जाती है। ऐसा कहा जा रहा है कि अगर 29वां रोजा पूरा होने पर चांद का दर्शन होता है, तो 10 अप्रैल को ईद मनाई जाएगी। वहीं, अगर 30वां रोजा पूरा होने पर चांद नजर आता है, तो 11 अप्रैल को ईद मनाई जा सकती है।

ईद–उल–फितर कैसे मनाएं

- सबसे पहले लोग पवित्र स्नान करते हैं।
- ईद के दिन सुबह नमाज पढ़ना बहुत जरूरी होता है।
- नमाज अदा करने के बाद लोग एक–दूसरे से गले मिलते हैं और ईद मुबारक की शुभकामनाएं देते हैं।
- महिलाएं घरों में ढेर सारे सूखे मेवों से मिठाइयां–सेवइयां बनाती हैं।
- इस अवसर पर लोग नए कपड़े पहनते हैं और नमाज के लिए मस्जिद जाते हैं।
- घर वापस आकर वे उस मीठे पकवान को खाते हैं और रिश्तेदारों और दोस्तों में भी बांटते हैं।
- इस दिन जरूरतमंदों को भोजन कराना उन्हें पैसे और कपड़े देना शुभ माना जाता है।
- इस दिन अल्लाह को खुश करने के लिए एक बुरी आदत का भी त्याग किया जाता है।

इस साल कब मनाई जाएगी ईद?

ईद-उल-फितर की सही तारीख और महत्व

इस समय रमजान का पाक महीना चल रहा है। रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना होता है। इसे माह–ए–रमजान भी कहा जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के महीने में रोजा रखते हैं। रोजा के दौरान लोग सहरी करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले उठते हैं और शाम को इफ्तार साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। यानी इस पूरे महीने में मुसलमान लोग सूरज निकलने से लेकर डूबने तक कुछ भी नहीं खाते पीते हैं। साथ में महीने भर इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। एक महीने तक रोजा रखने के बाद ईद–उल–फितर यानी ईद मनाई जाती है। पूरे महीने भर रोजा रखने के बाद ईद के इंतजार की खुशी अलग ही होती है। हालांकि ईद मनाने की तारीख चांद दिखने के हिसाब से ही मुकम्मल की जाती है। जिस दिन चांद दिखता है, उस दिन को चांद मुबारक कहा जाता है और ईद मनाई जाती है। सऊदी अरब में सबसे पहले ईद की तारीख का एलान किया जाता है।

ईद–उल–फितर कब है?

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार ईद 10वें शव्वाल (महीने) की पहली तारीख को मनाई जाती है। जो इस साल 10 अप्रैल को पड़ रही है, लेकिन इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग अपना त्योहार चांद को देखकर मनाते हैं। ऐसे में ईद का चांद नजर आने के बाद ही ईद–उल–फितर की सही तारीख मुकर्रर की जाएगी। फिलहाल 10 या 11 अप्रैल को ईद का त्योहार मनाए जाने की उम्मीद है।

ईद–उल–फितर का महत्व

इस्लाम धर्म को मानने वाले लोगों के लिए ईद का त्योहार बेहद खास होता है। ये अल्लाह का शुक्रिया अदा करने का दिन होता है। मुस्लिम समुदाय के लोग खुशी और जश्न के साथ ईद मनाते हैं। ईद–उल–फितर को छोटी ईद और मीठी ईद भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर में रमजान का महीना नौवां महीना होता है। वहीं दसवां महीना शव्वाल है। शव्वाल के पहले दिन दुनिया भर में ईद–उल–फितर यानी ईद मनाई जाती है। शव्वाल का अर्थ है, उपवास तोड़ने का त्योहार। इस दिन एक महीने तक रोजा रखने के बाद लोग उपवास तोड़ते हैं और त्योहार का जश्न मनाते हैं।

इस तरह मनाते हैं ईद

ईद–उल–फितर के दिन सुबह सबसे पहले नमाज अदा की जाती है। इसके बाद खजूर या कुछ मीठा खा कर रोजा समाप्त किया जाता है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनकर मस्जिद में नमाज अदा करने जाते हैं। साथ ही एक दूसरे से गले मिलकर खुशियां जाहिर करते हैं। सभी रिश्तेदार और दोस्त एक दूसरे के घर दावत पर जाते हैं और ईद की मुबारकबाद देते हैं। साथ ही घरों में तरह–तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। इस दिन मीठी सेवइयां खाई जाती हैं और बच्चों को ईदी भी दी जाती है।

ईद–उल–फितर का इतिहास

मान्यता है कि सबसे पहली ईद सन् 624 ईस्वी में पैगंबर मुहम्मद ने मनाई थी। इस दिन पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब ने बद्र के युद्ध में जीत हासिल की थी। इस खुशी में ईद मनाई जाती है। मोहम्मद साहब ने कुरान में दो पवित्र दिन को ईद के लिए निर्धारित किया था। इस तरह से साल में दो बार ईद मनाई जाती है, जिसे ईद–उल–फितर और ईद–उल–अजहा के मान से जाना जाता है। इस्लामिक प्रथा के अनुसार ईद की नमाज अदा करने से पहले हर मुस्लिम व्यक्ति को दान देना जरूरी होता है।

खुदा का इनाम है ईद–उल फितर

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद जलवा अफरोज हुआ ईद–उल फितर का त्योहार खुदा का इनाम है, मुसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है, खुशियों का गुलदस्ता है, मुस्कुराहटों का मौसम है, रौनक का जश्न है। इसलिए ईद का चांद नजर आते ही माहौल में एक गजब का उल्लास छा जाता है। ईद के दिन सिवइयों या शीर–खुरमे से मुंह मीठा करने के बाद छोटे–बड़े, अपने–पराए, दोस्त–दुश्मन गले मिलते हैं तो चारों तरफ मोहब्बत ही मोहब्बत नजर आती है। एक पवित्र खुशी से दमकते सभी चेहरे इंसानियत का पैगाम माहौल में फैला देते हैं। अल्लाह से दुआएं मांगते व रमजान के रोजे और इबादत की हिम्मत के लिए खुदा का शुक्र अदा करते हाथ हर तरफ दिखाई पड़ते हैं और यह उत्साह बयान करता है कि लो ईद आ गई। कुरआन के अनुसार पैगंबरे इस्लाम ने कहा है कि जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों–नमाजों तथा उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं, तो अल्लाह एक दिन अपने उक्त इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं और इसी बख्शीश व इनाम के दिन को ईद–उल फितर का नाम देते हैं। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस पूरे माह में रोजे रखे जाते हैं। इस महीने के खत्म होते ही दसवां माह शव्वाल शुरू होता है। इस माह की पहली चांद रात ईद की चांद रात होती है। इस रात का इंतजार वर्ष भर खास वजह से होता है, क्योंकि इस रात को दिखने वाले चांद से ही इस्लाम के बड़े त्योहार ईद–उल फितर का ऐलान होता है। इस तरह से यह चांद ईद का पैगाम लेकर आता है। इस चांद रात को अल्फा कहा जाता है। रमजान माह के रोजे को एक फर्ज करार दिया गया है, ताकि इंसानों को भूख–प्यास का महत्व पता चले। भौतिक वासनाएं और लालच इंसान के वजूद से जुदा हो जाए और इंसान कुरआन के अनुसार अपने को ढाल लें। इसलिए रमजान का महीना इंसान को अशरफ और आला बनाने का मौसम है। पर अगर कोई सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करे और उसके बंदों से मोहब्बत करने व उनकी मदद करने से हाथ खींचे तो ऐसी इबादत को इस्लाम ने खारिज किया है। क्योंकि असल में इस्लाम का पैगाम है– अगर अल्लाह की सच्ची इबादत करनी है तो उसके सभी बंदों से प्यार करो और हमेशा सबके मददगार बनो। यह इबादत ही सही इबादत है।

चांद के दीदार के बाद मनाई जाती है भारत में ईद

रमजान का पाक महीना अपने अंतिम चरणों में है। रमजान के बाद ही ईद-उल-फितर का त्योहार आता है, जो इस्लाम धर्म का एक पावन पर्व है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, रमजान के बाद 10वें शव्वाल की पहली तारीख को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाता है। ईद कब मनायी जाएगी यह चांद के दीदार से तय होती है।

ईद का त्योहार चांद को देखकर निश्चित होता है। चांद के दीदार के बाद ईद–उल–फितर पर्व 11 अप्रैल को है। ईद–उल–फितर को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। इसमें मीठे पकवान (खासतौर पर सेंवईं) बनते हैं। लोग आपस में गले मिलकर अपने गिले–शिकवों को दूर करते हैं। घर आए मेहमानों की विदाई कुछ उपहार देकर की जाती है। इस्लामिक धर्म का यह त्योहार भाईचारे का संदेश देता है। ईद उल फितर के दिन लोग सुबह नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हुए अमन और चैन की दुआ मांगते हैं। ईद उल फितर के मौके पर लोग खुदा का शुक्रिया इसलिए करते हैं क्योंकि अल्लाह उन्हें महीने भर उपवास पर रहने की ताकत देते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि रमजान के पवित्र महीने में दान करने से उसका फल दोगुना मिलता है। ऐसे में लोग गरीब और जरूरतमंदों के लिए कुछ रकम दान कर देते हैं। रमजान महीने में रोजा रखने का मतलब होता है कि लोगों को भूख प्यास का एहसास हो सके। इस दिन कई तरह के पकवान घर में बनाएं जाते हैं।

भाईचारे का संदेश देता है ईद का त्योहार

पूरे देश में रमजान का पाक महीना मनाया जा रहा है। इसके खत्म होने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है। इस ईद को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। ईद को पूरी दुनिया में पूरे धूम से मनाया जाता है। लोग इस दिन घरों में मीठे पकवान बनाते हैं। खासकर सेंवईंयां जरूर बनती है। लोग एक–दूसरे से गले मिलकर शिकवें दूर करते हैं। इस्लाम धर्म में ये त्योहार भाईचाहे का संदेश देता है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हैं और अपने परिवार के अमन चैन की दुआ करते हैं। इस दिन पढ़ी जाने वाली नमाज को सलात अल फज्र कहा जाता है। वहीं ईद से पहले हर मुसलमान के लिए फितरा देना फर्ज बताया गया है।

गरीब भी मना सकें खुशियां

ईद से पहले हर इंसान को लगभगव पौने दो किलो अनाज या उसकी कीमत गरीबों को दी जाती है। जिससे गरीब व्यक्ति भी ईद की खुशी मना सकें। बताया जाता है कि इसी दिन पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब ने बद्र के युद्ध में फतह हासिल की थी। इसी युद्ध में फतह पाने की खुशी में लोग ईद को मनाते हैं।

दी जाती है बक्शीश

रमजान के महीने में रोजे रखने के बाद अल्लाह के इस दिन पर बक्शीश और ईनाम दिया जाता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं। मुसलमान ईद में खुदा का शुक्रिया अदा करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खुदा ने महीने भर के उपवास रखने की ताकत दी।

जैसे-जैसे रमज़ान के आखिरी दिन नज़दीक आ रहे हैं, मुस्लिम समुदाय इस्लाम के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक, ईद-उल-फितर के उत्सव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. ईद-उल-फितर, जिसे रोजा खोलने के त्योहार के रूप में भी जाना जाता है, एक खुशी का अवसर है जो रोजे के महीने रमजान के खत्म होने पर मनाया जाता है. इस साल, रमज़ान 11 मार्च, 2024 को शुरू हुआ. ईद-उल-फितर को दक्षिण एशियाई देशों में इस त्योहार को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है. ईद-उल-फितर 2024 पर बनाएं ये 5 पारंपरिक व्यंजन -

ईद पर जरूर बनाएं ये स्पेशल व्यंजन

इनके बिना अधूरा है जश्न

शीर खुरमा

शीर खुरमा, जिसका फ़ारसी में अर्थ है दूध और खजूर, एक समृद्ध सेंवई का हलवा है

जिसे खजूर, सूखे मेवे और केसर से सजाया जाता है. यह मलाईदार डिश ईद के दौरान मुस्लिम घरों में जरूर बनाया जाता है.

सेवइया

सेवइयां, एक सर्वोत्कृष्ट ईद की मिठाई है, जिसमें दूध, खोया और सूखे मेवों में पकाई गई घी में भुनी हुई सेवइयां शामिल हैं. यह खाने में बेहद स्वादिष्ट लगती है.

गुलाब शरबत

फ्रेश और सुगंधित, गुलाब शरबत एक लोकप्रिय ईद का ड्रिंक है जो उत्सव की दावत के लिए तैयार किया जाता है. गुलाब की पंखुड़ियों और घर का बना गुलाब सिरप इस ड्रिंक को और स्वादिष्ट बना देता है.

मटन शामी कबाब

कोई भी ईद की दावत रसीले कबाब के बिना पूरी नहीं होती है और मटन शामी कबाब इसमें बिल्कुल फिट बैठता है. कीमा मटन और सुगंधित मसालों के साथ तैयार किया जाता है.

बिरयानी

बिरयानी बनाने के लिए खिले चावलों में मीट और कई मसालों को मिलाकर तैयार किया जाता है. ये खाने में स्वादिष्ट और इस त्योहार का खास डिश में से एक होती है.

कारों की बिक्री ने बनाया रिकॉर्ड, 2023-24 में बिकीं 39.5 लाख गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने सोमवार को पिछले महीने के वाहन बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। इसके अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में 39.48 लाख गाड़ियों की बिक्री दर्ज करते हुए सालाना आधार पर 8.45 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में 36.40 लाख कारें बिकी थीं। पिछले महीने 3.22 लाख कारों की बिक्री हासिल हुई है, जो 2023 मार्च की 3.43 लाख की तुलना में 6.17 प्रतिशत कम हैं।

12 महीने में बिके 1.75 करोड़ दोपहिया वाहन : पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री 1.75 करोड़ रही है, जो वित्त वर्ष 2023 की 1.6 करोड़ की तुलना में 9.30 प्रतिशत बढ़ी है। वित्त वर्ष 2024 में ऑटो रिटेल में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, कार, ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन में क्रमशः 9 प्रतिशत, 49 प्रतिशत, 8.45 प्रतिशत, 8 प्रतिशत और 5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। स्रष्ठ ने कहा है कि इस दौरान तिपहिया, कार और ट्रैक्टर बिक्री ने रिकॉर्ड ऊंचाई तय की है।

बिक्री पर पड़ा लोकसभा चुनाव का असर : पिछले महीने सभी वाहनों बिक्री में सालाना आधार पर 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। स्रष्ठ के अनुसार, लोकसभा चुनाव के कारण कार, कमर्शियल वाहन और ट्रैक्टरों की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि, इस दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि तिपहिया वाहन बिक्री में 17 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई और पहली बार सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 9.12 प्रतिशत हो गई

मारुति सुजुकी ने बढ़ाई अपने मानेसर प्लांट की क्षमता, हर साल कर रही है 9 लाख गाड़ियों का प्रोडक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी मानेसर प्लांट की उत्पादन क्षमता में एक लाख इकाई प्रति वर्ष का विस्तार किया है। मोटर वाहन प्रमुख ने हरियाणा के मानेसर में कार्यरत तीन विनिर्माण संयंत्रों में से मौजूदा प्लांट-ए में एक वाहन 'असेंबली लाइन' जोड़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में कहा, ''नई वाहन 'असेंबली लाइन' में प्रति वर्ष एक लाख इकाई बनाने की क्षमता है।'' बयान के अनुसार, अतिरिक्त 'असेंबली लाइन' के साथ मानेसर की कुल विनिर्माण क्षमता नौ लाख वाहन प्रति वर्ष हो गई है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी तेकुची ने कहा, ''हमारा लक्ष्य अगले सात-आठ वर्षों में अपनी क्षमता को करीब दोगुना करके 40 लाख वाहन प्रति वर्ष करना है। प्रति वर्ष एक लाख वाहनों की यह क्षमता वृद्धि इस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।''

संक्षिप्त समाचार

रियल एस्टेट सेक्टर ने 10 सालों में खोला 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का पिटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में मिलने वाला कुल रोजगार पिछले कैलेंडर वर्ष में बढ़कर 7.1 करोड़ हो गया, जबकि 2013 में यह आंकड़ा चार करोड़ था। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक और उद्योग निकाय नारेडको ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट में कहा कि इस तरह पिछले 10 साल में उद्योग ने तीन करोड़ से अधिक नई नौकरियां दीं। रिपोर्ट के अनुसार, नरेन्द्र मोदी सरकार के कई नीतिगत सुधारों से समर्थन पाकर आवास क्षेत्र ने स्वस्थ वृद्धि दर्ज की, जिसके चलते रोगजार के मौके भी तेजी से बढ़े। एनारॉक-नारेडको की सोमवार को जारी रिपोर्ट 'रियल एस्टेट अनबॉक्स्ड- द मोदी इफेक्ट में कहा गया कि भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार को मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कई सुधारों से काफी फायदा हुआ है। इन सुधारों से उद्योग को मजबूत होकर उभरने और नयी ऊंचाइयां छूने में मदद मिली। देश के कुल कार्यबल में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से अधिक है। भारत के शीर्ष सात प्राथमिक आवास बाजारों में 2014 और 2023 के बीच कुल 29.32 लाख इकाइयां तैयार हुईं और 28.27 लाख इकाइयों की बिक्री हुई। नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि रियल एस्टेट विनियमन और विकास अधिनियम (रेरा), माल तथा सेवा कर (जीएसटी), और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) जैसी विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार ने पिछले 10 वर्षों में रियल एस्टेट क्षेत्र को मजबूती दी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि शीर्ष सात बाजारों - दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में घरों की मांग और कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

कंपनी कर रही स्टॉक स्प्लिट का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के बोर्ड ने स्टॉक स्प्लिट योजना पर विचार करने का ऐलान किया तो प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के शेयरों को खरीदने के लिए निवेशक टूट पड़े। शेयर 16 फीसद से अधिक उछलकर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1996.80 रुपये पर पहुंच गया। प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स का शेयर मूल्य 9 अप्रैल को 1770 रुपये पर खुलकर 1996.80 रुपये पर पहुंच गए। दोपहर दो बजे के करीब 16 फीसद ऊपर 1960 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे थे। कंपनी के इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू में स्प्लिट के प्रस्ताव पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक शुक्रवार, 19 अप्रैल को होने वाली है। बोर्ड पब्लिक इश्यू, प्रिफरेबल इश्यू निर्गम, प्राइवेट प्लेसमेंट (एक या अधिक योग्य संस्थागत प्लेसमेंट सहित), या किसी अन्य मोड और या उसके संयोजन के माध्यम से इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय उपकरण जारी करके धन जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा।

तेज गर्मी और पानी की कमी से दूध की बढ़ेगी किल्लत, पनीर की मांग बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर गर्मियों में दूध के उत्पादन में कमी दर्ज की जाती है, लेकिन इस बार इसके बुरी तरह प्रभावित होने की खबरें सामने आ रही हैं। मौसम विभाग ने इन गर्मियों में भयानक लू चलने की आशंका जताई है। जानकारों का कहना है कि लू चलने और जलाशयों के सूखने से डेयरी पशुओं के लिए चारे और पानी की किल्लत हो सकती है। इससे आने वाले दिनों में दूध का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसा होने पर दूध की कीमत में भी बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है।

इसी महीने चार अप्रैल के आंकड़ों के मुताबिक देश के 150 बड़े जलाशयों में पानी का स्तर 35 फीसदी रह गया है जो एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी कम है और पिछले 10 साल के औसत से दो फीसदी कम है। इस वक्त ये यह आंकड़े चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। आगे गर्मियों के मौसम के चरम पर पहुंचने पर इस तस्वीर के और भयानक होने का अंदेशा लगाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पॉट ट्रेडर्स ने कहा कि 6.5 प्रतिशत फैट वाले दूध की कीमत 47-48 रुपये प्रति लीटर है जो पिछले साल 57-58 रुपये थी। लेकिन उपभोक्ता मामलों के विभाग आंकड़ों के मुताबिक अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 57.6 रुपये प्रति लीटर है जो एक साल पहले 56 रुपये थी। अनुमान के मुताबिक 2023-24 में देश में दूध का उत्पादन 24 से 25 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 4.5 फीसदी अधिक है। भारत दूध उत्पादन के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में देश काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति सालाना खपत मात्र 84 किलो है जबकि फिनलैंड में यह 430 किलो है।

सितंबर तक 100 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल, कई देशों के बीच तनाव बढ़ने बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल के और महंगा होने की आशंका है। जेपी मॉर्गन एंड चेज का अनुमान है कि अगस्त-सितंबर तक कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच सकता है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है। जेपी मॉर्गन एंड चेज के मुताबिक, कई देशों के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने और आपूर्ति में कमी से क्रूड की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। हाल में क्रूड छह महीने के उच्च स्तर 90 डॉलर के पार पहुंच गया था।

विश्लेषकों के मुताबिक, क्रूड में तेजी महंगाई को लेकर भी चिंता बढ़ा रही है। इससे केंद्रीय बैंकों की दर में कटौती की योजनाओं पर असर पड़ सकता है। वैश्विक आधार पर मांग ठीक है, लेकिन आपूर्ति कम है। मेक्सिको से तेल निर्यात पिछले महीने 35 फीसदी गिरकर 2019 के बाद से निचले स्तर पर आ गया। मार्च में मेक्सिको, अमेरिका, कतर और इराक ने अपने संयुक्त तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक की कटौती की।

इस्रायल व ईरान के बीच तनाव का माहौल है। दोनों देशों में कभी भी युद्ध की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा, कमोडिटी संचालित महंगाई फिर से वापस दिखने लगी है। इससे क्रूड की कीमतें बढ़ने की प्रबल आशंका है। मेक्सिको की ओर से क्रूड निर्यात को कम करने का हालिया कदम वैश्विक स्तर पर दबाव बढ़ा रहा है। इससे अमेरिका में तेल की खपत बढ़ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों ने रूसी माल को समुद्र में फंसा दिया है। अगला लक्ष्य वेनेजुएला की आपूर्ति बाधित करना है। लाल सागर में टैंकरों पर हूती विद्रोहियों के हमलों से क्रूड निर्यात शिपमेंट में देरी हुई है। उथल-पुथल के बावजूद ओपेक देश उत्पादन कटौती पर अड़े हैं। इससे ब्रेंट क्रूड के दो वर्षों में पहली बार 100 डॉलर तक पहुंचने का खतरा पैदा हो गया है।

22 कैरेट सोने की कीमत 65500 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। इस महीने जिन घरों में शादियां हैं उनके लिए सर्राफा मार्केट से रोज बुरी खबरें आ रही हैं। आज भी बुरी खबर यह है कि सोना आज एक नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है और चांदी की भी चमक बढ़ी है। 22 कैरेट सोने का भाव ही अब 65500 रुपये पर पहुंच गया है। अभी 24 कैरेट के भाव सुनकर कहीं चक्कर न आ जाए।

आज नवरात्र के पहले दिन सर्राफा मार्केट में सोने-चांदी के भाव एक बार फिर इतिहास रच दिए हैं। आज सोना सोमवार के बंद की तुलना में 228 रुपये महंगा होकर 71507 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी आज 2204 रुपये प्रति किलो महंगी होकर 81700 रुपये पर पहुंच गई है।

आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक आज 23 कैरेट सोना भी 71221 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। आज यह 227 रुपये ऊपर खुला। दूसरी ओर 22 कैरेट सोने की कीमत 208 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 65500 रुपये पर पहुंच गई। जबकि, 18 कैरेट सोना भी आज 171 रुपये चढ़कर 53630 रुपये पर पहुंच गया। दूसरी ओर, 14 कैरेट गोल्ड का भाव 134 रुपये उछलकर 41832 रुपये पर पहुंच गया।

28 मार्च 2024 को 24 कैरेट सोने का भाव महज 67252 रुपये था। इस दिन यह ऑल टाइम हाई पर था। इसके बाद एक अप्रैल को सोना रिकॉर्ड 68964 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसके बाद 3 अप्रैल को यह फिर नए शिखर 69526 पर और अगले दिन ही69936 के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। आठ अप्रैल को सोना एक बार फिर इतिहास रचा और 71279 रुपये पर पहुंच गया। आज नौ अप्रैल को 71507 रुपये के नए शिखर पर पहुंचा है। यानी अप्रैल में सोना 4255 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी के रेट में 7573 रुपये प्रति किलो का उछाल आया है।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक बैंकों के कामकाज का लेखा जोखा रखता है। हाल ही में आरबीआई ने महाराष्ट्र के शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर कार्रवाई करते हुए सोमवार को बैंक की निकासी सेवाओं पर रोक लगा दी। केंद्रीय बैंक ने यह कदम बैंक के वित्तीय हालात को देखते हुए उठाया है। आरबीआई के इस आदेश के बाद से बैंक में मौजूद चालू खाता या सेविंग खाता किसी से भी ग्राहकों को पैसे की निकासी करने की परमिशन नहीं है। हालांकि, ग्राहकों को कर्ज की राशि खाते से जमा करने की परमिशन मिल रही है।

रिजर्व बैंक ने कही यह बात

महाराष्ट्र के शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक ने कहा कि अब बैंक को किसी भी तरह के नए कर्ज देने की परमिशन नहीं है। इसके साथ ही बैंक फिलहाल किसी तरह का निवेश भी नहीं कर सकता है। इसके साथ ही बैंक फिलहाल आरबीआई के परमिशन के बिना अपनी किसी भी संपत्ति का निपटान या हस्तांतरण नहीं कर सकता है। बैंक से पैसे निकासी की रोक 8 अप्रैल 2024 से अगले छह महीने तक लागू रहेंगे।

ग्राहकों पर कितना पड़ेगा असर

जिन ग्राहकों के शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक में पैसे जमा है वह बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम के तहत पांच लाख रुपए तक की राशि क्लेम कर सकते है। ऐसे में जिन ग्राहकों के खाते में पांच लाख रुपए तक की राशि जमा है वह अपने पूरे पैसे प्राप्त कर सकते हैं। रिजर्व बैंक ने बैंक पर लगे प्रतिबंध के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि इस कार्रवाई को लाइसेंस रद्द होने जैसा नहीं समझा जाना चाहिए और बैंक की वित्तीय स्थिति को सुधारे के लिए रिजर्व हैंक ने यह कार्रवाई की है।

गवर्नर शक्तिकांत दास की अपील- देश-विदेश में रुपया डेरिवेटिव में भागीदारी बढ़ाएं बैंक, जोखिम पर कही यह बात

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने भारतीय बैंकों से घरेलू व विदेशी दोनों स्तरों पर रुपया डेरिवेटिव बाजार में भागीदारी बढ़ाने की अपील की है। डेरिवेटिव बाजारों में घरेलू बैंकों की भागीदारी सिर्फ सक्रिय बाजार निर्माताओं के एक छोटे समूह के साथ सीमित है। साथ ही, वैश्विक बाजारों में भारतीय बैंकों की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन यह काफी कम है।
दास ने सोमवार को बार्सिलोना में एक कार्यक्रम में कहा, घरेलू बैंक निचले स्तर के ग्राहकों के बजाय वैश्विक स्तर पर बाजार-निर्माताओं के साथ काम कर रहे हैं। बेशक, बैंकों को उचित परिश्रम करने, जोखिम उठाने की क्षमता का आकलन करने और फिर इस दिशा में सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत है। हमारा ध्यान विवेकपूर्ण रहते हुए घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों में रुपया डेरिवेटिव्स के लिए भारतीय कंपनियों की भागीदारी को बढ़ाने पर होना चाहिए।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 22,500 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 84 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 22,500 करोड़ रुपए रही। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग बिक्री वृद्धि की प्रमुख वजह रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज समूह की बिक्री बुकिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रेस्टीज समूह ने पिछले वित्त वर्ष में 21,040 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग होने की सोमवार को जानकारी दी थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में 14,520 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की है। डीएलएफ ने अभी तक अपने आंकड़ों की घोषणा नहीं की है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे 2023-24 में क्रमशः अपनी अब तक की सबसे अच्छी तिमाही और वार्षिक बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर दोगुनी होकर 9,500 करोड़ रुपए से अधिक रही। पिछले वित्त वर्ष में इसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 84 प्रतिशत बढ़कर 22,500 करोड़ रुपए से अधिक हो गई। कंपनी के अनुसार, ''यह भारत में किसी भी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा घोषित अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है। यह दो करोड़ वर्ग फुट के क्षेत्रफल में फैले 14,310 मकानों की बिक्री के जरिए संभव हो पाया। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि कंपनी की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 56 प्रतिशत बढ़कर 81.7 लाख वर्ग फुट हो गई। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, ''पिछले दो वर्षों में हमने जो तेजी हासिल की है, उससे हम खुश हैं। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 9,500 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2021-22 में हमारी वार्षिक बुकिंग से अधिक है।

लिस्टिंग पर कराया था नुकसान, अब दे रहा जबरदस्त मुनाफा, 190 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एथोस के शेयर लगातार फोकस में हैं और इसने अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। प्रीमियम और लग्जरी घड़ी रिटेल सेक्टर में एक प्रमुख प्लेयर एथोस के शेयर में अप्रैल 2023 से लगातार तेजी है। सालभर में इसमें 166 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी आई है। इस दौरान यह शेयर 959 से बढ़कर 2,542 पर आ गया है। पिछले 12 महीने में स्टॉक का 8 महीने पॉजिटिव रिटर्न रहा। अप्रैल 2023 में यह शेयर 35.33 प्रतिशत का मासिक रिटर्न दिया था। इसके बाद इस साल जनवरी में 19.61 प्रतिशत चढ़ा है। 11 मार्च को स्टॉक 3,044 प्रति शेयर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

9 अगस्त, 2021 में यह शेयर भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों पर 878 के इश्यू प्राइस के मुकाबले 803 प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ था। स्टॉक को शुरुआत में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बाद के महीनों में इसमें तेजी आई और वर्तमान में यह अपने आईपीओ प्राइस से 190 प्रतिशत अधिक प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है।

एथोस वॉचेज भारत की लग्जरी घड़ी बुटीक की सबसे बड़ी चेन है। लग्जरी घड़ी मार्केट में हाल के सालों में जबरदस्त तेजी आई है और बढ़ती मांग के कारण आने वाले वर्षों में भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। बता दें कि वर्तमान में कंपनी के भारत में 60 से अधिक स्टोर हैं। एथोस के पास भारत में प्रीमियम और लग्जरी घड़ियों का एक बड़ा पोर्टफोलियो है। इसमें ओमेगा, आईडब्ल्यूसी शैफहाउसेन, जैगर लेकोल्ट्रे, पैनेराई, एच. मोजर एंड सी, राडो, लॉन्गिंस, बॉम एंड मर्सिएर, ओरिस, एसए, कोरम, कार्ल एफ. बुचेरर, टिसोट, रेमंड वेइल, लुई मोइनेट और बाल्मेन जैसे 60 से अधिक प्रीमियम और लग्जरी घड़ी ब्रांडों की रिटेल बिक्री शामिल हैं।

भारत ने यूरिया खरीद आधी कर वैश्विक यूरिया जगत को चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में हर साल करीब 350 लाख टन यूरिया की जरूरत होती है लेकिन सरकार 2025 के अंत तक यूरिया का आयात बंद करने जा रही है। वहीं दूसरी ओर स्टोनेक्स के उर्वरक निदेशक जोश लिनविले ने यूरिया को लेकर ट्वीट किया है जिसमें उसने कहा है कि भारत ने यूरिया की खरीद 724केएमटी से घटाकर अब 340केएमटी कर दी है, भारत के इस कदम ने वैश्विक यूरिया जगत को चौंका दिया है।

यूरिया का घरेलू उत्पादन बढ़ा

हाल ही में रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि भारत अगले साल यानी 2025 के आखिर तक यूरिया का आयात बंद कर देगा। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, यूरिया का घरेलू उत्पादन तेजी से बढ़ा है और यह सप्लाई और डिमांड के मौजूदा अंतर को खत्म कर देगा।

मांडविया का कहना है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने यूरिया आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए दोतरफा रणनीति अपनाई है। सरकार ने चार बंद हो चुके यूरिया प्लांट को दोबारा शुरू कराया है। साथ ही, एक और कारखाने को शुरू कराने की दिशा में काम चल रहा है, जो बंद हो चुका है।

उन्होंने बताया कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को सालाना लगभग 350 लाख टन यूरिया की जरूरत होती है। अब घरेलू उत्पादन 310 लाख टन तक पहुंच गया है, जो 2014-15 में 225 लाख टन था। पांचवें प्लांट के शुरू होने के बाद यह 325 लाख टन पहुंच जाएगा। बाकी 20-25 लाख टन में पांरपरिक यूरिया की जगह नैनो लिक्विड यूरिया का इस्तेमाल करने का इरादा है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने कामिंदु मेंडिस और मैया बाउचर

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने मार्च 2024 के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम के कामिंदु मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। महिला वर्ग में इंग्लैंड की मैया बाउचर को ये पुरस्कार मिला है। मेंडिस ने प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार का दावा करने के लिए टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया है। मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में 102 रन और दूसरी पारी में 164 रन बनाए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मैट हेनरी और आयरलैंड क्रिकेट टीम के मार्क अडायर को इस दौर में पीछे छोड़ते हुए ये सम्मान हासिल किया। मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ, कामिंदु मेंडिस ने कहा, मैं आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेहद खुश हूं, जिसे मैं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए प्रेरणा मानता हूं। इस तरह की मान्यता हमें एक खिलाड़ी के रूप में टीम, देश और प्रशंसकों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अधिक से अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है।

बाउचर ने न्यूजीलैंड में शानदार श्रृंखला की बदौलत मार्च 2024 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। बीते महीने बाउचर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 223 रन बनाए थे। उन्होंने मार्च में 4-1 टी20 श्रृंखला जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी। बाउचर ने ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार जीता। मार्च के लिए आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ, बाउचर ने कहा, सबसे पहले उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने मुझे वोट दिया। मैं बहुत खुश हूं। मैं उन सब की आभारी हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया है।

मयंक यादव की चोट गंभीर नहीं : क्रूणाल पांड्या

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद फेंकने वाले एलएसजी के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव रविवार को गुजरात के खिलाफ चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। गुजरात के खिलाफ मयंक ने मात्र एक ओवर डाला और उसमें 13 रन दिए। मैच के बाद बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर क्रूणाल पांड्या ने मयंक की चोट पर अपडेट दिया। क्रूणाल पांड्या ने कहा, युवा तेज गेंदबाज मयंक मैदान से बाहर आने के बाद ठीक लग रहे थे। मैंने उनसे बातचीत की और वह पहले से बेहतर थे, जो हमारे लिए राहत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मयंक पसली में खिंचाव और चोट के कारण बाहर चले गए। तेज गेंदबाज यश ठाकुर के पंजे के अलावा, क्रूणाल ने खुद एलएसजी की आईपीएल 2024 की तीसरी जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं कप्तान केएल राहुल इस बात से भी खुश थे कि कैसे मयंक की अनुपस्थिति के बावजूद उनके गेंदबाजों ने अपने घरेलू मैदान पर एक और स्कोर का बचाव करने के लिए एकजुट होकर शानदार गेंदबाजी की। एलएसजी अब चार मैचों में से तीन जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और शुक्रवार शाम को दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगा।

एशियाई बैडमिंटन

सिंधू और लक्ष्य के सामने कठिन चुनौती

शुरुआती दौर में ही शीर्ष चीनी शटलरों से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं तो उनके सामने छठी वरीय चीन की हान यू होंगी, जबकि लक्ष्य के सामने पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के शी यूकी होंगे। एचएस प्रणय का पहले दौर में चीन के लू गुआंग जू से मुकाबला होगा। एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और इस वर्ष ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य सेन के सामने कठिन चुनौती है। सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं तो उनके सामने छठी वरीय चीन की हान यू होंगी, जबकि लक्ष्य के सामने पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के शी यूकी होंगे। एचएस प्रणय का पहले दौर में चीन के लू गुआंग जू से मुकाबला होगा।

सात्विक-चिराग नाम वापस ले चुके हैं

पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन का यह अंतिम टूर्नामेंट हैं। इसके बाद ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले शीर्ष 16 शटलरों की रैंकिंग जारी होनी है। इस टूर्नामेंट से सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी है। बावजूद इसके टूर्नामेंट में एशिया के सभी शीर्ष शटलर शिरकत कर रहे हैं। इनमें शीर्ष वरीय कोरिया की एन से यंग, ओलंपिक विजेता चीन की चेन यू फेई, ताईवान की ताई जू यिंग, जापान की अकाने यामागुची के अलावा पुरुष वर्ग में शी यूकी, सिंगापुर के लोह कीन यू, इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, जापान के केंता निशिमोतो, कोडाई नरोका जैसे शटलर शामिल हैं। सात्विक और चिराग की जोड़ी इस वर्ष शानदार फॉर्म में चल रही है और उनसे पुरुष डबल्स वर्ग में इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने की उम्मीद है।

श्रीकांत पहले दौर में गिंटिंग से भिड़ेंगे

सिंधू के सामने पहले दौर में मलयेशिया की गोह जिन वेई होंगी। अगर वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तो उनके सामने यामागुची हो सकती हैं। लक्ष्य एशियाई खेलों के दौरान हांगझोऊ में टीम मुकाबलों में शी यूकी को हरा चुके हैं। उनका ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करना लगभग तय माना जा रहा है। प्रियांशु राजावत पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से और किदांबी श्रीकांत इंडोनेशिया के तीसरी वरीय एंथोनी सिंसुका गिंटिंग से भिड़ेंगे। महिलाओं में आकर्षी कश्यप पहले दौर में थाईलैंड की ओ बुसानन से खेलेंगी।

धोनी ने रचा इतिहास

3 बॉल खेलकर भी कर गए कमाल कारनामा

चैन्नई, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और अब तो सीएसके के भी पूर्व कप्तान हो चुके एमएस धोनी के बारे में माना जा रहा है कि ये आखिरी आईपीएल है। वे कप्तानी पहले ही छोड़ चुके हैं और रुतुराज गायकवाड को कमान सौंपी गई है। इस बीच धोनी फील्डिंग के वक्त तो मैदान में रहते ही है और गायकवाड की मदद भी करते हैं, लेकिन फैंस उनकी बैटिंग देखने के लिए भी काफी उत्सुक रहते हैं। धोनी भी फैंस की मुराद पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच कोलकाता के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने तीन ही बॉल खेलीं, लेकिन इस दौरान भी वे एक अद्भुत रिकॉर्ड बना गए।

धोनी ने तीन बॉल पर बनाया एक रन

एमएस धोनी केकेआर के खिलाफ खेले गए मैच में उस वक्त बल्लेबाजी के लिए आए जब टीम को केवल तीन ही रन की जरूरत थी। क्रीज पर धोनी आते हैं और तीन बॉल ही खेलकर एक रन बनाते हैं। इसके बाद आखिरी में कप्तान रुतुराज गायकवाड चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाते हैं। इस बीच धोनी ने एक और नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। उन्होंने अपने ही साथ रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया है।

हम बात कर रहे हैं आईपीएल में सफल रन चेज के बाद सबसे ज्यादा नाबाद यानी नॉट आउट रहने वाले खिलाड़ी की। अब तक ये रिकॉर्ड रवींद्र जडेजा के नाम था, जो अब धोनी के नाम हो गया है। रवींद्र जडेजा अब तक आईपीएल सफल रन चेज में 27 बार नाबाद रहे हैं, लेकिन अब धोनी ने 28 बार ऐसा कर दिया है। यहां हम केवल चेन्नई के लिए खेलते हुए की बात नहीं कर रहे हैं। पूरे आईपीएल करियर की बात कर रहे हैं। वैसे मैच में नंबर तो रवींद्र जडेजा का ही आने का था, लेकिन धोनी ने फैंस को खुश करने के लिए ये फैसला किया और नया कीर्तिमान भी बना गए।

टूट गया केकेआर का विजयीक्रम

कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया सीएसके के हाथों मिली हार की क्या रही वजह

चैन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 22वें लीग मैच में केकेआर का सामना सीएसके से हुआ। इस मैच में मेजबान टीम सीएसके ने अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की नाबाद 67 रन की पारी साथ ही रवींद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी (4-0-18-3) और फील्डिंग (दो कैच) के दम पर इस मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके ने केकेआर के विजयीक्रम को तोड़ दिया जिसने अपने पिछले तीनों मैच लगातार जीते थे, लेकिन चौथे मैच में उसे पराजय मिली। इस मैच में जडेजा को उनकी शानदार गेंदबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला। जडेजा आईपीएल में 1000 से ज्यादा रन, 100 से ज्यादा विकेट और 100 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बने।

इस मैच में मिली हार के बाद केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया कि ये जीत निराश करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि हमें पावप्ले में शानदार शुरुआत मिली, लेकिन उसके बाद हमने लगातार अपने विकेट गंवाए। पहली पारी में पावरप्ले के बाद हम कंडीशन की सही अंदाजा नहीं लगा पाए जबकि सीएसके टीम को यहां की परिस्थितियों के बारे में सब पता था और उन्होंने अपनी योजना के मुताबिक गेंदबाजी की। इस पिच पर पहले रन बनाना आसान नहीं था, हम पारी बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हमारी रणनीति सही तरीके से काम नहीं कर पाई। श्रेयस ने आगे कहा कि पावरप्ले के बाद विकेट बदल गया, हालांकि उससे पहले हम अच्छी स्थिति में थे और लग रहा था कि 160-170 का स्कोर अच्छा होगा, लेकिन हमने रन बनाने की गति खो दी। हमें अपनी इस हार से सीखना होगा और मुझे खुशी है कि शुरुआत में ही हमें ये सबक मिला। जब हम वापस जाते हैं, तो हम अपनी घरेलू परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानते हैं। हमें स्थितियों का विश्लेषण करने की आवश्यकता है और इसका सर्वोत्तम उपयोग करने की आवश्यकता है। आपको बता दें कि केकेआर ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन बनाए जबकि सीएसके ने 17.4 ओवर में 3 विकेट पर 141 रन बनाकर मैच जीत लिया।

हार पर बोले वरूण चक्रवर्ती

'हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना बनाई थी लेकिन

चेन्नई, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में पिच को सही ढंग से पढ नहीं पाने का खामियाजा उनकी टीम को भुगतना पड़ा। पिछले दो मैचों की तुलना में इस मैच की पिच अलग थी। केकेआर 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी जिसे चेन्नई ने 14 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

चक्रवर्ती ने मैच के बाद कहा, 'मैने जब विकेट को देखा तो यह सपाट लगा लेकिन यह पूरी तरह से अलग था। उन्होंने कहा, 'हम पिच को बेहतर भांप सकते थे क्योंकि शुरूआत में यह धीमी थी। गेंद से संपर्क करना कठिन था लेकिन मुझे लगा कि 160 का स्कोर ठीक रहता। इसके अलावा ओस भी थी। शिवम दुबे को जो मैने आखिरी ओवर डाला , उससे काफी फर्क पड़ा क्योंकि मैं गेंद पर पकड़ नहीं बना पा रहा था। उन्होंने कहा, 'हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना बनाई थी लेकिन अहम बात उन पर अमल करना था। हर टीम में कुछ बल्लेबाजों का दबदबा रहता है जिन पर रोक लगानी होती है।

रविंद्र जडेजा ने आईपीएल में बनाया महारिकॉर्ड

आईपीएम में हजार रन और 100 विकेट लेने वाले पहले क्रिकेटर

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से बेहतरीन ऑलराउंडर पूरे इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के इतिहास में नहीं रहा है। दुनिया का कोई अन्य ऑलराउंडर इतना प्रतिभाशाली इस समय नहीं है, जो तीनों फॉर्मेट में खेलता हो और आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करता आ रहा हो। इसी बीच रविंद्र जडेजा ने आईपीएल का एक महारिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। कोई अन्य खिलाड़ी उस उपलब्धि तक नहीं पहुंचा है।

दरअसल, रविंद्र जडेजा आईपीएल के इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं, 100 से ज्यादा विकेट चटकाए हैं और 100 कैच पकड़े हैं। रविंद्र जडेजा ने चेन्नई सुपर किंग्स, कोच्चि टस्कर्स केरला और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए ये कारनामा कर दिखाया है। वे आईपीएल में 2776 रन बना चुके हैं और गेंदबाज के तौर पर 156 विकेट चटका चुके हैं और 100 कैच इस लीग में पकड़ने में सफलता हासिल की है।

असल मायने में रविंद्र जडेजा ही इस समय 3ष्ठ प्लेयर यानी 3 डायमेंशनल प्लेयर हैं, जो बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सबसे अच्छे हैं। वे एक बल्लेबाज के तौर पर उतरते हैं तो प्योर बैटर नजर आते हैं और स्पिनर के रूप में उतरते हैं तो पूरी तरह लेफ्ट आर्म स्पिनर नजर आते हैं और फील्डर के तौर पर तो उनके कहने ही क्या, दूर से थ्रो फेंकना हो, स्टंप्स को हिट करना हो या फिर कितनी भी दूरी तय करके कैच पकड़ना हो, जड्डू हर काम आसानी से कर लेते हैं। बता दें कि रविंद्र जडेजा सोमवार 8 अप्रैल को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए सीएसके वर्सेस केकेआर मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए थे। इसी के साथ वे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 15 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे। इतने ही खिताब एमएस धोनी ने भी अपने नाम किए हैं। धोनी का ये रिकॉर्ड आईपीएल में जल्द टूटने वाला है।

प्रमुख उषा का बड़ा आरोप, कहा-

कार्यकारी परिषद के सदस्य मुझे दरकिनार करने की कोशिश कर रहे

नई दिल्ली , एजेंसी। शुक्रवार को कार्यकारी परिषद के नौ सदस्यों ने यहां आईओए कार्यालय परिसर में एक हस्ताक्षरित नोटिस चिपकाया था जिसमें 'अनधिकृत व्यक्तियों' को संघ के मुख्यालय में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा गया था। इस नोटिस को उषा ने 'मनमाना' बताया और यह उनके द्वारा नियुक्त दो अधिकारियों के लिए था। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को कहा कि बागी कार्यकारी परिषद के सदस्य अवज्ञा करके उन्हें दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें उनके द्वारा नियुक्त एक अधिकारी को सेवा बर्खास्तगी पत्र जारी करना भी शामिल है। शुक्रवार को कार्यकारी परिषद के नौ सदस्यों ने यहां आईओए कार्यालय परिसर में एक हस्ताक्षरित नोटिस चिपकाया था जिसमें 'अनधिकृत व्यक्तियों' को संघ के मुख्यालय में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा गया था। इस नोटिस को उषा ने 'मनमाना' बताया और यह उनके द्वारा नियुक्त दो अधिकारियों के लिए था। कार्यकारी परिषद के अधिकतर सदस्यों ने इससे पहले दावा किया था कि उन्होंने जनवरी में आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति को अमान्य घोषित करने वाले निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने यह भी दावा किया कि उन्होंने अजय नारंग को आईओए अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक के पद से 'बर्खास्त' कर दिया है। उषा ने कार्यकारी परिषद के सदस्यों द्वारा नारंग को दिया गया बर्खास्तगी पत्र मिलने की बात स्वीकार की लेकिन इसे 'पूर्णतया निरर्थक' कहकर खारिज कर दिया। उषा ने कार्यकारी परिषद के बागी सदस्यों को भेजे अपने जवाब में कहा, यह देखकर निराशा होती है

कि हम अब भी एक टीम के रूप में काम नहीं कर पा रहे हैं और आपकी हर हरकत मुझे दरकिनार करने की कोशिश है। मेरे पास आप सभी को यह याद दिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि कर्मचारियों की नियुक्ति और बर्खास्तगी सहित दैनिक प्रशासनिक कार्य कार्यकारी परिषद का काम नहीं है। कार्यकारी परिषद के रूप में हमें अपनी शक्तियों और अधिकारों का उपयोग आईओए को ऊंचाइयों पर ले जाने के अधिक महत्वपूर्ण कार्य के लिए करना चाहिए। पूर्व दिग्गज धाविका ने कहा, आईओए स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि वे आईओए भवन के भीतर लगाए गए नोटिस की किसी भी प्रति को हटा दें। इसके अलावा आईओए स्टाफ को मेरे कार्यकारी सहायक के माध्यम से मेरे कार्यालय से मार्गदर्शन और निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है। जनवरी में सार्वजनिक रूप से सामने आई आईओए की आंतरिक कलह अब भी जारी है जबकि पेरिस ओलंपिक शुरू होने में सिर्फ तीन महीने बाकी हैं। उषा ने कहा कि सात जून 2023 को नियुक्त किए गए नारंग का पद पर बने रहना या बर्खास्तगी केवल उनकी सिफारिश पर आधारित होगी, ना कि किसी और की इच्छा पर। उन्होंने कहा, बर्खास्ती दस्तावेज पूरी तरह से अमान्य हैं। अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक की नियुक्ति कार्यकारी परिषद के अधिकार क्षेत्र में नहीं है और इसलिए बर्खास्तगी कानून के अनुसार नहीं है। मैं कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) द्वारा किए गए काम से संतुष्ट हूं और उनकी सेवाएं समाप्त करने का कोई कारण नहीं दिखता।

टूट गया धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत का रिश्ता

दाखिल की तलाक की अर्जी

धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला लिया है। दोनों ने चेन्नई की फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए अपनी अर्जी दाखिल की है। धनुष और ऐश्वर्या आपसी सहमति के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं। कुछ ही दिनों में इस मामले में सुनवाई शुरु हो जाएगी। बता दें कि धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत दो साल से साथ नहीं है। वे साल 2022 में ही एक-दूजे से अलग होने का एलान कर चुके थे।

जब सुलह की उड़ी थी अफवाह

नाता तोड़ने का एलान करने के बाद भी धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत ने तलाक नहीं दिया था। यही वजह थी कि काफी समय पहले यह अफवाह उड़ी थी कि दोनों के बीच सुलह हो गई हैं। उन दिनों दोनों ही अपने काम में काफी व्यस्त भी थे। दोनों साथ तो नहीं थे, लेकिन माता-पिता होने के चलते अपने बच्चों की परवरिश जरुर कर रहे थे। उनके दो बेटे हैं, जिनका नाम यात्रा और लिंगा है।

2004 में की थी शादी

धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत साल 2004 में एक-दूसरे से शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों का रिश्ता 18 साल तक चला। शादी के वक्त धनुष की उम्र 21 साल और ऐश्वर्या की 23 साल थी।

धनुष की आने वाली फिल्म

धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर है। इसका निर्देशन शेखर कम्मुला कर रहे हैं। फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना जैसे बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में एक्शन और थ्रिलर देखने को मिल सकता है। वहीं, ऐश्वर्या रजनीकांत की बात करे तो उनकी आखिरी फिल्म लाल सलाम इसी साल 9 फरवरी को रिलीज हुई थी। इस फिल्म से ऐश्वर्या ने नौ साल बाद निर्देशक के रुप में वापसी की थी।

अब तेलुगू में दमखम दिखाएंगे खिलाड़ी कुमार

अक्षय कुमार की कई फिल्में लाइन में लगी हुई हैं। कुछ रिलीज होने के लिए तो कईयों पर काम चल रहा है। इस बीच ये खबर सामने आई है कि वो अब तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री यानी टॉलीवुड में भी अपना दमखम दिखाने वाले हैं। वो भी प्रभास और मोहनलाल जैसे सितारों के साथ। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां और छोटे मियां को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ये फिल्म 10 अप्रैल 2024 को थिएटर्स में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अक्षय का तेलुगू डेब्यू। वो भी प्रभास और मोहनलाल जैसे साउथ के धुरंधरों के साथ। साउथ की एंट्री को लेकर ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने ट्वीट किया है। उन्होंने ट्विटर (अब एक्स) पर लिखा कि बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार पैन-इंडिया बिग बजट मूवी की कास्ट को ज्वॉइन करेंगे।

रियल हीरो की लाइफ को पर्दे पर उतारेंगे हरमन बावेजा

बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता हरमन बावेजा ने इख्वान नाम की फिल्म बनाने का फैसला किया है। यह फिल्म बावेजा स्टूडियो के बैनर तले बनाई जाएगी। हरमन बावेजा निर्मित यह फिल्म कश्मीर के पहले अशोक चक्र पुरस्कार विजेता दिवंगत लांस नायक नजीर वानी के जीवन पर आधारित होगी। यह फिल्म एक बायोपिक होगी। इस फिल्म में पूरी तरह से वानी की देशभक्ति को दिखाया जाएगा। साहस और बहादुरी की कहानी है इख्वान। फिल्म इख्वान में देश के प्रति साहस और बहादुरी की कहानी को दर्शाया जाएगा। यह कहानी है दिवंगत लांस नायक नजीर वानी की जिन्होंने देश की रक्षा करते वक्त हजारों जोखिम उठाते हुए देश के लिए अपनी जान को कुर्बानी कर दिया। नवंबर 2018 में बाटागुंड गांव में आतंकियों से लड़ते हुए उन्होंने देश के लिए अपनी जान गवाई थी।

हरमन बावेजा के मन की बात

फिल्म को लेकर हरमन बावेजा ने कहा, मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि मैं दिवंगत लांस नायक नजीर वानी की दिल छू लेने वाली कहानी को सिल्वर स्क्रिन पर लेकर आ रहा हूं।

शोभिता ने मंकी मैन से हॉलीवुड में मारी एंट्री

वेब सीरीज द नाइट मैनेजर, मेड इन हेवन जैसी कई सफल फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ चुकीं शोभिता धूलिपाला ने अब हॉलीवुड में डेब्यू किया है। हॉलीवुड फिल्म मंकी मैन में शोभिता देव पटेल के साथ काम कर रही हैं।

शोभिता ने बताया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने अपने बॉलीवुड डेब्यू से पहले यानी करीब 9 साल पहले ही ऑडिशन दिया था। पोन्नियिन सेल्वन अलावा मेड इन हेवन सीजन 1 और 2 जैसी फिल्मों और शो में काम करने के बाद शोभिता हॉलीवुड में कदम बढ़ा चुकी हैं। शोभिता की पहली हॉलीवुड फिल्म मंकी मैन हाल ही में इंटरनैशनल लेवल पर रिलीज हुई है।

एक इंटरव्यू में शोभिता ने फिल्म में अपने रोल को लेकर बात की और साथ ही ये भी बताया कि देव पटेल के साथ काम करना कैसा था, जिन्होंने न केवल इस फिल्म में एक्टिंग की है बल्कि इसका इसे प्रड्यूस और डायरेक्शन भी किया है।

चंदू चैंपियन फिल्म से कार्तिक आर्यन ने सीखी यह खास बात

साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा को-प्रोड्यूस की गई फिल्म चंदू चैंपियन इस साल की सबसे बड़ी फिल्म होने का वादा कर रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म का कैनवास बड़ा है और कहानी भी दिलचस्प है। इसके अलावा इस फिल्म के साथ, कार्तिक आर्यन अपने कभी न देखे गए अवतार में नजर आने वाले हैं, जिसे देखना दर्शकों के लिए बेहद मजेदार होने वाला है। सुपरस्टार अपने किरदार को परफेक्ट बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, और देखो, यह उनकी असल जिंदगी को भी पॉजिटिवली प्रभावित कर रहा है। जी हां! अब, वो एक फिटनेस फ्रीक बन चुके हैं। इससे तो लग रहा है कि ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन धूम मचने वाला है! कार्तिक आर्यन का डेडिवेशन चंदू चैंपियन के किरदार को परफेक्ट बनाने के लिए सभी को प्रभावित कर रहा है। दुनिया भर में फिल्म को लेकर खूब चर्चा हो रही है। चाहे वो चौंकाने वाला उनका बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन हो, या फिर भाषा को बोलने की कड़ी प्रैक्टिस हो, सुपरस्टार सच में इस फिल्म में अपना दिल और जान लगा रहे हैं।

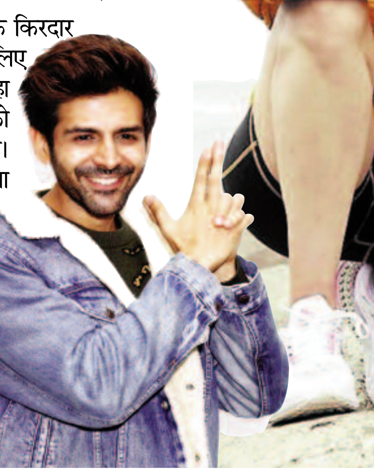

वर्कआउट को सजा नहीं मानतीं एक्ट्रेस सैयामी खेर

फिटनेस के प्रति अपने जुनून के बारे में बात करते हुए मशहूर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने बताया कि वह व्यायाम को सजा के तौर पर नहीं बल्कि एक ऐसी गतिविधि के रूप में देखती हैं जिसका वह वास्तव में आनंद लेती हैं। सैयामी ने बात करते हुए कहा, हर दिन जब आप उठते हैं तो उसमें से सबसे कठिन काम मुझे अपने जूते पहनना और जूते के फीते बांधना लगता है, आप कसरत करना भूल जाते हैं, हमेशा आलसी रहते हैं। लेकिन एक बार जब आप जूते पहनते हैं और बाहर निकलते हैं तो पहला किलोमीटर कठिन होता है और फिर सब कुछ बहुत अच्छा लगता है।

बैडमिंटन के प्रति अपने प्यार का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, बैडमिंटन खेलने से मुझे बहुत खुशी मिलती है इसलिए मैं वर्कआउट को सजा नहीं मानती क्योंकि मुझे वास्तव में ऐसा करना पसंद है। अगर मैं वर्कआउट से ब्रेक चाहती हूं तो मैं बैडमिंटन खेलना पसंद करूंगी। सैयामी ने कहा कि वर्कआउट का हर रूप उनके लिए आदर्श है। घूमर एक्ट्रेस बर्लिन में आयरनमैन रेस के लिए तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, फिलहाल मैं एक अलग तरह की ट्रेनिंग पर हूं क्योंकि मैं सितंबर में बर्लिन में आयरनमैन रेस कर रही हूं। यह बहुत कठिन है, इसमें साइकिल चलाना, तैराकी, दौड़ना और शक्ति प्रशिक्षण शामिल है। इसलिए मेरा वर्तमान वर्कआउट मेरे आयरनमैन प्रशिक्षण की ओर है।

अपारशक्ति ने अपने किरदारों को लेकर की बात

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना कई हिंदी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय का जलवा बिखेर चुके हैं। उनका कहना है कि ऐसी फिल्में करना महत्वपूर्ण है जो एक अभिनेता को टाइपकास्ट होने से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही उन्हें विश्वास है कि उनकी अगली रिलीज बर्लिन ऐसी ही एक फिल्म है। स्त्री, पति पत्नी और वो और लुका-छुपी जैसी कई हिट कॉमेडी फिल्मों के बाद उन्होंने बिनोद दास की जबर्दस्त भूमिका निभाई।

इ्र फिल्म बर्लिन का प्रीमियर शुक्रवार को मुंबई में रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में हुआ। अपारशक्ति खुराना ने कहा, एक अभिनेता के रूप में ऐसी फिल्में करना महत्वपूर्ण है जो आपकी धारणा से अलग हों। मेरे करियर में पहली आठ-नौ फिल्में बैक-टू-बैक कॉमेडी थीं। लोगों के मन में मेरे लिए एक अजीब सी धारणा थी। मैं उस स्थिति को तोड़ने के लिए या किसी बात को साबित करने के लिए बहुत ज्यादा प्रयास नहीं कर रहा था। अपने किरदारों पर बात करते हुए आगे अपारशक्ति ने कहा, मैं एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित नहीं होना चाहता हूं, जो केवल कॉमेडी करता है या सिर्फ सीरीयस रोल ही करता है। इसलिए बर्लिन इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने बर्लिन में पुश्किन नाम के एक सांकेतिक भाषा स्पेशलिस्ट की भूमिका निभाई है। खुराना ने कहा कि भाषा सीखने के लिए उन्हें कड़ी कोचिंग से गुजरना पड़ा। अभिनेता ने कहा, यह एक बहुत ही अलग दुनिया थी, लेकिन यह बहुत सुंदर थी। आंखों के माध्यम से और सांकेतिक भाषा में बहुत कुछ कहा जा सकता है। इसलिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इस भाषा की खूबसूरती यह है कि इसमें जीवन के प्रति अधिक जीने का नजारिया है।

राजनीति में आते ही मालामाल हुई कंगना

खरीदी नई मर्सिडीज मेबैश कार

हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही अभिनेत्री कंगना रनौत को जब से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है, तब से ही वे लगातार विवादों में आ गई हैं। पिछले दो दिन से बीफ खाने को लेकर विवादों का सामना कर रही कंगना रनौत की सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वे नई मर्सिडीज मेबैश कार में घूमती हुई नजर आ रही हैं।

गौरतलब है कि कंगना इन दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र मंडी में चुनाव प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। रविवार (7 अप्रैल) को उन्हें मुंबई में इस कार के साथ देखा गया। इस दौरान वह सैलून के बाहर नजर आईं। पैपराजी ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें कंगना लूज वाइट आउटफिट पहने थी और सैलून से बाहर निकलकर मर्सिडीज में जाकर बैठ जाती हैं। इस दौरान पैपराजी ने उन्हें कैप्चर किया जिसके कई वीडियो और फोटो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। कंगना अपने नो-मेकअप लुक और नई हेयरस्टाइल को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। बताया जा रहा है कि कार की कीमत 2 करोड़ 43 लाख रुपए है। कई बड़े फिल्मी सितारों की तरह कंगना भी लग्जरी कारों की शौकीन हैं।

संजय दत्त ने चुनाव लड़ने की खबरों से किया इनकार

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर एक्टर संजय दत्त को लेकर यह चर्चा होने लगी कि वह चुनाव लड़ सकते हैं। जिसके बाद एक्टर ने इस पर सफाई दी और बताया कि उनका चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है और ना ही वह राजनीति में प्रवेश करने जा रहे हैं। दरअसल कई मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि वह हरियाणा से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ कांग्रेस की ओर से उम्मीदवार बन सकते हैं। एक्टर ने इन खबरों का खंडन किया और ट्वीट कर बताया कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है।

राजनीत में नहीं आएंगे संजय दत्त

संजय दत्त ने सोमवार को एक्स अकाउंट पर लिखा, 'राजनीति में शामिल होने के बारे में सभी अफवाहों पर मैं विराम लगाना चाहूंगा। मैं किसी भी पार्टी को ज्वॉइन नहीं कर रहा हूं और ना ही चुनाव लड़ रहा हूं। अगर मैं राजनीति में जाने का फैसला करता हूं तो मैं खुद सबसे पहले इसकी घोषणा करूंगा। अभी तक मेरे बारे में जो खबरें चल रही हैं कृपया उस पर यकीन ना करें।'

परिवार के सदस्यों का राजनीति से नाता

संजय दत्त के परिवार के सदस्य राजनीति से जुड़े रहे हैं ऐसे में पहले भी उन्हें लेकर ऐसी चर्चाएं होती रही हैं कि वह राजनीति में आ सकते हैं। उनके पिता सुनील दत्त यूपीए सरकार में मंत्री थे। कांग्रेस पार्टी के टिकट पर उन्होंने मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से लगातार 5 बार जीत हासिल की। उनकी मृत्यु के बाद उनकी बेटी प्रिया दत्त ने पिता की विरासत को संभाला और वह उस सीट से जीतीं।

मृणाल ठाकुर ने कहा, फैंस के दिलों तक पहुंचने में समय लगा

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज द फैमिली स्टार के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वक्त तो लगा लेकिन आखिरकार मैंने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। मृणाल को दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। वह अपनी नवीनतम फिल्म द फैमिली स्टार को लेकर भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी को धन्यवाद कहना चाहती हूं। मुझे दर्शकों के दिलों तक पहुंचने में काफी समय लगा लेकिन अब जब मैंने लोगों के दिलों में जगह बना ली है तो मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं।

मैं कड़ी मेहनत करती रहूंगी और ज्यादा से ज्यादा फिल्में लेकर आऊंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस फिल्म को ऐसा रिस्पॉन्स मिलेगा। मैंने पहले कभी कोई रॉम-कॉम (रोमान्स कॉमेडी) नहीं किया है। यह मेरा पहला अनुभव है, और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। मुझे कॉमेडी करने में बहुत मजा आया। मेरी पिछली सभी भूमिकाएं गंभीर थीं

। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए वाकई हवा के झोंके जैसा था। जल्द ही फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी और हिंदी दर्शक भी इसका लुत्फ उठा सकेंगे। द फैमिली स्टार एक तेलुगु भाषा की रोमांटिक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है, जो परशुराम द्वारा लिखित और निर्देशित है और यह श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत दिल राजू और सिरीश द्वारा निर्मित है। फिल्म में विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं और यह 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज हुई थी।

- साभार एजेंसी